

Why a Winning Battle was Lost

Peshwa's decision to appoint Sadashivrao Bhu as the Supreme Commander, instead of Malhar Rao Holkar or Raghunath Rao, proved to be an unfortunate one, as Sadashivrao was totally ignorant of the political and military situation in North India.

Til Ka Tyohaar! Sesame and jaggery play a very significant role in the celebrations.

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



सोमवार, पौष पूर्णिमा के दिन दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम महाकुंभ के पहले स्नान पर्व शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर डेढ़ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र पाविनी गंगा, श्यामल वर्ण यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम पर अमृत स्नान किया। इसके साथ ही महाकुंभ की विशिष्ट परंपरा, कल्पवास की भी शुरुआत हो गई है। पञ्च पुराण और महाभारत के अनुसार संगम तट पर माघ मास में कल्पवास करने से सौ वर्षों तक तपस्या करने के समान पुण्य की प्राप्ति होती है। श्रद्धालुओं ने संगम तट पर केला, तुलसी और जौ रोपकर कल्पवास की शुरुआत की। अमेरिका, रूस, जर्मनी, इटली, इक्वाडोर सहित अनेक देशों से आये विदेशी श्रद्धालु भी मानवता के इस मंगलपर्व के साक्षी बने। जानकारी के अनुसार शाम चार बजे तक एक करोड़ 60 लाख लोग संगम में पवित्र डुबकी लगा चुके थे। महासंगम में सारा दिन हर-हर गंगे के जयकारे गूँजते रहे। आधी रात से ही श्रद्धालु और कल्पवासी संगम तट पर जुटने लगे थे। हर-हर गंगे और जय श्रीराम के गानभेदी जयकारों से पूरा मेला क्षेत्र गूँज उठा। महाकुंभ में कल्पवास करना विशेष फलदायी माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार माघ मास में पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा तक कल्पवास करने का विधान है। कल्पवासी पूरे माघ मास केला और तुलसी का पूजन करेंगे। तीनों काल में सभी कल्पवासी नियम पूर्वक गंगा स्नान, जप, तप, ध्यान, सत्संग और पूजन करेंगे। महाकुंभ का संगम घाट इस बार दुनिया के लिए बड़ा आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्पेनिश, जर्मन, रशियन और फ्रेंच समेत कई विदेशी भाषाओं में जय राम और हर हर गंगे के जयकारों से संगम का वातावरण गूँज उठा। विदेशी श्रद्धालुओं ने इसे आध्यात्मिक अनुभव का केंद्र बताया है।

महाकुंभ के पहले दिन डेढ़ करोड़ लोगों ने संगम में डुबकी लगाई

सुबह से संगम में स्नान करने के इच्छुक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लग गई

प्रयागराज, 13 जनवरी। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने महाकुंभ मेला क्षेत्र में सांस्कृतिक कलाग्राम का उद्घाटन किया और साथ ही प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि दुनिया महाकुंभ को उत्सुकता के साथ देख रही है। उन्होंने प्रेसवार्ता में कहा कि महाकुंभ क्षेत्र में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन होगा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियाँ होंगी। श्री शेखावत

■ विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में लोग संगम किनारे एक माह का कल्पवास करने की प्राचीन परम्परा निभा रहे हैं।

ने कहा कि महाकुंभ देश को एकता में बांधता है। तीर्थराज प्रयागराज में विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन महाकुंभ की शुरुआत आज प्रथम स्नान के साथ हो गई। त्रिवेणी के संगम

में सुबह से देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई, इसके साथ ही एक महीने के कल्पवास की शुरुआत भी आज से हो गई। एक तरफ जहाँ श्रद्धालु पवित्र संगम में डुबकी लगाएंगे तो वहीं, बड़ी

संख्या में लोग संगम किनारे कल्पवास की प्राचीन परंपरा का भी पालन करेंगे। महाकुंभ में पहले स्नान के लिए तड़के से ही संगम में श्रद्धालुओं का भारी भीड़ लगी हुई है। देश ही नहीं, दुनियाभर से लोग दिव्य और भव्य महाकुंभ का अद्भुत अनुभव करने के लिए संगमनगरी पहुँचे हैं। विदेश से प्रयागराज आए श्रद्धालुओं का कहना है कि वे कई वर्षों से सनातन धर्म से (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिंगापुर के राष्ट्रपति आज भारत में

नयी दिल्ली, 13 जनवरी। सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगारलम 14-18 जनवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर आयेंगे। शनमुगारलम की सिंगापुर के

■ राष्ट्रपति थर्मन शनमुगारलम राजनैतिक यात्रा पर भारत आ रहे हैं और 18 जनवरी तक भारत में रहेंगे।

राष्ट्रपति के रूप में यह पहली भारत यात्रा होगी। एक बयान के अनुसार, उनके साथ मंत्रियों, संसद सदस्यों और अधिकारियों (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सीएजी रिपोर्ट पेश करने में बरती जा रही टालमटोल से आपकी मंशा पर संदेह होता है'

दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली के भाजपा विधायकों की याचिका पर सुनवाई करते हुए तीखी टिप्पणी की

नयी दिल्ली, 13 जनवरी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली सरकार की खिंचाई करते हुए कहा कि वह अपने कामकाज के बारे में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के रिपोर्टों को विधानसभा के समक्ष प्रस्तुत करने में टालमटोल कर रही है, जिससे उसकी वास्तविक मंशा पर शक होता है। न्यायाधीश सचिन दत्ता ने विपक्षी

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेन्द्र गुप्ता तथा 6 अन्य भाजपा विधायकों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की है कि विधानसभा अध्यक्ष को सदन की बैठक बुलाने के निर्देश दिए जाए ताकि सदन में सीएजी रिपोर्ट पेश हो और उस पर चर्चा हो सके।

दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सुनवाई करते हुए कहा, दिल्ली सरकार विधायकों द्वारा दायर एक याचिका पर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छात्र आंदोलन केस में नरेश मीणा बरी

जयपुर, 13 जनवरी। न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-6 अदालत ने छात्र जीवन के दौरान दर्ज हुए मामले में देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार रहे नरेश मीणा को बरी कर दिया है। वहीं, विश्वविद्यालय के बाहर प्रदर्शन के दौरान दर्ज एक अन्य प्रकरण में अदालत ने आरोपी नरेश मीणा को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। इसके अलावा, उपचुनाव के दौरान समरवता में एसडीएम से मारपीट के मामले में नरेश मीणा की ओर से हाईकोर्ट में जमानत याचिका पेश की गई है, जिस पर अदालत आगामी

■ देवली-उनियारा के निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के एसडीएम से मारपीट के मामले में आगे सुनवाई होगी।

दिवों में सुनवाई करेगी। गत दिनों टोंक के सत्र न्यायालय ने मीणा की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया था। नरेश मीणा के अधिवक्ता फतेह राम मीणा ने बताया कि साल 2004 में नरेश मीणा ने विवि के छात्रसंघ चुनाव में महासचिव का चुनाव लड़ा था। मतगणना के दिन 21 अगस्त को वह मतगणना कक्ष में था। इस दौरान, बाहर हुए झगड़े में पुलिस ने छह अन्य आरोपियों विजय सिंह, कपिल, जितेन्द्र, मोहम्मद शफी, अनिल और ज्ञानचंद सहित नरेश मीणा को आरोपी बनाकर एफआईआर दर्ज की थी। अदालत पूर्व में अनिल और जितेन्द्र को परीवीक्षा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हर मोर्चे पर असफल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर दबाव है कहीं तो नतीजे दिखाए

शांति और प्रशासन नहीं दे पाई तो जनता का ध्यान बंटाने के लिए सीमा पर तनाव पैदा कर रही है यूनूस सरकार

- बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से ठप्प हो चुकी है और विदेशी बाजार पूरी तरह से छिन गया है।
- बांग्लादेश से होने वाले निर्यात में सबसे अग्रणी, रैंडीमेड गारमेंट निर्माण नहीं हो पा रहा है। देश की रैंडीमेड गारमेंट कम्पनियों विदेशी खरीददारों के ऑर्डर को पूरा नहीं कर पा रही हैं।
- आवश्यक खाद्य पदार्थों के दाम निरंतर बढ़ रहे हैं और आपूर्ति ना के बराबर है, बांग्लादेश की आम जनता बुरी तरह से त्रस्त है।

नहीं बना पाई है। इसी बीच भारत ने बांग्लादेश के राजदूत को बुलाया, क्योंकि बांग्लादेश सीमा पर बाढ़ लगाने के काम में अड़ो

डाल रहा है। भारत सीमा पर कांटेदार बाड़ लगा रहा है, ताकि माल्दा जिले के कुछ भागों में सीमा पर से घुसपैठ रोकी जा सके।

बाँलादेश ने इसका विरोध किया है। बाँलादेश में अव्यवस्था बढ़ गई है। इसका सारा विदेशी बाजार छिन गया है। कानून व्यवस्था और सुशासन के

अभाव में अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। देश का मुख्य व्यवसाय रेडीमेड गारमेंट ठप्प पड़ गया है। बगावत के बाद से गारमेंट निर्माण इकाइयों सामान्य कामकाज नहीं कर पा रही हैं। विदेशी खरीददारों को समय पर पूरी सप्लाई नहीं हो पा रही है। आम लोगों को महंगाई ने परेशान कर रखा है आवश्यक खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ गए हैं तथा उनकी आपूर्ति नहीं हो रही है। आम जनता का अंतरिम सरकार से मोहभंग हो गया है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, यूनूस (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अभाव में अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। देश का मुख्य व्यवसाय रेडीमेड गारमेंट ठप्प पड़ गया है। बगावत के बाद से गारमेंट निर्माण इकाइयों सामान्य कामकाज नहीं कर पा रही हैं। विदेशी खरीददारों को समय पर पूरी सप्लाई नहीं हो पा रही है। आम लोगों को महंगाई ने परेशान कर रखा है आवश्यक खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ गए हैं तथा उनकी आपूर्ति नहीं हो रही है। आम जनता का अंतरिम सरकार से मोहभंग हो गया है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, यूनूस (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म व बेचने में सहयोग पर आजीवन कारावास

जयपुर, 13 जनवरी। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर प्रथम ने नाबालिग किशोरी को अनैतिक काम के लिए बेचने का प्रयास और उससे दुष्कर्म में अपने पुत्र का सहयोग करने वाली महिला करिश्मा उर्फ कस्सो को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 61 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने प्रकरण में नैना, सपना और मंजु को गिरफ्तारी वारंट से तलब कर मुकदमा चलाने की कार्यवाई शुरू करने को कहा है। पीठासीन अधिकारी तिरुपति कुमार

■ अभियुक्त महिला ने नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म में अपने पुत्र का सहयोग किया। बाद में पीड़िता को अनैतिक कार्य के लिये बेचने का प्रयास किया।

गुप्ता ने कहा कि अभियुक्त ने स्वयं महिला होते हुए भी पीड़िता का दर्द नहीं समझा और उसे अपने बेटे की सहायता से घर से भगवाया। वहीं, उसे बेव्यवृत्ति के लिए बेचने का प्रयास किया। जब पीड़िता अपना लैंगिक शोषण कराने के लिए तैयार नहीं हुई तो अपने बेटे के जरिए उसे टार्चर कराया। अदालत ने कहा कि ऐसी महिला समाज रूपी बर्गिया में उगे कैक्टस के समान है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक राकेश महर्षि ने अदालत को बताया (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न स्वास्थ्य, न उम्र, न ही गांधी परिवार का गहलोट के प्रति अविश्वास, गहलोट के पक्ष में है

पर, फिर भी उनका सत्ता, "रूतबा" व राजनीति के लिये लगाव, राजनीतिक महत्वाकांक्षा को लगातार हवा देता रहता है

-रेणु मिश्र-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जनवरी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोट इस समय मुम्बई के एक अस्पताल में हैं। वहाँ उनका गॉल ब्लैडर (पित्ताशय) ऑपरेशन हुआ है। उन्हें आराम की सलाह दी गई है तथा वे कुछ समय तक लोगों से नहीं मिल सकेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा किये गये एक दृवीट के अनुसार, कुछ दिन से गॉल ब्लैडर उन्हें तकलीफ दे रहा था तथा जब वे मुम्बई आये हुये थे, तुरंत ही उनका ऑपरेशन करना पड़ा।

71-वर्षीय राजनेता गहलोट पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी कई कष्टों का सामना कर रहे हैं। कुछ समय से, उनके अस्पताल में जाने-आने का सिलसिला चल ही रहा है। राजस्थान विधानसभा चुनावों में मिली हार के तुरंत बाद ही, उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था, जिसके बाद वे घर पर ही विश्राम करते रहे। वे घर में कुछ समय बैड पर ही रहे, जहाँ उनके लिये अस्पताल जैसी सारी सुविधाएँ उपलब्ध थीं।

लेकिन, अधिकांश राजनेताओं की तरह, समय और उम्र के साथ सत्ता, पद और राजनीति के प्रति उनका लगाव कम नहीं हुआ है।

हाईकोर्ट ने गंगापुर सिटी जिला खत्म करने पर जवाब मांगा

जयपुर, 13 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की ओर से बनाए गए गंगापुर सिटी जिले को खत्म करने के मामले में राज्य सरकार को यह बताने को कहा है कि जिला खत्म करने के निर्णय में विवेक का इस्तेमाल कर लिया गया है या नहीं? वहीं, अदालत ने याचिकाकर्ता को बताने को कहा है कि उन्होंने जनहित याचिका पेश करने से पूर्व राज्य सरकार से इस संबंध

■ ठोस आधार नहीं बताया तो याचिकाकर्ता पर भारी हर्जाना लगाया जा सकता है।

में जानकारी जुटाने के लिए क्या किया है? अदालत ने याचिकाकर्ता को मौखिक रूप से चेतावनी है कि यदि इस संबंध में कोई ठोस आधार नहीं बताया गया तो जनहित याचिका को भारी हर्जाने के साथ खारिज किया जा सकता है। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश गंगापुर सिटी विधायक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

■ जहाँ तक स्वास्थ्य का सवाल है, गहलोट ने स्वयं दृवीट कर सार्वजनिक किया कि अभी जब वे मुम्बई यात्रा पर थे, उनको तुरंत "गॉल ब्लैडर" का ऑपरेशन कराना पड़ा। यह "गॉल ब्लैडर", दृवीट के अनुसार, काफी समय से उन्हें तकलीफ दे रहा था।

■ वैसे, पार्टी का राजस्थान का चुनाव हारने के बाद, गहलोट अस्वस्थ रहे हैं तथा अस्पताल जाना-आना काफी समय तक बना रहा है। इसके बाद, अस्पताल की सभी सुविधाएँ उन्हें घर पर उपलब्ध करायी गईं और घर पर वे काफी समय तक रोगी-शैय्या पर रहे।

■ 25 सितम्बर को सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत करने के बाद, गांधी परिवार का उन पर से जो विश्वास उठा था, वह खाई अभी बरकरार है।

■ पर, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा की ज्वाला, विशेषकर, सचिन पायलट के कारण पैदा असुरक्षा की भावना और तेज हो गई। पर, जहाँ उन्होंने हाथ डाला, चाहे हरियाणा विधानसभा या महाराष्ट्र का इलैक्शन, असफलता ही हाथ लगी।

■ और, अब वे सचिन से प्रतिद्वंद्विता, दिल्ली में चुनाव की तैयारी में पूर्णतया दिखा रहे हैं। सचिन, दिल्ली के चुनाव में सक्रिय हुए तो, गहलोट ने भी वहाँ प्रैस कॉन्फ्रेंस ले डाली। तो, हाईकोर्ट के लिये एक और प्रैस कॉन्फ्रेंस आयोजित करवायी और घोषणा करवायी कि कांग्रेस हर बेरोजगार युवक को 8,500 रूपए प्रतिमाह देगी। एक साल तक, जिससे वह अपनी शिक्षा पूरी कर ले।

उन्होंने अपने पाँच साल के शासनकाल का ज्यादातर समय अपने से युवा, बेहतर वक्ता तथा खुद से अधिक करिश्माई साथी सचिन पायलट के खिलाफ षडयंत्र करने में ही गुजार दिया था।

पायलट के खिलाफ उनका भय तथा असुरक्षा की भावना 25 सितम्बर

को इस हद तक बढ़ गई थी कि उन्होंने सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत कर दी थी, राज्य के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के लिये चालबाजी की तथा कांग्रेस अध्यक्ष बनने के प्रस्ताव तक को ठुकरा दिया था। वे पायलट से इस सीमा तक आशंकित थे कि उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी से दूर रखने के लिये किसी भी हद

तक जाने को तैयार थे। और अब वे अपने धन-बल का उपयोग करके कांग्रेस की राजनीति के केन्द्र में वापस आना चाह रहे हैं। लेकिन सूत्रों का कहना है कि जहाँ तक गांधी परिवार का प्रश्न है, गहलोट के खिलाफ उनका अविश्वास अभी भी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फरवरी 2020 को दिल्ली में हुए दंगे के 3 आरोपी चुनाव लड़ रहे हैं इस बार

ताहिर हुसैन व शाहरुख पठान, ओवैसी की पार्टी की ओर से उम्मीदवार हैं तथा तीसरा आरोपी इशरत जहान कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जनवरी। फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों के कम से कम तीन आरोपी विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। दो को ओवैसी की पार्टी ए.आई.एम.आई.एम. ने प्रत्याशी बनाया है, ये हैं जफरबाद का ताहिर हुसैन और शाहरुख पठान जो कि दिल्ली दंगों का पोस्टर बॉय था। तीसरी है इशरत जहाँ जिसे कांग्रेस ने प्रत्याशी बनाया है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन जो फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगों में कई मामलों में आरोपी हैं, जेल से ही नामांकन पत्र भर सकते हैं। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल

■ जैसा कि विदित ही है, 24 फरवरी 2020 को नाॅर्थ-ईस्ट दिल्ली में हिंसा भड़की थी तथा 53 लोगों की जान गई थी।

■ 26 फरवरी 2020 को रविन्द्र कुमार ने एक एफ.आई.आर. करवाई थी कि उसका पुत्र अंकित शर्मा जो इंटरलिजेंस ब्यूरो में पोस्टेड था, 25 फरवरी से लापता है। यह आरोप लगाया गया है, एफ.आई.आर. में कि अंकित शर्मा के अवशेष खजूरी खास नाले से बरामद किये गये हैं, जो दंगाग्रस्त क्षेत्र में बहता है। यह भी कहा गया है, एफ.आई.आर. में कि अंकित शर्मा के शरीर पर 51 चोट के निशान थे।

चेतन शर्मा ने हुसैन, जिस पर दंगों से जुड़ा हत्या का मामला है, की जमानत मांगी जाने वाली अंतरिम याचिका पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस की तरफ से कहा कि, ऐसे कई उदाहरण हैं, जब (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

डंड अन्यायी के लिए न्याय है। -अग्रस्त्यन

कंपनी की बैलेंस शीट बनाम ज़िंदगी की बैलेंस शीट

हा ल ही में 'एल एंड टी' कंपनी के अध्यक्ष सुब्रमण्यन ने अपने अधिकारियों/कर्मचारियों को प्र लिखकर आभार किया कि वे प्रति सप्ताह 90 घंटे काम करें। यदि वे ऐसा नहीं करेंगे और घर पर रहेंगे तो केवल पत्नी को कितने समय तक घूर सकते हैं? इसी तरह पत्नी भी उन्हें कितने समय तक घूर सकती है? उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों को रिवार को भी काम पर आना चाहिए।

एल एंड टी कंपनी के मुखिया का यह कथन न केवल उनकी घोर अस्वेदनशीलता को दर्शाता है अपितु स्त्रियों के प्रति उनकी घिनौनी मानसिकता का भी द्योतक है।

आश्चर्य की बात यह है कि यह सलाह उस व्यक्ति के द्वारा दी जा रही है जिसका वेतन प्रति वर्ष 51 करोड़ रुपए है और पूरी एंजली अप्रैम से अपना जीवन बिता रहा है। उनका वेतन, उनकी कंपनी के कर्मचारी के वेतन से 800 गुणा अधिक है (यह मानते हुए कि कर्मचारियों का वेतन लगभग 6 लाख सालाना है)। दुनिया भर में जहां काम और जीवन में संतुलन बनाने पर जोर दिया जा रहा है, वहीं सुब्रमण्यन उन्हें परिवार को समय न देने की बात कर रहे हैं। जैसे ही काम के दबाव और मानसिक तनाव के कारण निजी क्षेत्र में काम करने वाले कई प्रतिभाशाली युवा गत दिनों में आत्म हत्या कर चुके हैं। ऐसा लगता है, सुब्रमण्यन के लिए रिशतों की मिटास और महत्त्व का कोई अर्थ नहीं है। सप्ताह में 90 घंटे काम करने की सलाह देने वाले यह भूल जाते हैं कि उनके कर्मचारी केवल पत्नी को निहारने (जिसे वे घूरना कह रहे हैं) का ही काम नहीं करते। उन्हें घर के बच्चों के साथ समय बिताना होता है, उन्हें होम वर्क कराना होता है, बाजार से सामान लाना होता है, बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करनी होती है, बच्चों को स्कूल छोड़ना होता है, अपने मित्रों, रिश्तेदारों के यहां सामाजिक अवसरों पर जाना होता है। यदि वे यह सब नहीं करेंगे तो उनका घर चलेगा कैसे?

सुब्रमण्यन का कथन, अपने कर्मचारियों के प्रति उनके अमानवीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। कुछ दिनों पहले इंप्रेसिंस के अध्यक्ष नारायण मूर्ति ने भी यह बयान दिया था कि कर्मचारियों को प्रति सप्ताह 70 घंटे काम करना चाहिए। क्या कॉर्पोरेट के मुखियाओं का काम केवल अपनी कंपनी के मुनाफे को बढ़ाना ही रहे गया है, चाहे इसके लिए उन्हें अपने कर्मचारियों के जीवन को नर्क ही क्यों न बनाया पड़े?

प्रति सप्ताह 90 घंटे कार्य करने का अर्थ हुआ कि एक कार्य दिवस में 18 घंटे कार्य किया जाए। इतने अधिक समय तक काम करने से किसी भी इंसान की क्या स्थिति होगी? जिन परिस्थितियों में हमारे यहां लोगों को कार्य करना होता है, वह अत्यंत असुरक्षित और कठिन है। श्रम सुरक्षा कानूनों को तो पहले ही विदाई दे दी गई है। हम समाचार पत्रों में प्रतिदिन पढ़ते हैं कि कैसे कोई व्यक्ति असुरक्षित कार्यस्थल के कारण मर गया, मिट्टी ढहने से, मशीन में हाथ कटने से या जहरीली गैस के कारण मर गया। इन सब का कारण यही है कि उपयुक्त सुरक्षा के उपाय मालिकों द्वारा नहीं किए जाते।

गत कुछ वर्षों में जहां बड़ी प्राइवेट कंपनियों का मुनाफा 15 प्रतिशत से अधिक बढ़ा, वहीं कर्मचारियों का वेतन एक-दो प्रतिशत भी नहीं बढ़ा। स्पष्ट है कि अपने कर्मचारियों से मशीन की तरह काम कराने के बाद कॉर्पोरेट का एक मात्र उद्देश्य अपने मुनाफे को बढ़ाना है ताकि उनके मालिक और सी ई ओ ऐंशो आराम की ज़िन्दगी बिता सकें।

उद्योग में निवेश बढ़ाने के नाम पर गत कुछ वर्षों में विभिन्न श्रमिक कानूनों को बहुत शिथिल कर दिया गया है। श्रमिक संगठन तो एक प्रकार से भूतकाल की बात हो गए हैं। आजकल श्रमिकों के हित की बात करने वाला न कोई संगठन है और न मीडिया ही। इन्हें केवल नियोजकों की दया पर ऐसे छोड़ दिया गया है, जैसे किसी शेर के आगे ममेंगे को छोड़ दिया जाता है। दुर्भाग्यवश जो नियोजक ने अपने कर्मचारियों के प्रति केवल शोषण का ही दृष्टिकोण अपना लिया है। उनका मूल मंत्र ही यह है कि कर्मचारियों को कम से कम वेतन दिया जाए और लाभ अधिक से अधिक बढ़ाया जाए। कर्मचारियों के लिए समस्या यह है कि बेरोजगारी के कारण उनके पास अन्य कोई विकल्प भी उपलब्ध नहीं है। इसी कारण वे नियोजकों के हाथों शोषित होने को बाध्य हैं।

श्रम कानून के अनुसार वेतन 8 घंटे कार्य करने के लिए मिलता है और उससे अधिक काम करने पर दुगुनी दर पर भुगतान किया जाता है। अब तो कार्य की अवधि ही बढ़कर 12 घंटे कर दी गई है। अनेक ऐसे कर्मचारी हैं जो प्रतिमाह 12000 में प्रतिदिन 8 से 12 घंटे कार्य कर रहे हैं। शायद सुब्रमण्यन और नारायण मूर्ति को यह नहीं पता कि खुद का छोटा-मोटा काम करने वाले, ठेला, थड़ी लगा कर, व्यवसाय करने वाले 12 से 15 घंटे कार्य करते हैं। वे 'हफने' के रूप में कभी नगर निगम को, कभी पुलिस वालों को मजबूरन अपनी गाड़ी कमाई का पैसा देने के लिए मजबूर होते हैं। रहने के लिए उनके पास किसी कच्ची बस्तों में नारकीय हालात के अलावा और कुछ नहीं होता।

मनुष्य एक मशीन नहीं है। अतः उससे मशीन की तरह काम लेने की सोचना भी स्वयं का ही नुकसान करना है। मशीन सोचती नहीं है, उसमें भावना ही नहीं होती, किंतु मनुष्य सोचता भी है और उसमें भावनाएं भी होती हैं। अपनी सोच को परिष्कृत करने के लिए कई बार इंसान को प्रकृति के साथ समय बिताना होता है, परिवार के साथ रिश्ते प्रगाढ़ करने होते हैं, मित्रों के साथ हंसी-मजाक भी करना होता है।

दुखद आश्चर्य की बात है कि अपने कार्मिकों के प्रति इस प्रकार का अमानवीय दृष्टिकोण रखने और उन्हें 90 घंटे काम करने की सलाह देते समय उन्हें किसी प्रकार की शर्म तक महसूस नहीं हुई। उन्होंने शायद इंसान को मशीन मान लिया है और खुद के मुनाफे के लिए वे किसी भी हद तक गिरने को तैयार हैं।

उदारीकरण और निजीकरण के नाम पर कई वर्षों से सामाजिक सुरक्षा, कार्य स्थल की सुरक्षा और कार्य अवधि का अधिकतम सीमा के बारे में जो प्रावधान थे, उन्हें विलुक्त भूला दिया गया। जब भी निवेश की बात होती है तो पहली शर्त ही निवेशकों को श्रम कानून से मुक्ति की बात रखती जाती है।

श्रमिकों और कार्मिकों का शोषण करने में सरकार भी निजी क्षेत्र जैसा व्यवहार करने लगी है। आजकल सरकार में भी लगभग 30 से 40 प्रतिशत कर्मचारी ठेके पर काम कर रहे हैं जिन्हें नियमित कर्मचारियों के समान न तो वेतन मिलता है न उनकी सेवा की कोई सुरक्षा है। उन्हें किसी भी समय नौकरी से बिना नोटिस, हटाया जा सकता है। निजीकरण और उदारीकरण के बाद ही कार्मिकों के शोषण का गुण प्रारंभ हो गया था किंतु गत 10-12 सालों में स्थिति और खराब हो गई है। नियमित कर्मचारी और ठेके पर रखे कर्मचारियों के वेतन में लगभग 5-6 गुना अंतर होता है। इनके लिए न तो नौकरी की सुरक्षा की गारंटी होती है और न ही किसी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा की। इन्हें नियोजक, जब चाहे, नौकरी से निकाल देता है। शोषण का सबसे प्रचलित तरीका यही हो गया है। अब तो सरकार भी ऐसा करने में लग गई है। सरकार में नियमित नौकरियों का स्थान धीरे-धीरे ठेकेदारी प्रथा ने ले लिया है। इन्हें नियमित नौकरी का कोई लाभ नहीं मिलता है। नियमित नौकरियों का संविदाकरण, कर्मचारियों के शोषण का सबसे बड़ा माध्यम बन गया है। इनके कोई अधिकार नहीं हैं। दुर्भाग्य तो यह है कि न्यायालयों ने भी इनके अधिकारों की रक्षा करना बंद कर दिया है।

सुविधायुक्त वातावरण के कारण सर्वोच्च अधिकारी अथवा नियोजक तो 15 घंटे काम कर सकते हैं, किंतु अमानवीय कार्य परिस्थितियों के कारण अधोमन्य कर्मचारियों का शारीरिक और मानसिक क्षरण 4-5 घंटे में ही हो जाता है। कार्यस्थल का वातावरण उनके लिए अस्वास्थ्यकर होता है और अधिक समय तक काम करते रहने पर वे स्थाई रूप से कई बीमारियों से ग्रस्त भी हो जाते हैं। अतः यदि कोई उन्हें 90 घंटे काम करने के लिए कह रहा है तो यह उन्हें एक प्रकार से मौत के मुंह में ही धकेलने जैसा है।

इस प्रकार की बेतुकी सलाह उस व्यक्ति के द्वारा ही दी जा सकती है जिसके लिए मुनाफा ही भगवान है और जो मानवीय रिश्तों और मानवीय भावनाओं को कोई कदम नहीं करता है। एल एंड टी के अध्यक्ष सुब्रमण्यन के बयान की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। इसके साथ ही यह महिलाओं के प्रति उनके अमानजनक दृष्टिकोण को भी दर्शाता है। आश्चर्य की बात है कि अभी तक महिला संगठनों ने इस संदेश का उतना तीव्र विरोध नहीं किया, जितना होना चाहिए था। सुब्रमण्यन के बयान से तो यह लगता है कि वह अपने परिवार के साथ समय बिताने को समय की बर्बादी मानते हैं। अब तक के सारे अध्ययन यह बताते हैं कि जो व्यक्ति जितना अच्छा संतुलन कार्य और परिवार के बीच में बना पाता है, उसकी उत्पादकता एवं कार्य की गुणवत्ता कहीं बेहतर हो जाती है।

मनुष्य एक मशीन नहीं है। अतः उससे मशीन की तरह काम लेने की सोचना भी स्वयं का ही नुकसान करना है। मशीन सोचती नहीं है, उसमें भावना ही नहीं होती, किंतु मनुष्य सोचता भी है और उसमें भावनाएं भी होती हैं। अपनी सोच को परिष्कृत करने के लिए कई बार इंसान को प्रकृति के साथ समय बिताना होता है, परिवार के साथ रिश्ते प्रगाढ़ करने होते हैं, मित्रों के साथ हंसी-मजाक भी करना होता है। ऐसा लगता है कि सुब्रमण्यन ने न तो कभी कोई मित्र रखे न उन्होंने परिवार में कभी रिश्तों की मधुरता को अनुभव किया है। उनके जीवन का लक्ष्य ही अपनी कंपनी का मुनाफा बढ़ाने तक सीमित है। ऐसा व्यक्ति वास्तव में दया का पात्र है। वे कितना ही पैसा क्यों न कमा लें और कंपनी का मुनाफा कितने ही गुणा क्यों न बढ़ा लें, अन्तर्द से अत्यंत गरीब और खोखले ही रहेंगे। वे यह सरल सत्य ही भूल गए कि धन दौलत से रिश्ते नहीं खरीदे जा सकते हैं।

गनीमत यह है कि जहां सुब्रमण्यन जैसी घटिया सोच के व्यक्ति हैं, वहीं आनंद महिंद्रा जैसी परिष्कृत सोच के उद्योगपति भी हैं जो कर्मचारियों के हित में ही कंपनी का हित देखते हैं। दुर्भाग्य यह है कि सुब्रमण्यन जैसी सोच रखने वाले नियोजकों को इस देश में कमी नहीं है। अंतर केवल इतना है कि अधिकतर ऐसे लोग इस ओछी मानसिकता को सार्वजनिक रूप से प्रकट नहीं करते किंतु उनके निर्णय यही प्रदर्शित करते हैं।

श्रम कानून को तो आजकल खलाशयक के रूप में देखा जाने लगा है। मुझे राजस्थान में श्रम आयुक्त के पद पर दो वर्ष तक कार्य करने का अवसर लगभग 20-22 वर्ष पूर्व मिला था। आजकल श्रमिक संघ और श्रमिक आंदोलन एवं श्रमिकों की बात करने वाले लोग यदा-कदा ही देखे जाते हैं। जब भी सेवा सुरक्षा एवं सेवा की शर्तों के बारे में कोई आंदोलन करने का प्रयास किया गया उस कुचलने में प्रबंधन ने पूरी ताकत लगा दी। कई बार तो इस प्रकार के आंदोलन को हिंसात्मक रूप से दबाने का प्रयास भी किया गया। लोग भूले नहीं हैं, जब गुडरगंज के मारुती के कारखाने में हड़ताल खत्म करवाने के लिए श्रमिकों के विरुद्ध पुलिस द्वारा प्रबंधन के सहयोग से लाठी चार्ज किया गया और गोली चलाई गई। इससे कुछ होकर श्रमिकों की भीड़ ने एक एचआर मैनेजर को मार ही दिया।

आशा की जानी चाहिए कि विभिन्न महिला संगठन, उद्योग संगठन सुब्रमण्यन के इस कथन को कड़ी निंदा करेंगे, ताकि विभिन्न कंपनियों के अध्यक्ष कंपनी की बैलेंस शीट के साथ ही अपनी ज़िंदगी की बैलेंस शीट पर भी ध्यान दें।

-अतिथि सम्पादक, राजेन्द्र भागवत (पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)



डॉ. रामावतार शर्मा

कोलेस्ट्रॉल मोग जैसा एक पदार्थ होता है जो निर्धारित मात्रा में शरीर के कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों में काम आता है। हमारे मस्तिष्क की हर एक कोशिका की प्लाज्मा झिल्ली कोलेस्ट्रॉल से ही बनती है। कोलेस्ट्रॉल मस्तिष्क, नर्व और तंत्रिका तंत्र के विभिन्न घटकों के निर्माण के लिए अत्यावश्यक है। इसके अलावा शरीर में विटामिन डी, कई प्रकार के हार्मोन एवं पाचन के लिए अत्यावश्यक एंजाइम्स के निर्माण के लिए भी कोलेस्ट्रॉल की आवश्यकता होती है। हमारे शरीर में मौजूद करीब 85 प्रतिशत कोलेस्ट्रॉल हमारा लिबर ही बनाता है और हमारे शरीर में कुल कोलेस्ट्रॉल का 25 प्रतिशत कोलेस्ट्रॉल हमारे मस्तिष्क में मौजूद रहता है। इस तरह से यह बात स्पष्ट होती है कि कोलेस्ट्रॉल मानव जीवन के आधारभूत तत्वों में से एक है। अब सवाल उठता है

जागरूकता की कमी के कारण हैं कोलेस्ट्रॉल को लेकर भ्रम

कि लोग कोलेस्ट्रॉल को मृत्यु दूत क्यों मानने लगे हैं जबकि इसके अभाव में जीवन संभव नहीं है? इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति का कारण पर्याप्त जानकारी का अभाव और लोगों का शॉर्टकट के द्वारा जीवन जीने का स्वभाव है। दूसरी तरफ कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण करने वाली दवाओं की खरब 64 अरब रुपए से भी अधिक वैश्विक विक्री भी ईंगित करती है कि न तो लोग अपनी जीवनशैली बदलना चाहते हैं और न ही दवा कंपनियां अपने फायदे को खोना चाहेंगी। सोशल मीडिया पर लोग बेतुकी बातें करते रहेंगे, स्ट्रेटिन खाते रहेंगे और समय पूर्व दीर्घकालिक रोगों के शिकार हो रहेंगे।

हमारा लिबर वी एल डी एल नामक लाइपोप्रोटीन यौगिक उत्पादित करता है जिसकी एक निश्चित मात्रा हमारे हृदय के स्वास्थ्य और शरीर को फुर्तीला बनाए रखने के लिए आवश्यक होती है। यह यौगिक ट्राइग्लिसराइड को शरीर की कोशिकाओं में पहुंचाने का अत्यावश्यक कार्य करता है जिसके फलस्वरूप शरीर को लगातार ऊर्जा मिलती रहती है। इसके विपरीत से ही एल डी एल नामक लाइपोप्रोटीन यौगिक उत्पादित होता है जो कोलेस्ट्रॉल को शरीर के विभिन्न भागों में पहुंचाता है। अब जो कोलेस्ट्रॉल आवश्यकता से अधिक हो उसे एल डी एल नामक लाइपोप्रोटीन लिबर में ले जाता है जहां वह विघटित हो कर शरीर से बाहर

निकाल दिया जाता है। अब यहाँ सवाल उठता है कि इतनी संतुलित एवं नियंत्रित प्रक्रिया में ऐसा क्या हो जाता है कि जीवन का आधारभूत यौगिक मृत्यु का कारण और दवा कंपनियों और चिकित्सकों के लिए धनोपार्जन का एक बहुत बड़ा माध्यम बन जाता है। यहाँ उपरोक्त दोनों पक्षों पर दोषारोपण से काम नहीं चलेगा। आपका आत्मालोकन करना पड़ेगा और अपनी कमजोरियों एवं गलतियों को स्वीकारना एवं सुधारना पड़ेगा।

वास्तव में असली दोषी कोलेस्ट्रॉल नहीं बल्कि आपकी जीवनशैली और भोजन को लेकर ग़लत प्राथमिकताएँ हैं। उच्च कोलेस्ट्रॉल के कुछ प्रतिशत मामलों तो आनुवंशिक होते हैं परंतु ज्यादातर लोगों में अधिक कार्बोहाइड्रेट्स वाला भोजन, सफेद चीनी या उससे बनी मिठाइयाँ, मोटापा, निष्क्रिय जीवन शैली, सुबह एवं रात्रिकालीन भोजन के समय में लापरवाही आदि जिम्मेदार होते हैं। इसके अलावा डाइएबिटीज और गुर्दे के रोगों में भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है। कई तरह के रोगों की दवाएँ, शराब का अनियंत्रित सेवन आदि के कारण भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है। इसके विपरीत यदि भोजन में चीनी और उससे संबंधित उत्पादों की बड़ी कटौती कर दी जाए, सैचुरेटेड फैट को 10 प्रतिशत तक नियंत्रित कर दिया जाए और ट्रांस फैट का उपयोग न के बराबर कर दिया जाए

तो कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण में बड़ा फायदा होता है। भोजन में ओमेगा 3 का उपयोग, घुलनशील फाइबर का अच्छा उपयोग, व्हे प्रोटीन का सेवन, तंबाकू का निषेध, शराब उपभोग पर नियंत्रण, मोटापे से मुक्ति और जीवन में कसरत तथा क्रियाशील जीवनशैली को अपनाना आदि सारे कदम कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण और बेहतर हृदय स्वास्थ्य को तरफ बढते कदम होते हैं। रात्रिकालीन भोजन सूर्यास्त के साथ या फिर हर हालत में रात के 8 बजे से पहले होजाना चाहिए। आलू, आंवल, पत्तेवाली ही सब्जियाँ, सूखे मेवे, ताजा फल, छाछ, दही, टोफू, सोयाबीन, मछली और फलियों वाली सब्जियाँ आदि सभी स्वास्थ्य वर्धक होते हैं। इनके विपरीत सोडा, पैकेजिंग वाले फलों के रस, कार्बो सिरप, फ्राइड फूड, कोटेड एवं रोस्टेड भोज्य पदार्थों का उपयोग अति सीमित मात्रा में करना चाहिए। भोजन को उबालने, भाप द्वारा पकाने या फिर बंद बंदन में धीरे-धीरे पकाने की पद्धतियों का अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए। माइक्रोवेव, प्रेशर कुकिंग आदि का उपयोग कम करना चाहिए। दही, छाछ, रावडी, इडली, डोसा, किमची का उपयोग पर्याप्त मात्रा में करना फायदेमंद होता है। कसरत, ध्यान, गतिशीलता, संगीत, साहित्य और सहज्यता हमारे शरीर में प्रचलन (इम्प्लेमेंशन) को कम करते हैं इसलिए

ये हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिए। घृणा, विवाद, भेदभाव, वासना, अत्यधिक संग्रहण आदि नकारात्मक जीवन पद्धतियाँ हार्मोन तंत्र के दुष्प्रभावों को विकसित करती हैं इसलिए इन सबसे बचना चाहिए।

पिछले चंद वर्षों के शोध अध्ययन बताते हैं कि हृदय की धमनियों में कैल्शियम का जमाव जनसंख्या के एक बड़े हिस्से में होने लगा है जो कि भविष्य में हार्ट अटैक का सूचक होता है। आज से 50 वर्ष पहले यह 70 वर्ष की उम्र के आसपास देखा जाता था परंतु आजकल 10 से 15 वर्ष के बच्चों में भी सी टी एंजियोग्राफी में इसे हृदय की धमनियों में देखा जाने लगा है। यह एक विषम स्थिति है इसलिए इस बारे में व्यापक जन चेतना की आवश्यकता है वरना निकट भविष्य में 15 से 20 वर्ष के युवा भी स्ट्रट लगवाते या बाईपास सर्जरी करवाने नजर आ सकते हैं। शहरी क्षेत्रों में 90 प्रतिशत लोगों के भोजन में फाइबर की कमी पाई जाती है, 75 से 80 प्रतिशत लोग आवश्यकता से कम प्रोटीन का उपभोग कर रहे हैं और 90 प्रतिशत आवश्यकता से अधिक कार्बोहाइड्रेट्स एवं कैलोरी का सेवन कर रहे हैं। ये सब घातक प्रवृत्तियाँ हैं जिन पर स्व अनुशासन की आवश्यकता आज से पहले कभी इतनी ज़्यादा नहीं थी।

-डॉ. रामावतार शर्मा, (चिकित्सक एवं लेखक)

मकर संक्रांति : भारतीय संस्कृति का उत्सव



श्वेता यादव

हर साल 14 जनवरी को भारत में मकर संक्रांति का पर्व उत्साह और उत्कलसे के साथ मनाया जाता है। यह पर्व केवल मौसम परिवर्तन का प्रतीक ही नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति,

कृषि और आध्यात्मिकता से जुड़ी गहरी परम्पराओं को भी दर्शाता है। इस दिन का महत्त्व न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में भी इसका विशेष स्थान है।

मकर संक्रांति का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व- वेदों के अनुसार, मकर संक्रांति सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का पर्व है, जो दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर यात्रा का संकेत देता है। हिंदू धर्म में इसे शुभ माना जाता है क्योंकि सूर्य देवता के उत्तरायण होने से सकारात्मक ऊर्जा और जीवन में नई शुरुआत होती है। इस दिन भगवान विष्णु ने बुराई का अंत कर धर्म की स्थापना की थी, इसलिए इसे अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है।

परम्पराएं और रिवाज- मकर संक्रांति पर देश भर में विभिन्न प्रकार की परम्पराओं का पालन किया जाता है। तिल और गुड़ का दान एवं सेवन करना इस पर्व का एक अभिन्न हिस्सा है। तिल को पवित्र माना गया है और यह शरीर को शुद्ध करता है, जबकि गुड़ जीवन में मिठास लाने का प्रतीक है। इस दिन खिचड़ी बनाया और पतंग उड़ाना भी विशेष रूप से लोकप्रिय है। पतंगबाजी से न केवल उत्साह का संचार होता है, बल्कि यह सूर्य की किरणों से विटामिन-डी पाए जा सकने का एक माध्यम भी है।

देश भर में विविध रूप- मकर संक्रांति को देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग नामों और परम्पराओं के साथ मनाया जाता है।

-तमिलनाडु में पोंगल- यह चार दिवसीय त्योहार है, जिम्में किसान अपनी फसल की पूजा करते हैं। -पंजाब और हरियाणा में लोहड़ी- आग जलाकर तिल, गुड़ और मूंगफली अर्पित की जाती है। -आसाम में भोगाली बिहु- नृत्य और गीतों के साथ फसल की कटाई का उत्सव।

-गुजरात में उत्तरायण-पतंगबाजी का त्योहार। -महाराष्ट्र में तिल-गुड़ उत्सव-महिलाएं एक-दूसरे को तिल-गुड़ देकर कहती हैं- 'तिल गुड़ घ्या, गड़ गड़ बोला'।

आयुर्वेदिक दृष्टिकोण- आयुर्वेद के अनुसार तिल और गुड़ का सेवन

शरीर में गर्मी और ऊर्जा प्रदान करता है। यह स्वास्थ्य को मजबूत बनाते और रोगों से बचाने में सहायक है।

संक्रांति का महत्व- मकर संक्रांति हमें सिखाती है कि अंधकार के बाद प्रकाश आता है और हर अंत एक नए आरंभ का संकेत देता है। यह त्योहार हमें सकारात्मक सोच, कृतज्ञता और सामाजिक समरसता का संदेश देता है। आइए, इस पर्व पर हम सभी तिल-गुड़ की मिठास से अपने रिश्तों को मजबूत करें और जीवन में नई ऊँचाइयों को छूने का संकल्प लें।

-श्वेता यादव, स्वतंत्र लेखिका

बाबा साहिब का शताब्दी महोत्सव सम्पन्न

अजमेर। संतो द्वारा दिखाये गये मार्ग से सेवा, समर्पण, सनातन में अपना जीवन समर्पित करना चाहिये। जिस आश्रम से हमारे पूर्वज जुड़े हैं उन्ही आश्रमों व संतों की आज्ञा से अपनी युवा पीढ़ी को जोड़कर संस्कारवाना बनायें। बाबा ईसरदास की समाधि से हमें आज भी प्रेरणा मिलती है। ऐसे आशीर्वाचन महामण्डलेखर ईसरदास उदासीन ने ईश्वर मनोहर उदासीन आश्रम में चल रहे बाबा ईसरदास साहिब के शताब्दी महोत्सव पर प्रकट किया। उन्होंने धर्म संसद में पारित प्रस्तावों को समाज में पालन करने का आह्वान किया जिससे सामाजिक कुरीतियों को समाप्त किया जा सके। बाबा ईसरदास के निर्वाण शताब्दी महोत्सव समापन पर महन्त स्वरूपदास उदासीन ने आशीर्वाचन देते हुये कहा कि इस सप्त दिवसीय धार्मिक आयोजन में जिन्होंने भी अपना सहयोग तन, मन व धन से दिया है उन्हें बाबा ईसरदास व हमारे बड़े संतों का आशीर्वाद उनके परिवार व समाज को मिलेगा। समापन पर तीर्थंजय पुष्कर के महन्त हनुमानराम, किशनगढ से महन्त श्यामदास जी, भीलवाड़ा से गणेशदास जी, चित्तौडगढ से स्वामी गुरुदास, स्वामी माधवदास, राजकोट से स्वामी अमरलाल, भावगढ़र गुजरात से साईं दीपकलाल, फकीर साईं नन्दलाल जी, आदि मौजूद रहे।

जीवदया, पर्यावरण व स्वच्छता का संदेश लिए निकाली चेतना यात्रा

भीलवाड़ा। अपना संस्थान एवं नगर निगम भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वाधान में 10 से 14 जनवरी तक आयोजित हरित संगम मेले के चौथे दिन आज जीवदया, पर्यावरण एवं स्वच्छता चेतना यात्रा को उद्योग राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर संकट मोचन मंदिर के महंत बाबुगिरी जी एवं हाथीभाटा आश्रम के महंत संतदास जी का भी सावित्र्य प्राप्त हुआ। इसके बाद चित्रकूट धाम अवधपुरी में आयोजित कार्यक्रम में विधायक अशोक कोठारी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा भी शामिल हुए। इस अवसर पर अपना संस्थान प्रांत सचिव विनोद मेलाना, मेला संयोजक राधेश्याम सोमानी, अमरचंद विश्नोई सहित अनेक पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। उद्योग राज्य मंत्री ने मेले के साथ ही फ्लावर शो का भी अवलोकन किया।

अपना संस्थान के अंकुर बोरदिया ने बताया कि रैली में अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणबद्ध जोधपुर उच्च न्यायालय में सहायक रक्षिस्टार खमुराम बिश्नोई के नेतृत्व में भीलवाड़ा के विश्नोई समाज सहित



उद्योग राज्य मंत्र के.के. विश्नोई ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया।

सैंकड़ों की संख्या में पर्यावरण प्रेमी सम्मिलित हुए। रैली में वृक्षों की रक्षायें शहीद अमृतादेवी और मुक्तिधाम मुकाम मंदिर की झालकियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनीं। रैली को व्यवस्थित रखने के लिए चार मंडल गुरु जन्म मंडल, समराथल मंडल, अमृतादेवी मंडल एवं गुफ

चंद्रप्रकाश जी मंडल बनाए गए। यह चेतना रैली जम्भेश्वर नगर से प्रारंभ होकर गंगापूर चौराहा, अंबेडकर सचिवाल, सूचना केंद्र चौराहा होते हुए चित्रकूट धाम अवधपुरी पहुंची, जहां प्रतिनिधिमंडल पिछले 4 दिनों से हरित संगम मेले में पर्यावरण संरक्षण और जीवदया का संदेश दे रहा है।

चंद्रप्रकाश जी मंडल बनाए गए। यह चेतना रैली जम्भेश्वर नगर से प्रारंभ होकर गंगापूर चौराहा, अंबेडकर सचिवाल, सूचना केंद्र चौराहा होते हुए चित्रकूट धाम अवधपुरी पहुंची, जहां प्रतिनिधिमंडल पिछले 4 दिनों से हरित संगम मेले में पर्यावरण संरक्षण और जीवदया का संदेश दे रहा है।

विश्वनोई समाज एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणविद खमुराम बिश्नोई द्वारा निर्मित पर्यावरण चेतना प्रदर्शनी से भी सैंकड़ों लोग प्रेरित हो रहे हैं। जोधपुर से आया विश्नोई समाज का प्रतिनिधिमंडल पिछले 4 दिनों से हरित संगम मेले में पर्यावरण संरक्षण और जीवदया का संदेश दे रहा है।

राशिफल मंगलवार 14 जनवरी, 2025



पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत् 2081, पुनर्वसु नक्षत्र दिन 10:17 तक, विष्णुमं योग रात्रि 2:58 तक, बालव करण दिन 3:39 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-घनु, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कर्क, बुध-घनु, गुरु-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज कुमारा योग दिन 10:17 तक है। राजयोग रात्रि 3:22 से आरम्भ होगा। आज माघ संक्रांति, सूर्य मकर राशि में प्रातः 8:55 पर प्रवेश करेगा। पूष्य काल सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात है। आज मकर संक्रांति पर्व है। कुम्भ महापर्व प्रथम शाही स्नान प्रयाग राज, गंगा सागर स्नान और यात्रा है। आज से मल मास समाप्त होगा और आज पोंगल, माघ बिधु और जन्म दिन हजरत अली (सु.) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:59 से 11:17 तक। लाह-अमृत 11:17 से 1:54 तक, शुभ 3:13 से 4:31 तक। राहुकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:51

मेष
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। वनते कार्य विगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में वृद्धि होगी। संभावित खोब से धन प्राप्त होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित खोब से धन प्राप्त होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यवसायिक कार्यों में आ रही परेशानियों दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियाव्ययन होगा।

कुंभ
विवाहित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक अड़चन दूर होने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वाता सफल रहेगी।

मीन
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित बातें सफल रहेंगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

राजस्थान को पर्यटन में नम्बर वन बनाने के लिए पर्यटकों को मिले यूनिक् अनुभव : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है दूर-दराज के निजन क्षेत्रों को भी पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर लोकप्रिय डेस्टिनेशन बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजनरी क्षमता का अनुकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटक स्थलों पर ट्रेफिक की समस्या के समधान सहित राजस्थान को पर्यटन में नंबर एक बनाने लिए बेहतरतरीन सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों को यूनिक् और अद्भुत अनुभव दिलाने की दिशा में काम किया जाए। उन्होंने कहा कि हम विश्व स्तरीय सेवाओं और सुविधाओं से ही राजस्थान को पर्यटन में अग्रणी बना सकते हैं।

दूर ऑपरेटर्स, होमस्टे मालिकों, होटलों और पर्यटक गाइडों के लिए आयोजित हुई एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में पर्यटन विकास के लिए प्रधानमंत्री विशेष रूचि रखते हैं। इसी के अनुकरण में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने दूर ऑपरेटर्स, होमस्टे मालिक, होटल और पर्यटक गाइड और ड्राइवर्स तथा

पर्यटन से जुड़े अन्य लोगों को बेहतर प्रशिक्षण से उनकी क्षमता संवर्धन के लिए राजिगं राजस्थान प्री समिट (पर्यटन) में मंच से ही निर्देश दिए थे। जिस पर डॉ. ज्योत्सना सूरी, पूर्व अध्यक्ष, फिक्की और सीएमपी, द ललित सूरी हॉस्पिटैलिटी ग्रुप ने ऐसा करने की सहमति दी थी। जिसकी अनुपालना में यह क्षमता संवर्धन कार्यशाला आयोजित की जा रही है। उन्होंने इस हेतु मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया। इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए शासन सचिव पर्यटन रवि जैन ने कहा कि हमें राजस्थान को पर्यटन का सिरमौर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र में वैल्यू एडिशन करने होंगे। शासन सचिव ने कहा कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के दिशा-निर्देशन में प्रदेश में नए पर्यटन स्थलों को विकसित किया जा रहा है साथ ही राजस्थान पर्यटन के प्रमोशन के लिए तेज गति से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह

कार्यशाला निश्चित रूप से पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए लाभकारी साबित होगा। इस अवसर पर फिक्की की पूर्व अध्यक्ष ज्योत्सना सूरी ने अपने स्वागत उद्घोषण में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का कार्यशाला में शिरकत करने हेतु आभार जताया। फिक्की उत्तरप्रदेश कमेट्री के चेयरमैन प्रतीक हीरा ने इस अवसर पर कहा कि राजस्थान हमेशा से विदेशी सैलानियों को पहली पसंद रहा है। उद्घाटन सत्र के अंत में आयुक्त पर्यटन विजय पाल सिंह ने सभी अतिथि वक्ताओं और सहभागियों तथा मीडिया बन्धुओं का आभार जताया। उद्घाटन सत्र के अवसर पर सुष्मा अरोड़ा, प्रबंध निदेशक राजस्थान पर्यटन विकास निगम, सुरेन्द्र सिंह शेखावत, सह-अध्यक्ष, फिक्की राजस्थान राज्य परिषद और अध्यक्ष, शाहपुरा होटल और रिसॉर्ट्स भी उपस्थित रहे।

भारतवंशी युवाओं के दल ने जयपुर फुट की निर्माण विधि का निरीक्षण किया

जयपुर। भारतवंशी युवक-युवतियों के 38 सदस्यीय दल जो विभिन्न देशों से भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के भारत को जाने (नोव इण्डिया प्रोग्राम) के अन्तर्गत भारत आए हुए हैं, ने सोमवार को विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माण विधि का निरीक्षण किया। इस दल में फ्रांस, फिजी, गयाना, इटली, मलेशिया, मौरिशस, म्यानमार, मलेशिया, न्यूजीलैण्ड, दक्षिण अफ्रीका, सुरिनाम, तंजानिया, ट्रिनिडाड और टोबैगो युवक और युवतियाँ थीं। इन्हें भारत सरकार ने विभिन्न भारतीय दूतावासों के जरिए चयनित किया था। दल का जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर कलिंग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता, अध्यक्ष सतीश मेहता और बी.एम.वी.एस.एस. के सचिव (तकनीकी) डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने स्वागत किया।

कृषि उपज मंडियों में 6 करोड़ रु. के विकास कार्यों को मंजूरी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषकों की आय में वृद्धि कर उनके जीवन को समृद्ध और खुशहाल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार ने गत एक वर्ष में कृषक हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इन फैसलों में किसान सम्मान निधि में वृद्धि, गेहू के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी, बड़ी संख्या में नए कृषि कनेक्शन तथा किसानों को बिजली के बिलों में अनुदान सहित कई फैसले शामिल हैं। साथ ही, कृषि उत्पादों के प्रभावी विपणन हेतु मंडियों का विस्तार एवं सुदृढीकरण भी किया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की विभिन्न कृषि उपज मंडियों में 6 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों को मंजूरी दी है। इनमें कृषि उपज मंडी समिति सीकर की विशिष्ट प्याज गौण मंडी याई रसीदपुरा में 74 लाख रुपये के नवीन निर्माण

कार्य, कृषि उपज मंडी समिति (विशिष्ट श्रेणी) बूंदी के अंतर्गत नवीन मंडी प्रांगण कुंवारती में 2.58 करोड़ रुपये से अधिक के विद्युत व निर्माण कार्य, कृषि उपज मंडी समिति पीपाड़ शहर, जोधपुर के गौण मंडी याई आसोप में 90.86 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण एवं सोलर स्टीट लाइट के कार्य तथा कृषि उपज मंडी समिति नागर, डीग के अंतर्गत मुख्य मंडी याई में 1.76 करोड़ से अधिक की लागत से डेम निर्माण कार्य शामिल हैं।

सरकार आगामी राज्य बजट वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार कर रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विभिन्न वर्गों के साथ 16 से 22 जनवरी तक बजट पूर्व संवाद कर उनके अमूल्य सुझाव लेंगे। इस क्रम में 16 जनवरी को शर्मा राज्य के कर्मचारी संगठनों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे।

मुख्यमंत्री 16 को कर्मचारी संगठनों के साथ करेंगे बजट पूर्व संवाद

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य की डबल इंजन सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास और जनकल्याण की भावना के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व तथा दूरगामी सोच के साथ समाज के हर वर्ग के हित में निरंतर निर्णय लिए जा रहे हैं। विकसित राजस्थान 2047 के ध्येय के साथ

मुख्यमंत्री 16 को कर्मचारी संगठनों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे।

विधायकों को आइपेड पर नेवा का प्रशिक्षण कल

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के अध्यक्ष प्रयासों से 16वीं विधानसभा के तीसरे सत्र के लिए विधायक विधान सभा सदन से संबंधित कार्यों में सूचना तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। विधायक नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन के माध्यम से ऑनलाइन पद्धति से कार्य सम्पादित करेंगे। ऑनलाइन कार्य सम्पादन में उत्कृष्टता लाने के लिए विधायक 15 जनवरी को दोपहर 12:30 बजे से सदन में आइपेड पर भौतिक प्रशिक्षण भी लेंगे।

विधान सभा का प्रत्येक सदस्य करेगा सूचना तकनीक का उपयोग : देवनानी

द्वारा विधान सभा को ऑनलाइन प्रश्न प्रेषित कर सकते हैं। राजस्थान विधानसभा का सदन हाइटेक हो रहा है। सदन से संबंधित कार्य ऑनलाइन सम्पादित हो रहे हैं। देवनानी ने मकर संक्रांति के पूर्व प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। देवनानी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि भारतीय परम्परा में मकर संक्रांति का विशेष महत्व है। इस दिन सूर्य उत्तरायण में आता है। मकर संक्रांति का पर्व पर जप, तप, दान, स्नान का विशेष महत्व होता है।

देवनानी ने बताया कि विधानसभा के सदन को नये कलेवर में तैयार किया गया है। सदन में विधायकों की सीटों पर आइपेड लगाये गये हैं। अब विधानसभा को पेपरलेस बनाने की दृष्टि से 16वीं विधानसभा के तृतीय सत्र से नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) लागू किया जाएगा। विधानसभा का प्रत्येक सदस्य इस एप्लिकेशन के माध्यम से सदन से जुड़ी सभी जानकारी आइपेड पर देख सकेंगे। देवनानी ने बताया कि विधायक मोबाइल से भी नेवा एप्लिकेशन एप

विधानसभा में बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय जगन्नाथ पहाड़िया को उनकी जयन्ती पर पुष्पाञ्जलि दी जावेगी। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार को विधान सभा के प्रथम सदन स्थित पूर्वी लांज में स्व. पहाड़िया के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाञ्जलि देंगे।

तिवाड़ी ने महाकुंभ में किया संगम में स्नान

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने सोमवार को परिवार के साथ महाकुंभ में संगम का पवित्र स्नान किया। तिवाड़ी ने कहा कि यह अनुभव वास्तव में अविस्मरणीय था। उन्होंने कहा कि संगम के पवित्र जल में स्नान करने से

मुझे एक अद्भुत शांति और आनंद की अनुभूति हुई। यह पल मेरे जीवन के सबसे यादगार पलों में से एक है। तिवाड़ी ने कहा कि महाकुंभ की भीड़ में भी संगम की पवित्रता ने मुझे आकर्षित किया। यह एक ऐसा अनुभव था जिसने मेरे जीवन को समृद्ध बनाया है।

पौष बड़ा का आयोजन

जयपुर। शिव दुर्गा सेवा समिति विद्याधर नगर द्वारा नववर्ष स्नेह मिलन समारोह, सामूहिक सुंदरकांड पाठ व पौष बड़ा महोत्सव सोमवार को आयोजित किया गया। जिसमें कॉलोनी के निवासियों ने सामूहिक सुंदरकांड पाठ शाम को भगवान शिव और माँ दुर्गा को भोग के बाद सबसे प्रसादी ग्रहण की। इस

मौके पर अध्यक्ष गोविंद सैनी, सचिव धीरज डिंगायच, पंकज अग्रवाल, संदीप गुप्ता, अनूप सोमानी के साथ कॉलोनी के प्रतिष्ठित निवासी भी शामिल रहे। स्थानीय वार्ड पार्षद दिनेश कांक्ट व विद्याधर नगर थाना ईचार्ज राकेश ख्यालिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मंडल अध्यक्षों की घोषणा के बाद ही होगी जिलाध्यक्षों की नियुक्ति

जयपुर। राजस्थान में भाजपा के संगठन चुनाव चल रहे हैं। वृथ और मंडल स्तर के अधिकांश अध्यक्ष निर्वाचित कर दिए हैं। अब जिलाध्यक्षों के चुनावों की प्रक्रिया इन मंडल अध्यक्षों की घोषणा के बाद ही होगी। भाजपा ने प्रदेश को 44 जिला इकाइयों में बाट रखा है। इनमें से पार्टी करीब 30 से अधिक अध्यक्ष निर्वाचन से बनाने पर विचार कर रही है। राजधानी जयपुर में शहर अध्यक्ष बनने की रेस और नेताओं की लॉबींग शुरू हो गई है। जानकारी के अनुसार भाजपा जयपुर में वैश्य व ओबीसी वर्ग के किसी चेहरे को मौका दे सकती है। जयपुर में सोमवार को 19 मंडलों के चुनावों को चुके हैं। शेष 14 मंडलों के चुनावों की प्रक्रिया जल्द ही होगी। लगभग सभी मंडलों में अध्यक्षों का निर्वाचन सर्वसम्मति से होगा। ऐसे में जयपुर में शहर अध्यक्ष के भी सर्वसम्मति से निर्वाचित किया जाना तय है। बताया जा रहा है कि जल्द ही जयपुर में भाजपा नया शहर अध्यक्ष निर्वाचित कर देगी।

शहर में अरविंद स्वामी तो देहात उत्तर में मदन प्रजापत का नाम प्रमुख

भाजपा जयपुर में पॉलिटिकल रूप से जातीय संतुलन बैधाना चाहती है। जयपुर में वैश्य वर्ग बहुतायत में है। वर्तमान में जयपुर में सांसद ब्राह्मण वर्ग से है। दोनों निर्गमों के मेयर ओबीसी-एसबीसी वर्ग से है। सरकार में मंत्री राजपूत-दलित वर्ग से है। भाजपा की बीती दो सरकारों में जयपुर से वैश्य वर्ग से मंत्री भी रहा है, लेकिन इस बार कोई मंत्री नहीं बनाया गया है। ऐसे में भाजपा जयपुर शहर में वैश्य वर्ग के चेहरे को शहर अध्यक्ष बना सकती है। वैश्य वर्ग लगातार भाजपा से समाज को तवज्जो देने की मांग कर रहा है। वहीं जयपुर देहात के अभी तक एक मंडल अध्यक्ष की घोषणा नहीं हुई है। पहले मंडल अध्यक्ष की घोषणा होगी उसके बाद ही जिलाध्यक्ष के नाम को घोषणा होगी।

डोटासरा और गहलोत जवाबदार-जिम्मेदार आदमी, अनर्गल बातें नहीं करनी चाहिए : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा संविधान गौरव अभियान चलाकर देशभर में कांग्रेसियों का दोहरा चरित्र उजागर करेगी। इसके लिए भाजपा ने जिला, मंडल और वृथ स्तर तक समिति बनाई है जो जनता के बीच जाकर कांग्रेस के काले कारनामों उजागर करगी। कांग्रेसियों ने संविधान का अपमान किया और बाबा साहब को कभी सम्मान नहीं दिया। कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब को संसद में जाने से रोका, उनके खिलाफ उम्मीदवार खड़ाकर हराने का षडयंत्र रचा। वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी है जिसने बाबा साहब के सम्मान में पंचतैर्थ बनाने का कार्य किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो विदेश में जमीन खरीदकर उनकी शिक्षा स्थली पर स्मारक बनाने का कार्य किया है।

'कांग्रेस ने अटकाए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नियुक्ति पत्र और विभागों का भर्ती कैंलेंडर किया जारी'

राठौड़ ने कहा कि देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में स्पष्ट कहा है कि कांग्रेसियों को अब अंबेडकर याद आ रहे हैं, अगर कांग्रेसी नेता सच्चे मन से बाबा साहब का सम्मान करना चाहते तो पहले करते, लेकिन अब जब भाजपा बाबा साहब को सम्मान दे रही है तो कांग्रेसी श्रेय लेने के लिए इस तरह का कार्य कर रहे हैं। भाजपा दिखावा नहीं करती है। भाजपा ने गांधी जी का सम्मान किया, अंबेडकर जी, सरदार पटेल सहित

तमाम महापुरुषों को सम्मानित करने का काम कर रही है, जिन्हे कांग्रेस ने दरकिनार कर दिया था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा कि गहलोत और डोटासरा को पता होना चाहिए कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवा दिवस पर 13500 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करने का कार्य किया है, ये वो नियुक्तियाँ थी, जो कांग्रेस को देनी चाहिए थी, लेकिन कांग्रेस ने हमारे युवाओं के भविष्य को गर्त में डालने का कार्य किया और उनकी नियुक्तियों को अटकाए रखा। इसके बाद भी गहलोत और डोटासरा सवाल उठा रहे हैं, यह लोकतंत्र है, इसमें सबको बोलने की स्वतंत्रता है। लेकिन वो जवाबदार और जिम्मेदार आदमी है, अनर्गल बातें नहीं करनी चाहिए।

तेजी से आगे बढ़ाएं अपने मार्केट रिटर्न को

एलआईसी इंडेक्स प्लस

UIN: 512L354V01 | Plan No.: 873

ऑनलाइन भी उपलब्ध

मार्केट रिटर्न के साथ जीवन सुरक्षा का लाभ

एक नॉन - पार, लिंकड, जीवन, व्यक्तिगत, बचत योजना

- मात्र ₹2,500/- के मासिक प्रीमियम से शुरुआत कीजिए
- दो फंड्स में से चुनिए - निफ्टी 50 (फ्लैक्सी स्मार्ट ग्रोथ फंड) या निफ्टी 100 (फ्लैक्सी ग्रोथ फंड) के चुनिंदा स्टॉक्स में 100% तक निवेश
- गारंटीड एडीशन के साथ*

अधिक जानकारी के लिए आप अपने बीमा एजेंट/नजदीकी एलआईसी शाखा से संपर्क करें या आपके शहर का नाम 56767474 पर एसएमएस करें

8976862090 LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

उड़ने दो परिंदों को आजादी से बचाओ इन्हें मांझे से

प्रातः 6 से 8 व सायं 5 से 7 बजे के बीच में पतंग न उड़ाएं

चाइनीज / धातु से बने मांझे का पतंगबाजी में उपयोग नहीं करें

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्थान

बस पलटने से एक दर्जन से अधिक यात्री घायल

स्लीपर बस उज्जैन से पुष्कर के लिए जा रही थी

भीलवाड़ा जिले के मांडल थाना क्षेत्र के धूल खेड़ा के पुलिया पर स्लीपर बस पलट गई। बस पलटने के चलते एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए हैं।

सोमवार को सुबह 6:00 बजे के आसपास मांडल थाना क्षेत्र के धूल खेड़ा के पास स्थित ओवर ब्रिज पर धार्मिक यात्रा के लिए जा रही स्लीपर बस पलट गई, यह स्लीपर बस उज्जैन से पुष्कर के लिए जा रही थी, अचानक ओवर टेक करने के चक्कर में बस हाईवे के डिवाइडर पर पलट गई जैसे ही बस पलटी इस दौरान वहां पर शोर शराबा सुनकर आसपास से गुजर रहे वाहन चालक एवं टापीन मॉके पर पहुंचे, वहीं मांडल थाना पुलिस को भी जानकारी दी सूचना मिलते ही मांडल थाने के एएसआई पृथ्वीराज सहित कहीं पुलिसकर्मी जापते के साथ मौके पर पहुंचे। दुर्घटना के बाद 108 एंबुलेंस पायलट प्रभु प्रजापत और मेल नर्स रवि वर्मा भी मौके पर पहुंचे और घायल लोगों को बस से निकाला गया। 108 एंबुलेंस सहित हाईवे की एंबुलेंस के माध्यम से भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में ले जाया गया। वहीं मांडल थाना पुलिस द्वारा यातायात को सुचारु रूप से चालू करने के लिए प्रयास किया जा रहे हैं। एक दर्जन से अधिक यात्रियों के घायल होने की सूचना है सभी को भीलवाड़ा के महात्मा गांधी

ओवर टेक करने के चक्कर में बस हाईवे के डिवाइडर पर पलट गई

अस्पताल ले जाया गया। हादसे में जनहानि नहीं हुई, लेकिन 25 लोग घायल हुए जिनमें से 21 लोगों को एमजी हॉस्पिटल लाया गया, जहां 12 गंभीर घायलों को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है, बाकी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। हादसे में मीना गुप्ता / राम बिहारी उम्र 58 वर्ष निवासी झांसी, हरिमोहन कुशवाह पुत्र पत्रालाल उम्र 39 वर्ष निवासी झांसी महिपाल सिंह पुत्र रघुवीर सिंह उम्र 70 वर्ष निवासी झांसी, ममता विश्वकर्मा / दीपक विश्वकर्मा उम्र 40 वर्ष निवासी झांसी, लक्ष्मी गुप्ता / सीताराम गुप्ता उम्र 66 वर्ष बासी लालपुर उत्तर प्रदेश, गोविंद प्रसाद पुत्र जानकी प्रसाद उम्र 62 वर्ष निवासी चंद्रा मध्य प्रदेश, रघुवीर प्रसाद पुत्र नाथूराम साहू उम्र 63 वर्ष चंद्रा मध्य प्रदेश, ममता साहू / सुरेश साहू उम्र 47 वर्ष पलेरा टीकमगढ़ मध्य प्रदेश घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने के बाद शहर विधायक अशोक कोठारी एमजी हॉस्पिटल पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी साथ ही मेडिकल स्टाफ को घायलों के इलाज को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।



जिले के मांडल थाना क्षेत्र के धूल खेड़ा के पुलिया पर पलटी स्लीपर बस।

किडनेपर ने सड़क किनारे रोककर बनाए 'रुद्र' के वीडियो

श्रीगंगानगर। शहर के रामदेव कॉलोनी इलाके से आठ जनवरी को किडनेपर किर बच्चे रुद्र के किडनेपर से पंजाब के उस्मान खेड़ा और गुजरात की रोही में ले गए। यह स्थान श्रीगंगानगर से करीब 25-30 किलोमीटर दूर है। यहां सड़क किनारे खुली जगह मोटरसाइकिल रोकी, वहां बच्चे के खुले मैदान में झूठे के वीडियो बनाए और उन्हें बच्चे के पड़ोस में एक जिम के संचालक को भेज दिया। जिम संचालक से इन लोगों ने बात की और उन्हें बच्चे की किडनेपिंग की जानकारी देते हुए उनसे परिजनों के नंबर लिगा। मामले को जांच कर रहे सदर थाने के एएसआई हंसराज ने बताया कि किडनेपर अपहरण कर जाते समय जिम के बाहर लगे फ्लैक्स से जिम का नंबर ले गए थे। इसी के जरिए उन्होंने जिम संचालक से संपर्क साधा।

छेड़छाड़ का मामला दर्ज

उदयपुर। शहर के नाई थाना पुलिस ने होटल कर्मों के खिलाफ पीडिता के साथ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडिता ने आरोपी होटल फतहगढ़ बुझड़ा के कर्मचारी अरविन्द के खिलाफ छेड़छाड़ करने का प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडिता ने बताया कि मैं महाराष्ट्र में एक परिवार में काम करती हू। उनके परिवार के साथ 12 जनवरी को बुझड़ा स्थित होटल फतहगढ़ पहुंचे जहां होटल कर्मचारी कर्मों में एक्सट्रा बेड लगा बाहर निकल रहा था। उस दौरान उसने मेरे साथ छेड़छाड़ की इसका विरोध कर चिल्लाने पर वह भाग गया। कुछ समय बाद वापस पानी व टॉवेल लेकर आया तब उसे गृहभंग कर जिनके साथ आई उनका घटना की जानकारी दी। इस पर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया।

तीन कारों में लगी आग, हादसे में कोई जनहानि नहीं

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में तीन कारों में अचानक आग लग गई। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार के टिकटे प्रतापनगर थानाक्षेत्र देवारी में स्थित खाली भूखण्ड में रखी तीन कारों में अचानक आग लग गई। इसकी सूचना मिलने पर प्रतापनगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इस पर सुन्दरवास फायर स्टेशन से दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंच कर करीब एक घंटे में आग पर काबू किया। जब तक कारें पूरी तरह जल कर नष्ट हो चुकी थीं। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया। कारों रियेयरिंग के लिए बाड़े में खंडी करने की जानकारी सामने आ गई है। जांच के बाद ही वास्तविकता का पता चल पाएगा।

बस-जीप की टक्कर में पति-पत्नी समेत 3 लोगों की मौत

श्रीगंगानगर। जिले के पदमपुर के सीसी हेड के पास सोमवार सुबह करीब 8 बजे रोडवेज बस और बोलेरो जीप की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में जीप सवार पति-पत्नी समेत 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में 2 महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। यह परिवार पंजाब में शोक में शामिल होने जा रहा था।

हादसा कोहरे के कारण हुआ। हादसे के बाद सड़क पर जाम लग गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बाहनों को सड़क किनारे करवाया तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहीं मृतकों के शव सरकारी अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाए। श्रीगंगानगर से रोडवेज की बस सुबह 7 बजे बीकानेर के लिए रवाना हुई। यह सुबह करीब 8 बजे पदमपुर के पास पहुंची। इसी दौरान

सामने से आ रही जीप से इसकी टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि टक्कर से जोरदार धमाका हुआ और जीप का आगे का हिस्सा पूरी तरह डैमेज हो गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोग मौके पर दौड़े और जीप सवार घायलों को निकाला। मौके पर 3 लोगों की मौत हो चुकी थी।

बस श्रीगंगानगर से बीकानेर के लिए रवाना हुई थी, वहीं जीप गांव 33 एमएल से पंजाब की तरफ जा रही थी। इसमें 5 लोग सवार थे। घटना की जानकारी मिलते ही पदमपुर एएसआर ओ सूरेंद्र राणा और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव पदमपुर के सरकारी अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाए गए हैं। हादसे में घायल जीप सवार 2 महिलाओं की भी हालत

पाली में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटी, 2 की मौत

पाली, (नि.सं.)। पाली में रविवार की शाम एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटी खा गई। हादसे में गाड़ी में सवार 2 लोगों की मौत हो गई। वहीं 6 जने घायल हो गए। इनमें से 2 को जोधपुर रेफर किया गया। हादसे में गाड़ी भी चकनाचूर हो गई।

पुलिस के अनुसार पाली शहर के मंडिया बाईपास के पास रूपावास रोड पर रविवार की शाम करीब साढ़े 5

6 में से 2 गंभीर घायल जोधपुर रेफर, रूपावास के पास हुआ हादसा

बजे तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनबलेंस हो गई और गाड़ी 5 से 6 बार पलटी खा गई। इसमें गाड़ी में सवार पाली के सुभाष नगर नो निवासी राणा राम (22) की मौके पर मौत हो गई और सुमित पुत्र महेंद्र वाल्मीकि निवासी बापुनगर के जोधपुर रेफर के बाद बीच रस्ते में उसने दम तोड़ दिया।

सूचना पर मौके पर पहुंचे 108 एम्बुलेंस के पायलेट अमित, ईएमटी श्रवण प्रजापत ने घायलों को एम्बुलेंस में ही प्राथमिक उपचार दिया और सभी 6 घायलों को लेकर बांगड़ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जिनमें से 2 की हालत गंभीर होने पर जोधपुर रेफर कर दिया गया। जानकारी मिलते ही घायलों के परिवार हॉस्पिटल पहुंचे। मौके पर पुलिस की टीम भी पहुंची। इस दौरान परिजनों ने एक-दूसरे को संतवना दी।

सफेद रंग के विचित्र जानवर से लोगों में डर

पाली के आकेली गांव में सफेद रंग के विचित्र जानवर ने 2 को नौंचा, बछड़े पर झपटा

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर से 7 किलोमीटर दूर आकेली गांव के बावरियों का बास ढाणी में विचित्र जानवर की दृश्य है। रविवार सुबह 5 से 5.30 बजे के बीच एक जानवर ने गांव के दो लोगों और एक बछड़े को जखमी कर दिया। दोनों घायलों का कहना है कि वह सफेद रंग का विचित्र प्राणी था, उसे पहले कभी नहीं देखा। गांव आकेली में अजीब जानवर की अफवाह के बीच सदर थाना पुलिस ने वन विभाग को सूचना दी है। थाना सदर थाना इंचार्ज अनिल विश्वने ने कहा कि थाना इलाके के आकेली गांव में अनजान जानवर के हमले की सूचना मिली थी। इस पर एएसआई नरपत सिंह को मौके पर भेजा था। हमले में घायल दो ग्रामीणों का पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में इलाज करार छुट्टी दे दी गई। वन विभाग को सूचना दे दी है। आकेली गांव के पूर्व सरपंच बाबूलाल बंजारा ने बताया कि रविवार सुबह कुछ ग्रामीणों का फोन आया

था। बताया कि विचित्र टाइप दिखने वाले जानवर ने गांव के कानाराम पर जानवर ने हमला कर दिया। इसके बाद कुछ दूर बाड़े में बंधे बछड़े के चेहरे को नौंचा। इसके बाद गांव के ही एक युवक पर झपटकर जंगल में गायब हो गया। विचित्र जानवर को मौजूदगी से गांव वालों में दृश्य है। वन विभाग और प्रशासन से अपील है कि जल्द जानवर का पता लगाकर उसे पकड़ा जाए। पशुपालन और खेती करने वाले ग्रामीण कानाराम बावरी (64) पुत्र कृपावाम के बायें हाथ के अंगूठे, दायें हाथ की कलाई और चेहरे पर जखम है।

कानाराम ने बताया कि भेरे मकान के सामने पशु बाड़ा है। मैं बाड़े में बनी झोपड़ी में सो रहा था। फिर मैं पालतू कुत्ता सो रहा था। सुबह 4 बजे के करीब कुत्ता जोर-जोर से भौंकने लगा। मैंने एक बार उठकर देखा। कुछ नहीं था। मैं सो गया। सुबह 5 बजे के करीब मुझ पर किसी जानवर ने

हमला कर दिया। मेरे हाथ और मुंह पर काट लिया। मैं चिल्लाया तो जानवर मुझे छोड़ झपट्टी से बाहर निकल गया। मैं भी डंडा लेकर पीछे भागा। जो जानवर देखा उसे पहले कभी नहीं देखा था। वह न तो लेपड़ था, न डॉगा, न जखर था। सफेद रंग का था।

वन विभाग पाली के रेंजर प्रकाश कुमार ने बताया कि पुलिस की सूचना पर वनरक्षक नेमराम, चौकीदार आलम खान को मौके पर भेजा था। परामर्श नहीं मिले है। लोग जिस विचित्र जानवर की बात कर रहे हैं, ऐसा जानवर मैंने मेरी सर्विस के 10 साल में नहीं देखा है। फिर भी जांच अभी जारी है।

नरपतसिंह ने बताया कि ग्रामीणों को सूचना पर मैंने स्टॉफ के साथ मौके पर गया था। गांव के 20-25 लोगों के साथ 2 घंटे तक खोजबीन और घटनास्थलों की जांच की। जानवर नहीं मिला। वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी है।

कड़ी ठंड और कोहरे के बीच पौष पूर्णिमा पर पुष्कर सरोवर में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

मकर संक्रांति की तैयारी जोरों पर, पतंगबाजों की सजी दुकानें, मंदिरों होगी विशेष पूजा

पुष्कर/अजमेर, (कासं)। तीर्थों के राजा प्रयागराज में सोमवार से शुरू हुए महाकुंभ के तहत मंगलवार को पहला अमृत स्नान हुआ वहीं तीर्थ गुरु पुष्कर में कड़ी ठंड और कोहरे के बीच पौष पूर्णिमा पर सोमवार को ही अल सुबह श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर जगत्पिता ब्रह्मा मंदिर के दर्शन किए और दान-पुण्य कर जगत पालनकर्ता भगवान विष्णु से स्वयं के लिए और परिवार सहित विश्व कल्याण की मंगल कामना की।



पौष पूर्णिमा पर सोमवार को ही अल सुबह श्रद्धालुओं ने पुष्करजी में आस्था की डुबकी की लगाई।

ही मिलता है जब पुष्कर स्नान कर लिया जाता है। वैसे मल माह और विशेष रूप से पुष्कर पूर्णिमा स्नान करने से भी पापों का अंत और पुण्य की वृद्धि होती है। जो लोग कुंभ और महाकुंभ अपने स्वास्थ्य व अन्य कारणों से नहीं जा पाते वे तीर्थ गुरु पुष्कर पहुंचकर ईश्वर के दर्शन करते हैं। ज्योतिष के अनुसार इस बार पौष

पूर्णिमा पर रवि और शनि दोनों ग्रहों का संयोग बन रहा है। इन योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से घर में खुशहाली आती है। ज्योतिषों के अनुसार ही 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर्व पुनर्वसु व पुष्य नक्षत्र योग के दुर्लभ संयोग के साथ मनाई जाएगी। सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं

और खुशहाली के लिए लोहड़ी पर्व मनाते हैं। 13 जनवरी को रात्रि ठंडी होने व बसंत ऋतु के संकेत के रूप में माना जाता है। इस दिन रात्रि में कृषि से जुड़े समाज अर्थात् किसान कर भगवान सूर्य देव और अग्नि देवता को नई फसलों का अंश यानी नया धान अर्पित करते हैं। इसे नई फसल आने की खुशी साझा करना भी माना जाता है। मकर संक्रांति के आयोजन की तैयारी जोरों पर:- हर वर्ष के तरह इस बार भी 14 जनवरी मकर संक्रांति पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के साथ सांस्कृतिक व शैक्षणिक संस्थाओं की ओर से किए जाने वाले नव वर्ष स्वागत एवं खेलकूद आयोजनों की तैयारी इस बार भी जोर शोर से चल रही है। अजमेर में जगह-जगह पतंग की दुकानों पर पतंग-सजह गई हैं और खरीदारों की भीड़ उमड़ने लगी है। विभिन्न संस्थाओं की ओर से सामूहिक खेलकूद व पतंगबाजी के आयोजनों की भी सूचनाएं बहादुरवाणी पर भेजी जाने लगी है। विभिन्न मंदिरों में पौषबढ़ा वितरण उत्सव परवान चल रहे हैं।

बालश्रमिक दलालों के खिलाफ प्रकरण दर्ज

उदयपुर। बालश्रमिकों को मजदूरी करने के लिए बाहर भेजने वाले आरोपियों की वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रात दिनों फलासिया थाना क्षेत्र दमाणा गांव से बाल श्रमिकों को गुजरात मजदूरी करने के लिए लेजाने का तथा उन्हें वहां दिए जाने वाले वेतन व सुविधा को लेकर श्रमिकों के परिवजनों से बातचीत करने का वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने आरोपी मोतीलाल पुत्र कन्हैयालाल, बंशीलाल पुत्र कन्हैयालाल निवासी पटेला फला दमाणा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। आरोपी गांव से बाल श्रमिकों को गुजरात मजदूरी कराने ले जाते व वेतन व अन्य सुविधा दिजाने का आश्वासन देकर उनका शोषण करते हैं।

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Indigenous Furniture हेतु दर सवित
(ई-बोली आंग्रण सूचना संख्या 05/2024-25 (क्रमांक 299 दिनांक 09.01.2025))
इस विश्वविद्यालय के अश्रीनस्थ इकाइयों में Supply of Indigenous Furniture हेतु दो कवर बिड (तकनीकी व वित्तीय बिड) में दर सविदा हेतु ऑनलाइन ई-बोली आमंत्रित की जाती है, जिसमें पंजीकृत फर्मों हेतु डी.एस.सी. के माध्यम से दिनांक 08.01.2025 से 28.01.2025 को सांय 5.00 बजे तक बोली प्रपत्र डाउनलोड कर अपलोड कर सकते हैं।
UBN No. : VAU2425GLRC00117 का विस्तृत विवरण स्टेट पोर्टल की वेबसाइट <http://sppp.raj.nic.in> विभाग की वेबसाइट www.rajuvas.org एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.सं.वाद/सी/24/10254 वित्त विभाग

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Stationery Articles हेतु दर सवित
(ई-बोली आंग्रण सूचना संख्या 06/2024-25 (क्रमांक 300 दिनांक 09.01.2025))
इस विश्वविद्यालय के अश्रीनस्थ इकाइयों में Supply of Stationery Articles हेतु दो कवर बिड (तकनीकी व वित्तीय बिड) में दर सविदा हेतु ऑनलाइन ई-बोली आमंत्रित की जाती है, जिसमें पंजीकृत फर्मों हेतु डी. एस. सी. के माध्यम से दिनांक 11.01.2025 से 30.01.2025 को सांय 5.00 बजे तक बोली प्रपत्र डाउनलोड कर अपलोड कर सकते हैं।
UBN No. : VAU2425GLRC00118 का विस्तृत विवरण स्टेट पोर्टल की वेबसाइट <http://sppp.raj.nic.in> विभाग की वेबसाइट www.rajuvas.org एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
राज.सं.वाद/सी/24/10255 वित्त विभाग

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
राज.सं.वाद/सी/24/10255
ई-निविदा सूचना संख्या 37/2024-25
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यों की अनुमानित लागत राशि 309.55 लाख की ई-निविदा दिनांक 27.01.2025 को सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट (<http://eproc.rajasthan.gov.in>) एवं (<http://sppp.raj.nic.in>) <http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada> पर देखा जा सकता है।
UBN: AJD2425WSOB00213-223
राज.सं.वाद/सी/24/10295 अधिशायी अभियन्ता

THE RAJASTHAN SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.

UdyogBhawan, TilakMarg, C-Scheme, Jaipur 302005
Phone: 0141-2227287 * Fax 0141-2227257
Website: Industries, Rajasthan, Govt.in/rajisco
E-mail:rajisico@rajasthan.gov.in CN:- U91101RJ19615GC001118

NOTICE INVITING BIDS

UBN No. : RSI2425SLOB00040
RSIC is inviting online Bids for selection of "Strategic Business promoter to Equip, Operate, Manage & Transfer Business Services at ICD Jodhpur from the eligible and experienced bidders" up to 5.00 PM dated 10.02.2025
Other details/terms and condition of the bid may be seen on the procurement portal (<https://eproc.rajasthan.gov.in>, <https://sppp.rajasthan.gov.in/>) of the state
The approximate value of the procurement is INR 25 Crores.
UBN No : RSI2425SLOB00040
Raj.Samwad/C/24/10262 Managing Director

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा साहिब, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक: जयिप्रा/अधि.अधि. (विद्युत-1)/जीव नं.265/2024-25/डी-773 दिनांक: 13.01.2025

बिड आमंत्रण सूचना

बिड संख्या - 09/2024-25
जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "Annual Rate Contract (ARC) for Shifting/ Dismantling of LT/HT Lines and Electrification works in JDA Region, Jaipur" जिसकी अनुमानित राशि रु. 186.97 लाख के लिए ऑनलाइन बिड्स दिनांक 27.01.2025 सायंकाल 6:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाइन आवेदन व भुगतान जयपुर विकास प्राधिकरण पोर्टल पर करने की अंतिम तिथि 27.01.2025 को सायंकाल 6:00 बजे तक है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and <https://jda.rajasthan.gov.in> पर देखा जा सकता है।

निविदा में भाग लेने वालों को निम्न शर्तों की पूर्ति करनी होगी- 1. निविदादाता जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाइट <http://jda.rajasthan.gov.in> पर पंजीकृत हो और निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए दस्तावेज शुल्क, अमानत राशि, आर.आई.एस.एल.प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाइन जमा करनी होगी। 2. ऑनलाइन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदादाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो।
(UBN No. JDA2425WSRC00448) अधिशायी अभियन्ता - (विद्युत-1)
राज.सं.वाद/सी/24/10298

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145-2429971, 2429920
क्रमांक :-MEW/2024-25/3335 दिनांक:- 09.01.2025

:: ई-निविदा सूचना संख्या 46/2024-25 ::

नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर पर राष्ट्रीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संसदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों या राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संसदको के साथ लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि 27.01.2025 को सायंकाल 6:00 बजे तक है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and <https://jda.rajasthan.gov.in> पर देखा जा सकता है।

निविदा कार्यों की रूपल लागत	राशि 24.10.95 लाख (01 कार्य)
ऑनलाइन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अंतिम तिथि	Date 09.01.2025 To 10.02.2025
बिड देना का समय	Time 6.00 PM तक
प्री-बिड मिति की तिथि व समय	Date 15.01.2025 Time 11.00AM पर S.E. Chamber Nirman City Municipal Corporation Ajmer
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 11.02.2025 Time 11.30 AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सम्बन्धित निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जाएगा।

विस्तृत विवरण वेबसाइट <http://sppp.rajasthan.gov.in> एवं <http://www.eproc.rajasthan.gov.in> पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखा जा सकता है।
Nid Code :- ANN2425A0174
UBN No. :- ANN2425WLOB00279
राज.सं.वाद/सी/24/10242 अधिशायी अभियन्ता नगर निगम अजमेर

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रुपये में)
1. इकाई प्रभारी, उदयपुर		
1.1	ऑटोमैटिक क्षेत्र मेगाड विस्तार में कर्म स्टेन की पेंटिंग का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01436	1.84
1.2	ऑटोमैटिक क्षेत्र मेगाड विस्तार में सड़क किनारे कर्म स्टेन की पेंटिंग का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01437	1.99
1.3	ऑटोमैटिक क्षेत्र मेगाड विस्तार में सड़क किनारे कर्म स्टेन की पेंटिंग का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01438	1.93
1.4	ऑटोमैटिक क्षेत्र मेगाड विस्तार में सड़क किनारे कर्म स्टेन की पेंटिंग का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01439	1.85
1.5	ऑटोमैटिक क्षेत्र मेगाड विस्तार में सड़क किनारे कर्म स्टेन की पेंटिंग का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01440	1.87
2. इकाई प्रभारी, सीकर		
2.1	ऑटोमैटिक क्षेत्र श्रीगंगानगर में स्ट्रीट लाइट मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01441	1.07
3. इकाई प्रभारी, मिर्वाही-प्रथम		
3.1	ऑटोमैटिक क्षेत्र मिर्वाही में रोको रेट हादसे के संचालन एवं रखरखाव का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01431	1.74
रीको द्वारा निर्माणांकित कार्य/आपूर्ति/सेवाएं उपलब्ध करने के लिए ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन सौलभ निविदा (लागत रुपये 2 लाख या उससे अधिक) निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित की जाती है:-		
क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रुपये में)
1. इकाई प्रभारी, उदयपुर		
1.1	मेगाड ऑटोमैटिक क्षेत्र उदयपुर में रोको रेट हादसे के संचालन का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01395	161.51
1.2	ऑटोमैटिक क्षेत्र आर्डीआई.सी. सेक्टर एवं मामाशाह कलदबास में 2 वर्ष के लिए स्ट्रीट लाइट एवं माइंट के रखरखाव का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01396	10.74
1.3	ऑटोमैटिक क्षेत्र कलदबास विस्तार डीआईआईआई परियोजना विस्तार का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01397	41.28
1.4	ऑटोमैटिक क्षेत्र मेगाड में रोको रेट हादसे की सजाई का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01398	8.84
1.5	ऑटोमैटिक क्षेत्र आर्डीआई.सी. सेक्टर एवं मामाशाह कलदबास में रोको रेट हादसे के संचालन एवं रखरखाव का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01399	8.28
1.6	ऑटोमैटिक क्षेत्र आर्डीआई.सी. सेक्टर एवं मामाशाह कलदबास में रोको रेट हादसे के संचालन एवं रखरखाव का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01400	5.28
1.7	ऑटोमैटिक क्षेत्र मेगाड में रोको रेट हादसे के संचालन एवं रखरखाव का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01401	9.21
1.8	ऑटोमैटिक क्षेत्र आर्डीआई.सी. सेक्टर कलदबास में एक वर्ष के लिए कवर संरक्षण का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01402	2.51
1.9	ऑटोमैटिक क्षेत्र मामाशाह कलदबास में एक वर्ष के लिए कवर संरक्षण का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01403	3.17
1.10	ऑटोमैटिक क्षेत्र कलदबास विस्तार में रोको रेट हादसे का कार्य। UBN-RDC2425WSOB01404	19.45

5300 कुपोषित और 883 अति कुपोषित बच्चों को वितरित होगा "लाडेसर किट"

भामाशाहों के सहयोग से जयपुर जिले में हुआ लाडेसर अभियान का आगाज

जयपुर। राज्य सरकार के निर्देशों को अनुपालना में जयपुर जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए लाडेसर अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत स्वस्थ बचपन के सपने को साकार करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न दिशा में प्रयास किये जाएंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक अर्शदीप बरार ने बताया कि अभियान के तहत आगामी तीन माह तक प्रतिमाह जिले में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत बच्चों में से चिन्हित 5300 कुपोषित एवं 883 अति कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हेतु भामाशाहों के सहयोग से जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के नेतृत्व में लाडेसर किट का वितरण करवाया जाएगा। अभियान के तहत कम एवं अति कम वजन वाले बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर निगरानी रखी जाएगी। जिला कलक्टर ने लाडेसर अभियान में अपनी बहुमूल्य



जयपुर जिला प्रशासन और भामाशाहों ने कुपोषित बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए जरूरतमंद परिवारों को पोषण किट वितरित किए।

भागिदारी निभाने वाले सभी भामाशाहों का आभार व्यक्त किया है।

लाडेसर किट की सामग्री में प्राकृतिक रूप से प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, वसा, दर्ज की जाएगी।

आयर्न एवं अन्य पोषक तत्व शामिल किये गए हैं। पोषण किट की एक माह की खुराक के तहत लाडेसर खिचड़ी के लिए 250 ग्राम चनादा, 250 ग्राम मोठ दाल एवं 1 किलोग्राम चावल तथा लाडेसर नाश्ते के लिए 250 ग्राम गुड़, 250 ग्राम मूंगफली एवं 500 ग्राम धूप चने प्रदान किये जा रहे हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक अर्शदीप बरार ने बताया कि लाडेसर किट आगामी तीन माह तक प्रति माह प्रत्येक पात्र लाभार्थी को वितरण की जायेगी, जिसकी मॉनिटरिंग जिला प्रशासन एवं उपनिदेशक स्तर से अधीनस्थ बाल विकास परियोजना अधिकारी के माध्यम से प्रति सप्ताह की जायेगी। लाडेसर किट के उपयोग को सुनिश्चितता हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों के माता-पिता से समझाइश की जाएगी एवं नियमित रूप से बच्चों की प्रति दस दिवस में वजन, ऊंचाई एवं लंबाई दर्ज की जाएगी।

अपहरण-मारपीट कर लोगों से रुपये हड़पने वाली गैंग पुलिस के हथ्थे चढ़ी

जयपुर (कासं)। रामनगरिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपहरण-मारपीट करके रुपये हड़पने वाली गैंग को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गैंग पैसे वाले लोगों को लड़की के जरिए फंसाती थी और दोस्ती कर मिलने के लिए सुनसान जगह पर बुलाकर अन्य लोगों के साथ मिलकर अपहरण मारपीट कर लूटपाट कर लेते थे। पुलिस ने इस गैंग के दो युवक और एक युवती को गिरफ्तार किया है। पुलिस अब इस गैंग के अन्य सदस्यों की पुलिस तलाश कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया रामनगरिया थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपहरण-मारपीट और रुपये हड़पने

■ पैसे वाले लोगों को लड़की से दोस्ती करवाकर जाल में फंसाते थे बदमाश

वाली गैंग के जीत राम मोणा (24) उर्फ जीतु पुत्र भरत लाल मोणा निवासी गांव चांदन होली पुलिस थाना बाटोदा जिला सर्वाइ माधोपुर, दीपक मोणा उर्फ दीप (19) पुत्र रामगोपाल मोणा निवासी गांव अरनिया पुलिस थाना गंगपुर सिटी सदर जिला सर्वाइ माधोपुर और रवीना मोणा (25) पुत्री सीताराम मोणा निवासी गांव उलु कमालपुरा पुलिस थाना भुसावर जिला भरतपुर को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में इन

आरोपियों ने वारदात करना कबूल किया और बताया कि यह पहले भी इस तरह की कई वारदात कर चुके हैं। गौरतलब है कि 26 दिसम्बर 2024 को एक व्यक्ति ने रामनगरिया थाने में मामला दर्ज करवाया था कि 23 दिसम्बर को एक युवती ने अपनी गैंग के अन्य साथियों के साथ मिल कर उसका अपहरण कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने उसकी पत्नी और एक परिचित से 25 लाख रुपए हड़प लिए। पैसे मिलने के बाद आरोपियों ने उसे छोड़ा। शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को चिन्हित कर वारदात करने वाले दो युवक और एक युवती को गिरफ्तार किया।

पतंगबाजी से घायल 22 पक्षियों का उपचार किया



जयपुर। जवाहर नगर स्थित लाल जैन मंदिर पर पुनर्वासनमेंट एंड वाइल्ड लाइफ केयर सोसाइटी के अध्यक्ष आशीष मेहता, उपाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत ने पक्षी चिकित्सा शिविर लगाया है। पतंगबाजी से घायल हुए पक्षियों के उपचार के लिए यह शिविर 13 से 15 जनवरी तक चलेगा। संस्था का यह शिविर 16 वां है, जिसमें मंगलवार को करीब 22 पक्षियों

का उपचार डॉ. विकास शर्मा, डॉ. साहिल सिंघल और डॉ. अक्षय गुप्ता की देखरेख में किया गया। इस मौके पर संस्था का हेल्पलाइन नंबर 8875310002 भी जारी किया गया है। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, ग्रेटर नगर निगम के उप महापौर पुनीत कर्णावत शिविर में पहुंचकर घायल पक्षियों के उपचार के पोस्टर का विमोचन किया।



मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के लिए सोमवार को दिनभर बाजारों में भीड़ उमड़ी, बच्चों और युवाओं में पतंग व डोर खरीद को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया। आज आसमां में "बो काटा-बो मारा" का शोर मूजेगा।

फोटो-राष्ट्रदूत

'बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता हो'

जयपुर। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर द्वारा आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षा आगामी 6 मार्च से प्रारम्भ होगी है। इन परीक्षाओं के सफल आयोजन को सुनिश्चित रखते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त परीक्षा समिति की बैठक सोमवार को सचिवालय में आयोजित हुई। साथ ही आगामी रीट परीक्षा के सफल आयोजन की तैयारियों की भी शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की।

शिक्षा मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहे। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर गलत विषय के पेपर का वितरण जैसी गड़बड़ों से बचे तथा विद्यार्थियों को समय पर प्रवेश के लिए पूर्व में ही निर्देश दिए जाएं। प्रश्न पत्रों



शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त परीक्षा समिति की बैठक की। के स्ट्रॉंग बोक्स की सुरक्षा व्यवस्था का पुलिस टॉयलेट व बिजली की उचित व्यवस्था हो। विभाग के अधिकारी पूर्ण रूप से ध्यान रखें। दिलावर ने कहा कि सभी बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर पेपल, आवश्यक दिशा निर्देश दियो। उन्होंने बताया कि बोर्ड

जवाहर कला केन्द्र में डॉ. महाजन की कला प्रदर्शनी

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र में प्रसिद्ध रेडियोलांजिस्ट और चित्रकार डॉ. सुषमा महाजन की एकल चित्र प्रदर्शनी का 12 जनवरी को उद्घाटन हुआ। तीन दिवसीय यह प्रदर्शनी 14 जनवरी तक चलेगी, जिसमें डॉ. महाजन की अद्वितीय कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया है। उद्घाटन समारोह में जयपुर के कई कला प्रेमी, कलाकार और प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान डॉ. महाजन ने अपनी कला यात्रा के बारे में बताया। उन्होंने साझा किया कि कैसे चिकित्सा के क्षेत्र में अपने कार्य के दौरान उन्होंने चित्रकला में रुचि विकसित की और इसे आत्म-अभिव्यक्ति का माध्यम बनाया। प्रदर्शनी में प्रदर्शित चित्र प्रकृति, मानव भावनाओं और रंगों की गहराई को



डॉ. सुषमा महाजन

उजागर करते हैं। हर पेंटिंग में रंगों और विषयवस्तु का ऐसा अनूठा संयोजन है जो दर्शकों को उनकी कल्पना और भावनाओं से जोड़ता है। इस प्रदर्शनी में डॉ. महाजन की उन विशेष पेंटिंग्स को भी जगह मिली है, जो भारतीय सांस्कृतिक धरोहरों पर केंद्रित हैं।

पंजाबी गीतों के संग छाया लोहड़ी का उल्लास

जयपुर (कासं)। पंजाबी समाज ने सोमवार को खुशियों की लोहड़ी मनाई। पंजाबी बाहुल्य इलाकों में पर्व की रौनक देखते ही बन रही थी। यहां सुबह से पंजाबी माहौल नजर आ रहा था। जयपुर में जगह-जगह पर पंजाब की संस्कृति साकार हुई। मुख्य आयोजन राजापार्क में हुआ।

राजस्थान प्रदेश पंजाबी महासभा और राजा पार्क व्यापार मंडल की ओर से यहां गोकाछ लोहड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अतिथियों ने गोकाछ से लोहड़ी की अग्नि प्रज्वलित की। पंजाबी गीतों के साथ लोगों ने लोहड़ी की अग्नि के परिक्रमा की। भाजपा नेता रवि नैथर, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजय पाल सिंह, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। पंजाबी समाज के साथ ही अन्य समुदाय के लोगों ने भी त्योहार का लुत्फ उठाया। खास बात यह रही कि इस बार अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग थीम से



राजस्थान प्रदेश पंजाबी महासभा और राजा पार्क व्यापार मंडल की ओर से यहां गोकाछ लोहड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया

लोहड़ी का महापर्व मनाया गया। शाम ढलते ही लोगों ने पंजाबी कलाकारों की मौजूदगी में गिढ़ा-भंगड़ा किया। कैप फायर के साथ अलग-अलग मनोरंजक कार्यक्रम हुए। रात के खाने के लिए बुके भी शानदार हुआ। व्यंजनों में गुड़ और तिली की मिठास ने जायका बढ़ा दिया।

मैदान में क्रिकेट खेल रहे लोगों को थार गाड़ी से कुचलने का प्रयास

जयपुर (कासं)। शिप्रापथ थाना इलाके में खाली पड़े मैदान में कुछ युवकों को क्रिकेट खेलना भारी पड़ गया। क्रिकेट खेल रहे युवकों को कुछ बदमाशों ने थार गाड़ी से कुचलने का प्रयास किया। तभी सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस को आता देख बदमाशों ने थार से भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस ने थार सवार आठ बदमाशों को मौके से कुछ ही दूरी पर दबोच लिया। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार सभी आरोपित जयपुर में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। थानाधिकारी अमित कुमार के बताए अनुसार रविवार दोपहर करीब

■ शिप्रापथ थाना पुलिस ने आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया

2 बजे सीके बिरला हॉस्पिटल के पीछे खाली पड़ी जगह पर 100 से अधिक युवक क्रिकेट खेल रहे थे। तभी दो थार में सवार कुछ उपद्रवी युवक मैदान में आए और क्रिकेट खेल रहे युवकों को परेशान करना शुरू कर दिया। कुछ देर बाद उपद्रवी युवकों ने मैदान में क्रिकेट खेल रहे युवकों को कुचने का प्रयास किया। इस पर

क्रिकेट खेल रहे युवकों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर 112 को मौके पर भेजा गया। इस पर उपद्रवी युवकों ने थार को दौड़ाना शुरू कर दिया। पर मौके पर पीसीआर पहुंची घटना स्थल से आशीष कुमार (21), राजू उर्फ राज (28), कुलदीप गुर्जर (19), राहुल चौधरी (19), अरू (19), किशन सिंह (25), देवेंद्र कुमार (25) और मोहित मोणा (23) को शांति भंग में गिरफ्तार किया गया। इन युवकों के पास से काले रंग की दो थार बरामद की गई है, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

सभी सरकारी स्कूलों में 1 अप्रैल से होगा प्रवेशोत्सव

जयपुर। स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने सोमवार को शिक्षा संकुल में पीएमयू के तहत आगामी शिक्षा योजनाओं एवं नवाचारों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान शिक्षा सचिव ने सभी राजकीय विद्यालयों में आगामी एक अप्रैल से प्रवेशोत्सव शुरू करने के निर्देश दिए। इसका उद्देश्य नए छात्रों का स्वागत करना और स्कूलों में नामांकन बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि प्रखर राजस्थान अभियान के तहत आधारभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन) पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही शाला संयोजन ऐप के अपडेट्स पर चर्चा की गई। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से नियमित स्वास्थ्य परीक्षण की स्थिति का अपडेट लेने के निर्देश दिए।

यह पहल छात्रों के स्वास्थ्य को निगरानी और सुधार के लिए है। शिक्षा सचिव ने राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत मेधावी छात्रों और डॉपआउट छात्रों के लिए विशेष योजनाएं चलाने पर विचार किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को प्रोत्साहित करना और डॉपआउट दर को कम करना है।

बैठक में मौजूद राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अविचल चतुर्वेदी और निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी ने भी अपने विचार साझा किए।

सार-समाचार

माही संदेश "काव्य-कलम" का आयोजन



जयपुर। राजधानी जयपुर में 12 जनवरी को शाम हर बार की तरह गीत-गजल, कविता व कला को समर्पित रही। गुलाबी सदियों की दस्तक के बीच सरदार पटेल मार्ग पर "मालापर्ण" में माही संदेश काव्य-कलम कार्यक्रम के 26वें संस्करण का आयोजन किया गया। वीर अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार व शायर मनोज मित्तल 'कैफ' व अंतर्राष्ट्रीय कव्वड़ी खिलाड़ी, राजू लाल चौधरी (डिप्टी सुपरिटेण्डेंट ऑफ पुलिस) ने शिरकत की। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय लोक गायक बिस्मिल्लाह खान व रोजे खान की बेहतरीन गायकी ने उपस्थित लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। उपस्थित सभी रचनाकारों ने अपनी खूबसूरत रचनाओं से इस कार्यक्रम को सफल व सार्थक बनाया। कार्यक्रम में आमंत्रित शायर, कवि-कवयित्री के रूप में राजेन्द्र राजन, मोनिका शर्मा, योगिता शर्मा 'जीवत', कृष गौड़, अशोका विश्वेश्वर, शेफाली चौधान, सुजाता पुरोहित, विनोद जोशी, माला रोहित कृष्ण नंदन, विजेंद्र पांटेर ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में मंच संचालन का दायित्व कवि सूर्य प्रकाश उपाध्याय ने निभाया। कार्यक्रम के अंत में माही संदेश के संरक्षक-सलाहकार सुधीर माथुर, प्रधान संपादक रोहित कृष्ण नंदन, चित्रकार चंद्रकाश गुप्ता ने माही संदेश विन्ध्य कौकिल भैया लाल प्यार काव्य-कलम सम्मान से कलाकारों व साहित्यकारों को सम्मानित किया। शिक्षाविद डॉ. दीपा सचदेवा, कव्वड़ी खेल में उल्लेखनीय योगदान के लिए राजू लाल चौधरी, कला के क्षेत्र में मिनिचक्र आर्टिस्ट महेश राज, रोजे खान, बिस्मिल्ला खान को माही संदेश- प्रेमा माथुर-प्रेरणा पुरस्कार प्रदान किया गया।

शिविर में होगा घायल पक्षियों का उपचार



जयपुर। मकर संक्रांति पर पतंगबाजी से बेजुबान परिंदे पतंग को डोर में फंसकर घायल हो जाते हैं। घायल पक्षियों की जान बचाने के लिए जयपुर शहर में अनेक स्थानों पर पक्षी उपचार शिविर लगाए जा रहे हैं। ऐसा ही एक घायल पक्षी सहायता केंद्र राजस्थान जनमंच ट्रस्ट पक्षी चिकित्सायुक्त की ओर से शांति पथ, तिलक नगर स्थित चंद्रा इंडस्ट्रीज पर 13 से 15 जनवरी तक लगाया गया है। इस निशुल्क शिविर में चिकित्सकों सहित प्रशिक्षित कर्मचारियों की व्यवस्था की गई है। राजस्थान जनमंच ट्रस्ट पक्षी चिकित्सायुक्त के यूथ विंग के अध्यक्ष एडवोकेट रवि खत्री ने बताया कि पक्षी सहायता केंद्र का शुभारम्भ स्थानीय पार्षद महेश सैनी, भाजपा विधानसभा संयोजक ब्रह्म कुमार सैनी, नगर निगम समिति चैरमैन लक्ष्मण सिंह नूनीवाल ने किया। इस अवसर पर राजस्थान जनमंच के महासचिव कमल लोचन, अशोक भगत, भाजपा मंडल पूर्व अध्यक्ष राजेश शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्र मोहन खत्री, चंद्रा इंडस्ट्रीज के एयाम खत्री, राजेंद्र खत्री, सूरज खत्री, प्रोफेसर मोनिका ओझा खत्री सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित थे। यूथ विंग के अध्यक्ष एडवोकेट रवि खत्री ने क्षेत्र के निवासियों से अपील की है सुबह और शाम के समय पक्षियों के स्वच्छंद विचरण को देखते हुए इस समय पतंगबाजी नहीं करें। चाइनीज मांझे का उपयोग भी वर्जित है। यह आमजन और पक्षियों की जान के लिए भी घातक होता है। पतंगबाजी से घायल पक्षी को तुरंत सहायता केंद्र में पहुंचाएं ताकि समय पर इलाज कर उनकी जान बचाई जा सके।

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में पौषबड़ा प्रसादी

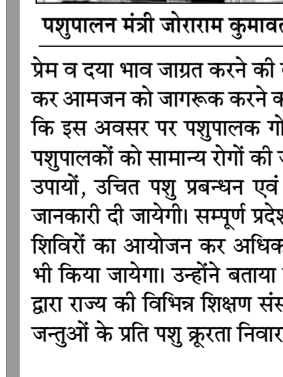


जयपुर। सिविल लाइन्स विकास समिति ने अपने पूर्व संरक्षक स्वर्गीय मूलचंद खडोलिया की याद में सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में ब्रह्मर्जलि सभा और पौष बड़ा प्रसादी वितरण का कार्यक्रम रखा। सभी समिति सदस्यों और परिवारजनों के साथ कालोनीवासियों ने खडोलिया को पुष्पांजलि दी। इसके बाद आमजन में पौषबड़ा प्रसादी भी वितरित की गई। कार्यक्रम में नगर निगम के पूर्व चेयरमैन रतन खडोलिया, पूर्व पार्षद संतोष राजगौरिया, मुहाना सब्जी मंडी के अध्यक्ष योगेश तंवर, पार्षद प्रत्याशी चित्रा खडोलिया तथा सिविल लाइन्स विकास समिति अध्यक्ष दिवाकर प्रताप सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पशु कल्याण पखवाड़ा आज से शुरू होगा

जयपुर (कासं)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रदेश में 14 जनवरी से 30 जनवरी 2024 तक पशु कल्याण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि इस पखवाड़े के दौरान विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी अपने कार्यों के साथ-साथ जीव जंतुओं के प्रति

प्रेम व दया भाव जाग्रत करने की दृष्टि से विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर आमजन को जागरूक करने का प्रयास करेंगे। पशुपालन मंत्री ने बताया कि इस अवसर पर पशुपालक गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा, जिसमें पशुपालकों को सामान्य रोगों की जानकारी के साथ पशु कूरता निवारण के उपायों, उचित पशु प्रबन्धन एवं पशु कल्याण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जायेगी। सम्पूर्ण प्रदेश में बांड निवारण, पशु शल्य चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर अधिकाधिक संख्या में पशुओं को लाभान्वित भी किया जायेगा। उन्होंने बताया कि पखवाड़े के दौरान पशु चिकित्सकों द्वारा राज्य की विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में व्याख्यानों के माध्यम से जीव जंतुओं के प्रति पशु कूरता निवारण पर जानकारी दी जायेगी।



पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत

#INDIAN CULTURE

Magh Bihu

People offer prayers to the fire, symbolizing gratitude for the bountiful harvest and seeking blessings for the future.



Magh Bihu, also known as Bhogali Bihu, is a vibrant harvest festival celebrated in Assam. It marks the end of the harvesting season and is a time of great joy, reflecting the spirit of abundance and community togetherness. This year, Magh Bihu will be celebrated on January 15, 2025, and it's time to dive into the vibrant world of traditional Assamese celebrations. This festival is a grand affair, from energetic Bihu Naas to lip-smacking delicacies.



History

Magh Bihu, also known as Bhogali Bihu, is a vibrant harvest festival celebrated in Assam. Its roots trace back to ancient times, deeply intertwined with the rural lifestyle of the region. The festival marks the end of the harvest season and symbolizes abundance and gratitude. It likely began around 3500 BC, evolving from ancient rites related to fire and fertility. The indigenous tribes of Assam, such as the Bodos, Chutias, and Deoris, played a significant role in shaping the early customs of this celebration.

The Ahoms, who arrived in Assam around the 13th century, also contributed to its evolution. They promoted Sali-kheti, or wet rice cultivation, which significantly improved agricultural practices in the region.

Bihu celebrations, including Magh Bihu, were institutionalized during their reign,

Present Day Trends

Despite its ancient roots, Magh Bihu continues to be a lively and dynamic festival, embodying the spirit of Assam's rich cultural heritage. It brings people together, transcending social barriers to celebrate the land, its produce, and the community's unity. On the day of Magh Bihu, you can hear laughter, music, and delicious aromas. Traditional games like buffalo fights and egg-throwing contests add to the excitement. The Meji

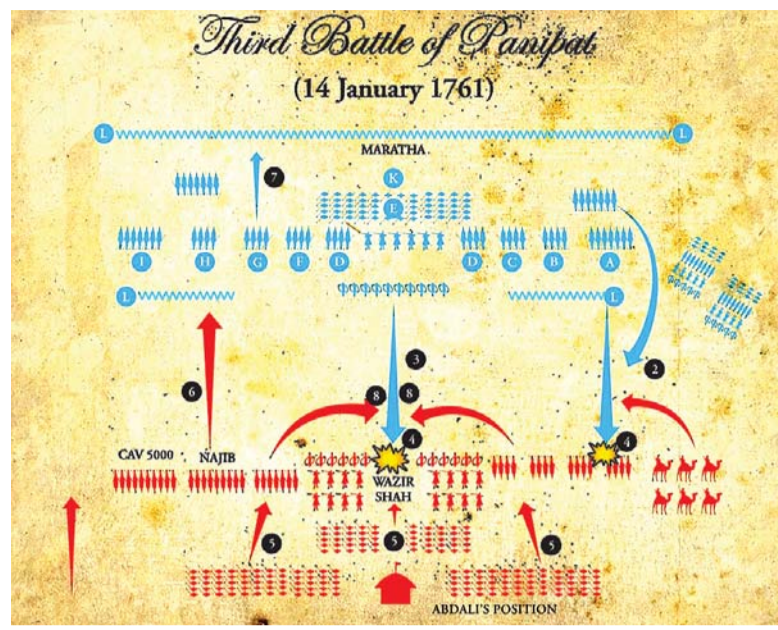
fire, made of bamboo and hay, burns away the old and welcomes the new agricultural cycle.

Once the fire dies down, its ashes are scattered in the fields to enhance soil fertility, embodying the festival's deep connection to nature and farming. This lively celebration not only honours the land's bounty but also strengthens community bonds, making it a cherished time for all who participate.

with royal events held on the grounds of the Rang Ghar, the royal sports pavilion. The festival has always been a time of feasting and community bonding. It begins on Uruka, the eve of Magh Bihu, with families and communities gathering for a grand meal.

Temporary structures called Bhelaghars are built using bamboo and leaves, and a large bonfire, known as Meji, is lit the next morning. This act is a symbolic way to bid farewell to the old and welcome the new agricultural cycle. Magh Bihu's rituals reflect a blend of influences from various tribes and communities in Assam. The Meji bonfire, a central feature of the celebration, originates from ancient fire worship practices.

While the exact origins of some traditions are debated, the festival's core remains a celebration of nature's bounty and communal harmony.



Why a Winning Battle was Lost

PART:4



urrani had both numeric as well as qualitative superiority over Marathas. The combined Afghan army was much larger than that of Marathas. Though the infantry of Marathas was organized along European lines, and their army had some of the best French-made guns of the time, their artillery was static and lacked mobility against the fast-moving Afghan forces.

The heavy mounted artillery of Afghans proved much better in the battlefield than the light artillery of Marathas. None of the other Hindu Kings joined forces to fight Abdali. Allies of Abdali, namely, Najib, Shuja, and the Rohillas knew North India very well. He was also diplomatic, striking agreements with Hindu leaders, especially the Jats and Rajputs, and former rivals like the Nawab of Awadh, appealing to him in the name of religion.

Moreover, the senior Maratha chiefs constantly bickered with one another. Each had ambitions of carving out their independent states and had no interest in fighting against a common enemy. Some of them did not support the idea of a pitched battle and wanted to fight using guerrilla tactics instead of charging the enemy head-on, which they were perfect at. The Marathas were fighting alone at a place which was 1000 miles away from their capital, Pune. Raghunath Rao was supposed to go north to rein-



Balaji Baji Rao.

force the army. Raghunath Rao asked for large amount of wealth and troops, which was denied by Sadashivrao Bhuu, his cousin and Diwan of Peshwa, so, he declined to go. Sadashivrao Bhuu was thereupon made commander-in-chief of the Maratha Army, under whom the Battle of Panipat was fought. Some historians have opined that Peshwa's decision to appoint Sadashivrao Bhuu as the Supreme Commander, instead of Malhar Rao Holkar or Raghunath Rao, proved to be an unfortunate one, as Sadashivrao was totally ignorant of the political and military situation in North India.

If Holkar had remained in the battlefield, the Maratha defeat would have been delayed but not averted. Ahmad Shah's superiority in pitched battle could've been averted by guerrilla warfare, as advised by Malhar Rao Holkar. However, it is described as impossible to implement due to the camp followers of Bhuu's army, and the general quality of his men. It is also believed that the Afghans would not be susceptible to such tactics, due to the Afghan horses being able to outmaneuver the Marathas in battle. Abdali was in no position to maintain his field army in India indefinitely due to external threats.

Massacres after the Battle

After the defeat, the Marathas fled in all directions, and the Afghans, Mughals, Rohillas and Awadh troops fell upon them and were busy plundering and slaying soldiers and civilians. Afghan officers, who had lost their kin in battle, were permitted to carry out massacres of Marathas, the next day also, in Panipat and the surrounding area. They arranged victory mounds of severed heads outside their camps. According to the single best eyewitness chronicle, the *bakhar* by Shuja-ud-Daula's Diwan Casi Raja (Kashi Raja), about 40,000 Maratha prisoners were slaughtered in cold blood the day after the battle.

According to Hamilton, a reporter of the *Bombay Gazette*, about half a million Marathi people were present there in Panipat town, and he gives a figure of 40,000 prisoners, as executed by Afghans. Qutb Shah's son slaughtered 4,000 fugitives near Sonapat and Abdus Samad Khan's son killed 5,000 near Bahadurgad, to avenge their fathers' deaths. He Some 22,000 women and children were driven off as slaves.

All of the prisoners were transported on bullock carts, camels and elephants in bamboo cages. This devastation was complete, and is best relayed by this account.

If Holkar had remained in the battlefield, the Maratha defeat would have been delayed but not averted. Ahmad Shah's superiority in pitched battle could've been averted by guerrilla warfare, as advised by Malhar Rao Holkar. However, it is described as impossible to implement due to the camp followers of Bhuu's army, and the general quality of his men. It is also believed that the Afghans would not be susceptible to such tactics, due to the Afghan horses being able to outmaneuver the Marathas in battle. Abdali was in no position to maintain his field army in India indefinitely due to external threats.

#THE BATTLE OF ALL BATTLES



Rudyard Kipling's PANIPAT

“Thrice thirty thousand men were we before the mists had cleared. The low white mists of morning heard the war-cries and the bay, we called upon Bhavani and We gripped them by the beard, We rolled upon them like a flood and washed their ranks away!”

“The children of the hills of the Khoost before Our lances ran, We drove the black Rohillas back as cattle to the pen; It was then We needed Mulhar Rao to end what

redder lance and blade. Above the dark Asparsas fleed, beneath us splashed the blood, And, bellying black against the dust, the Bhagwa Jhanda swayed.”

Description of Panipat taken from Rudyard Kipling's 'With Scindia to Delhi'. The poem was based on the oral records of a veteran Maratha on the Third Battle of Panipat (1761), fought between Durrani-Rohilla Pashtun invaders and the Hindu Maratha Empire.

Siyar-ut-Mutakhirin says

“The unhappy prisoners were paraded in long lines, given a little parched grain and a drink of water, and beheaded, and the women and children, who survived, were driven off as slaves, twenty-two thousand, many of them of the highest rank in the land.”

The Aftermath And Maratha Resurrection

Mahadaji Shinde restored Maratha domination over northern India, within a decade after the war. The bodies of Vishwasrao and Bhuu were recovered by the Marathas and were cremated according to their customs. Bhuu's wife, Parvatibai, was saved by Holkar, as per the directions of Bhuu, and eventually returned to Pune. Peshwa Balaji Baji Rao, uninformed about the fate of his army, was crossing the Narmada with a relief force and supplies when he heard of the defeat. He returned to Pune and never recovered from the shock of the debacle at Panipat. According to Kashi Raja Pundit, “It was Balaji Baji Rao's love of pleasure which was responsible for Panipat. He delayed at Paithan, celebrating his second marriage, until December 27, when it was too late.” The mes-

sage, that was delivered in Marathi, was thus...

'Deh Lakkh Chooriyaan Tooti'

Vishvas Patil, the author of the phenomenally successful Marathi book *Panipat*, said in a TV interview that since it was Dakshinayan time, the Sun's rays were directly incident on the eyes of the starving soldiers and horses of the Maratha cavalry. Dakshinayan is a celestial event that happens on *Makara Sankranti*, and marks the transition of the Sun into the zodiac sign, Makar (Capricorn). Sadly, it became the Maratha army's undoing.

Jankoji Scindia was taken prisoner and executed at the instigation of Najib. Ibrahim Khan Gardi was tortured and executed by enraged Afghan soldiers. The Marathas never fully recovered from the loss at Panipat, but they remained the largest empire in the Indian subcontinent and managed to retake Delhi ten years later. However, their claim over all of India ended with the three Anglo-Maratha Wars, in the early 19th century. The Jats, under Suraj Mal, benefited significantly from not participating in the Battle of Panipat. They provided considerable assistance to the Maratha sol-



Mahayana New Year

Mahayana New Year, also known as 'Vesak', is a traditional Buddhist holiday that commemorates the birth, enlightenment, and passing of the Buddha. It is considered one of the most important events in the Buddhist calendar. The origins of the holiday can be traced back to ancient India, where the Buddha lived and taught. It is believed that the holiday was first celebrated by Buddhist monks and nuns, who would gather together to pay tribute to the Buddha. Over time, the holiday spread to other regions in Asia, and eventually to other parts of the world, becoming a widely celebrated event among Mahayana Buddhists.

#TRIED & TASTED

Til Ka Tyohaar!

Sesame and jaggery play a very significant role in the celebrations, as they are seasonal and also incredible for our bodies.

The nation is drenched in the festive spirit, and why not? After the roller-coaster of a year, we finally made it to the new one, and now we are in midst of festivities. *Makar Sankranti* is one of our biggest festivals of all times. Makar Sankranti is an auspicious day for Hindus from all over the world. It is celebrated with fanfare and festivities, especially in India. With some different names, traditions and culture, few things remain same throughout. Sesame or *til* is an ingredient widely used in recipes, from almost all parts of India, when it comes to Makar Sankranti. The basic ingredient remaining more or less the same, you will be surprised to find the variation in taste. Here are some recipes popularly made on Makar Sankranti.



Til Ki Barfi



Keeping the ingredients same as above and the procedure up to number 5 same, you can make sesame or *til barfi* by greasing a plate with ghee and spreading the above mixture on it. Once it settles, you can cut them into shape you like, and take out the barfis from the plate after cooling down of the mixture. You can reduce jaggery with sugar to have a different taste.

Til Ke Laddoo

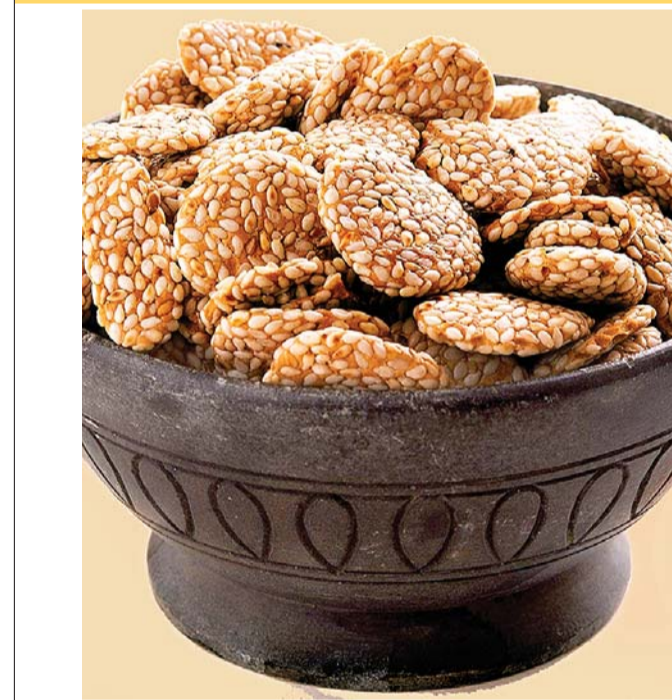
Ingredients

- Sesame seeds - 1 cup
- Jaggery - 1 cup
- Ghee or clarified butter - 2 table spoon
- Crushed cardamom - 1/2 tea spoon
- Water - 1/2 cup

Preparation

1. Take a pan and roast the sesame seeds until they are light brown. You will have the aroma of roasted sesame seeds.
2. Set aside the seeds in a bowl.
3. Now, heat water and jaggery together on a low flame.
4. When the jaggery starts caramelizing, check the caramel by putting a drop of it in cold water. If it forms a ball, it is done.
5. Switch off the gas and put ghee, roasted sesame seeds and crushed cardamom in the jaggery and mix thoroughly. This has to be done as fast as possible so that the sweetness is absorbed and conceived in the entire mixture.
6. Make the *laddoos* while the mixture is warm. You can moisten your hands with cold water, if you find things very hot.
7. You can store these laddoos for even more than a month.

Til Revri



Ingredients

- Sesame seeds - 1/2 cup
- Water - 2 table spoon
- Cardamom powder - 1/4 cup
- Sugar - 1/2 cup
- Ghee - 1 tsp

Preparation

1. Dry roast the sesame seeds and keep aside. Do not overdo them. Make sure that the colour does not change.
2. Now, heat the water with sugar.
3. Add ghee and cardamom powder to it.
4. Once it boils, add the sesame seeds and mix.
5. Switch off the gas stove when you see that the mixture is leaving the sides of the pan.
6. Take the mixture and drop it in small portions on a greased plate and let it cool.
7. Remove and store in an airtight container.

Til Chikki



Ingredients

- Til or sesame seeds - 3/4 cup
- Jaggery - 1/2 cup
- Ghee - 1 1/2 cup

Preparation

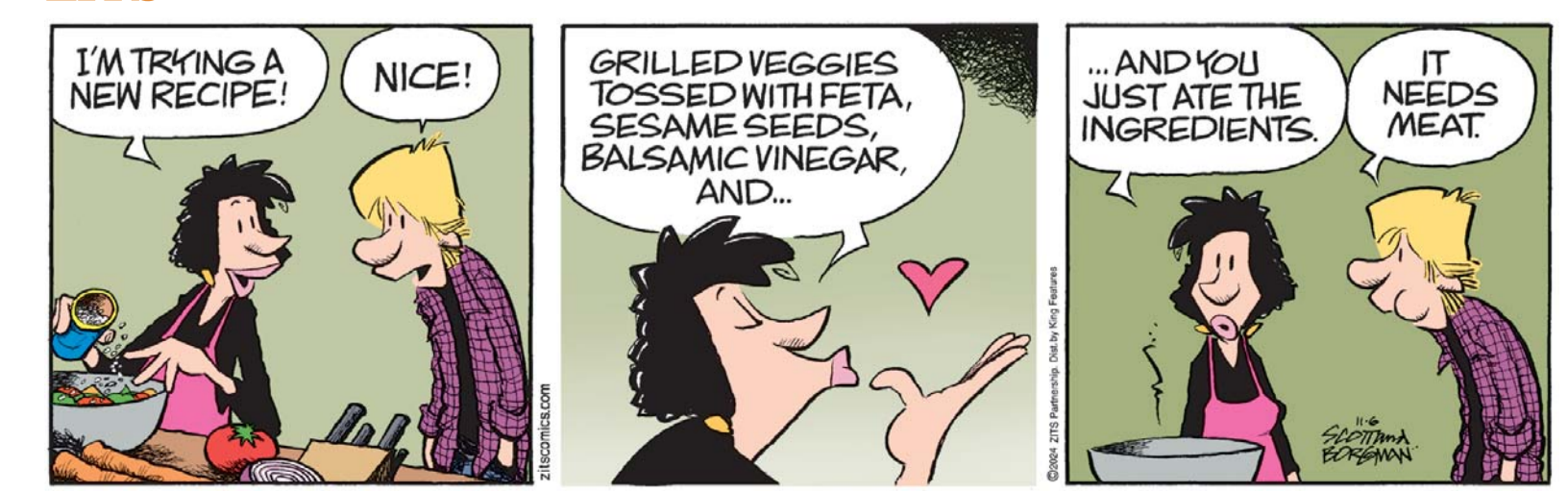
1. Heat a pan and dry roast the sesame seeds till they are light brown. Remove the seeds in a bowl and keep aside.
2. Add ghee in the pan, and then, add jaggery to it. Keep stirring and cook for 3 minutes.
3. Switch off the flame and add the roasted sesame seeds to it. Mix well.
4. Grease a plate and spread this mixture on it. Let it cool before you cut it into pieces and serve.

By Rick Kirkman & Jerry Scott

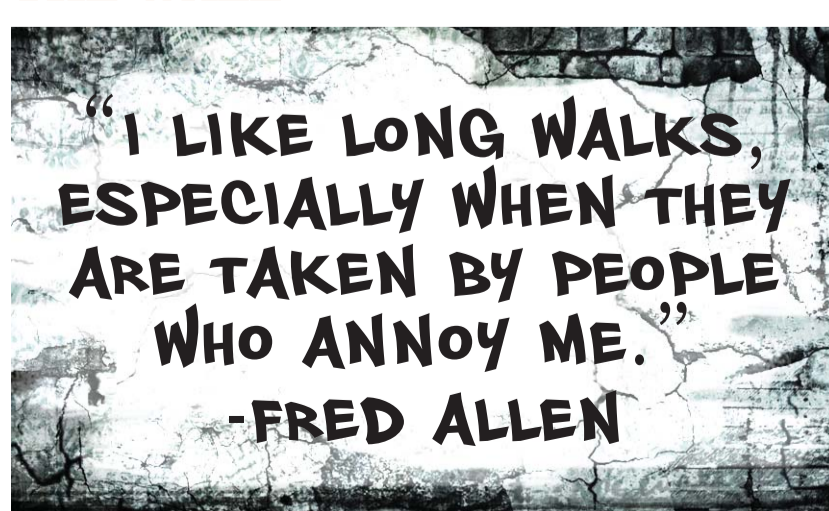
BABY BLUES



ZITS



THE WALL



By Jerry Scott & Jim Borgman

लेकसिटी का सबसे ठंडा दिन, एक ही दिन में पांच डिग्री गिरा तापमान

न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री, इससे पहले 25 दिसम्बर का दिन सबसे ठंडा

उदयपुर। लेकसिटी में ठंडी रातों के बीच सोमवार को सोजन का सबसे ठंडा दिन रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग डबोक ने सोमवार को दिन का तापमान 17.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सर्द हवाओं ने दिनभर धुजणी का अहसास कराया कई जगह नशर सी चुभती हवाओं से बचने के लिए थडियों के बाहर लोग अलाव जलाकर सर्दी से निजात पाने की जुगत में लगे रहे। आगामी दिनों तक कड़ाके की सर्दी के व 15 जनवरी के बाद बादल छाने व बारिश होने की संभावना है।

झीलों के शहर में सर्द हवाओं ने एक बार फिर तापमान में कमी ला दी है। उदयपुर-चितौड़गढ़ हाइवे पर घना कोहरा दिखाई दिया। कोहरे के कारण कई फ्लाइट्स उदयपुर देरी से पहुंची वहीं ट्रेने भी नियमित समय से लेट आ रही हैं। कोहरे के कारण चारों



लेकसिटी में कोहरे के बीच सबसे सर्द दिन बीता। तापमान में पांच डिग्री की गिरावट।

की ओर की पहाड़ियां फिर धुंध से ढांकी जा रही हैं। जानकारी के अनुसार शहर का तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस से गिरा। इससे पहले 25 दिसम्बर का दिन 18.8 डिग्री सेल्सियस पर था।

■ इस सप्ताह सर्दी से निजात नहीं, बादल छाएंगे बारिश की भी संभावना

तापमान के साथ ठंडा रिकॉर्ड किया गया था। आज का दिन सर्दी के सोजन का सबसे ठंडा दिन रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। लेकसिटी के तापमान में एक ही दिन में दिन का पा 5 डिग्री से अधिक व तीन डिग्री से अधिक की गिरावट हुई है।

आगामी दिनों में सर्द अपना कड़क रूख इच्छितार रखेगी ऐसे में इस सप्ताह सर्दी से निजात नहीं मिलेगी वहीं 15 दिसम्बर के बाद बादल छाने व बारिश की संभावना भी जताई जा रही है।

सियार से सतर्क रहने की सलाह वनकर्मियों ने दी



ग्रामीणों को सियार से सतर्क रहने की सलाह वनकर्मियों ने दी है।

छीपाबडोदा। सेतकोल्हू क्षेत्र में सियार के काटने से पांच व्यक्तियों को रेबिज विमारी के बचाव हेतु इलाज किया गया। इसी गंभीरता को देखते हुए नरेश मीणा प्रधान ने वन विभाग को सूचना दी

और विमार सियार को ढूँढने के लिए कहा। इस पर वनकर्मियों मोटे पर पहुंचे और सियार के चोटी गांव की ओर भागने की सूचना मिली। वनकर्मियों जितेंद्र भार्गव ने बताया कि ग्रामीणों को सतर्क रखने की

सलाह दी है और वन विभाग द्वारा सडकें सियार को पकड़ने के लिए टीम भी बना दी गई है। इस दौरान रमेश गडवाल, रिकू मीणा, भागवान सिंह व लोकेश सहरिया समेत वनकर्मियों मौजूद रहे।

अजमेर में कड़ाके की सर्दी का कहर, जनजीवन प्रभावित

अजमेर, (कास)। बीती दिनों हुई बरसात और उसके बाद चली शीत लहर से शहर में सर्दी का कहर सोमवार को भी जारी रहा, दिनभर आसमान में बादल छाए रहने और तेज हवाओं के चलते गलन भरी ठंड ने लोगों की धुजझणी छुड़ा दी। कड़ाके की सर्दी ने जनजीवन भी प्रभावित रहा।

ठंड के कारण लोग घरों में कैद होने को मजबूर हो गए हैं। सोमवार को अजमेर में अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं आंठरा का स्तर 7.8 प्रतिशत रहा। तेज हवाओं ने ठंड का असर और बढ़ा दिया। सुबह और शाम के समय गलन के कारण टिड्डुरन और



कोहरे की चपेट में अजमेर शहर की सड़कें।

अधिक महसूस की गई। ठंड के चलते सोमवार को 11

बजे तक शहर के बाजारों और सडकों पर भी चहल पहल कम रही। लोग

जरूरी काम से ही अपने घरों से बाहर निकले। खासतौर पर सुबह के समय

लोग ठंड से बचने के लिए अलाव जलाकर गर्मी लेते नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड का असर और तेज होने की संभावना है। तेज हवाओं और बादलों की स्थिति बनी रहने से तापमान में और गिरावट हो सकती है। ठंड का सबसे अधिक असर दिहाड़ी मजदूरों और खुले में काम करने वाले लोगों पर पड़ा है। कड़ाके की ठंड के कारण छोटे बच्चे और बुजुर्ग भी ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। अजमेर जिला कलेक्टर लोक बंधु ने कक्षा 5 वीं तक सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है वहीं छठी के 12वीं तक स्कूलों का समय सुबह 10 बजे से 3 बजे तक कर दिया है।

चाइनीज मांझे के 15 रोल सहित दो युवक गिरफ्तार

कोटा, (निर्स)। शहर पुलिस टीम ने दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे पर कार्यवाही करते हुए पन्द्रह रोल सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शहर की महावीर नगर थाना पुलिस टीम ने इलाके में कार्यवाही करते हुए प्रतिबंधित अवैध चाइनीज मांझे के 5 रोल को जप्त करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया।

■ प्रतिबंधित हैं चाइनीज मांझा

महावीर नगर थानाधिकारी महेन्द्र कुमार मारु ने बताया कि मीरा मार्केट में कट्टे में रखकर अवैध चाइनीज मांझे बेचने की सूचना मिली जिस पर मौके पर पहुंच कर अवैध चाइनीज मांझे के पांच रोल जप्त करते हुए केशवपुर निवासी अनिल सिंह (30) को गिरफ्तार किया। वहीं गुमानपुर इलाके में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 10 रोल सहित युवक को गिरफ्तार किया। गुमानपुर थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर ने बताया कि रामचन्द्रपुरा छावनी में चाइनीज मांझा बेचने की सूचना मिली। जिस पर मौके पर पहुंच कर कार्यवाही करते हुए प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के 10 रोल जप्त कर रामचन्द्रपुरा छावनी निवासी रोहित (20) को गिरफ्तार किया।

आयोग महिलाओं के मायके जैसा, बेझिझक रखें अपनी बात: रहाटकर

उदयपुर। महिलाओं से जुड़ी शिकायतों की त्वरित सुनवाई सुनिश्चित कर राहत देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से प्रारंभ किए गए महिला आयोग आयेक द्वार अभियान के तहत सोमवार को उदयपुर में महिला आयोग की ओर से संभागा स्तरीय जनसुनवाई रखाई गई। इसमें राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया के. रहाटकर ने तसली से महिलाओं की परिवेदनाएं सुनीं और हाथों-हाथ मौजूद अधिकारियों को त्वरित राहत देने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान लोकसभा सांसद डॉ मन्नालाल रावत, महिला आयोग के संयुक्त सचिव अशोली चलाई, जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एडीजे कुलदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक योगेश गोगयल, राजसमंद एसपी सुधीर जोशी आदि भी उपस्थित रहे।

जिला परिषद सभागार में आयोजित जनसुनवाई के शुभारंभ अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रहाटकर ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि दूरस्थ क्षेत्र की महिलाएं अपनी समस्याएं लेकर दिल्ली तक नहीं पहुंच पाती हैं, इसलिए आयोग ने उन तक पहुंचकर उनकी परिवेदनाओं को समझ

■ राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष ने उदयपुर में की जनसुनवाई

कर राहत देने के लिए विशेष अभियान चलाया है। उन्होंने कहा कि आयोग महिलाओं के मायके जैसा है। महिलाएं जिस तरह से अपने मायके में जाकर अपनी पीड़ा खुलकर बता सकती हैं, ऐसे ही आयोग में भी अपनी बात बेझिझक रखें, ताकि उसके समाधान की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा सकें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लें तथा उन्हें प्राथमिकता देते हुए त्वरित राहत प्रदान करें।

महिला आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहाटकर ने जनसुनवाई के दौरान आयोग में पूर्व से पंजीकृत संभागा के विभिन्न जिलों के तस्कीरबन 50 प्रकरणों के साथ ही सोमवार को जनसुनवाई में पूर्व में रजिस्टर्ड 45 प्रकरणों तथा नवीन दर्ज 50 प्रकरणों की सुनवाई की। लगभग साढ़े तीन घंटों तक चली इस सुनवाई में रहाटकर ने पूरी संवेदनशीलता के साथ एक-एक प्रकरण में महिलाओं की

पीड़ा को तसली से सुना। अधिकांश प्रकरण पति-पत्नी अथवा पारिवारिक विवादों से जुड़े हुए रहे। आयोग अध्यक्ष ने प्रकरण से जुड़ी पत्रावलिओं का अवलोकन किया तथा संबंधित जांच अधिकारी से प्रगति रिपोर्ट जानी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को त्वरित राहत प्रदान करने के लिए भी निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान कई महिलाएं अपनी पीड़ा बताते-बताते भावुक हुईं तो रहाटकर ने उन्हें ढाढ़स बंधाया और आश्वासन दिया कि महिला आयोग पूरी संवेदनशीलता के साथ उनकी परिवेदनाओं का समाधान करेगा।

जनसुनवाई के दौरान महिला आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने महिला परामर्श केंद्रों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आयोग के समक्ष अधिकांश पारिवारिक विवादों के प्रकरण आते हैं। ऐसे में बेहतर यही है कि महिला परामर्श केंद्र अथवा विधिक सेवा प्राधिकरण के नि:शुल्क विधिक सहायता सेल में इन प्रकरणों की काउंसिलिंग की जाए, ताकि पुलिस पर भी ऐसे प्रकरणों का दबाव नहीं रहे। विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एडीजे श्री शर्मा ने वृत्त स्तर पर नि:शुल्क विधिक परामर्श सेवा उपलब्ध होने की जानकारी दी।

पत्नी से विवाद होने पर पति नहर में कूदा

कोटा, (निर्स)। कुन्हाडी थाना इलाके में पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद होने पर पति ने पत्नी व बच्चों के सामने ही नहर में छलांग लगा दी। घटना रविवार देर रात्रि की है। सूचना पर पुलिस व निगम की गोताखोर टीम मौके पर पहुंची। रविवार को रात्रि अधिक होने के कारण सोमवार को युवक की तलाश के लिए निगम की गोताखोर टीम द्वारा रेस्क्यू अभियान चलाया और घटना से दो किलोमीटर दूर युवक का शव मिला जिसे बाहर निकाल कर पुलिस को सौंपा गया।

कुन्हाडी थानाधिकारी अरविन्द भारद्वाज ने बताया कि रविवार देर रात्रि को बूंदी रोड बांधी नहर में एक जने के कूदने की सूचना मिली थी। मौके पर निगम की गोताखोर टीम को बुलाकर रात्रि अधिक होने के कारण सोमवार सुबह से युवक की खोज शुरू की गई। जिसका शव बरामद होने पर शव बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक चेचट हाल कन्सुआ निवासी रघुनंदन उर्फ निक्की था। थानाधिकारी ने बताया कि पूछताछ में मामले में सामने आया कि रघुनंदन उर्फ निक्की पत्नी व बच्चों को लेकर कोटा के सकतपुरा में अपने ससुराल आया था, और वापस लौटते समय दोनों पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

जाम में फंसी दों एम्बुलेंस के चलते रैफर मरीज व एक प्रसूता परेशान हुए



जाम में एम्बुलेंस फंसने से मरीज को परेशानी हुई।

भरतपुर, (निर्स)। शहर के मुख्य बाजार में ट्रैफिक इतना बढ़ गया है कि लोगों को कई घंटे जाम में फंसने को मजबूर होना पड़ता है। सोमवार को मथुरा गेट पुलिस चौकी के पास लम्बा जाम लग गया। करीब दो घंटे से अधिक समय तक लगे इस जाम की वजह से मथुरा गेट क्षेत्र में आवागमन बुरी तरह प्रभावित रहा। वहीं जाम में दो एम्बुलेंस भी फंस गईं। जिन्हें जाम खुलने का इंतजार करना पड़ा।

प्रसूता मीरा की डिलीवरी के बाद बच्चे की हालत खराब होने पर जमाना हॉस्पिटल से रैफर किया था। वहीं दूसरी एम्बुलेंस में भी अस्पताल से प्रसूता को डिलीवरी के बाद परिजन लेकर जा रहे थे। प्रशासन के द्वारा पूर्व में सख्ती की गई थी। लेकिन अब प्रशासन की जरा सी ढील मिलते ही चौपहिया वाहनों एवं ईरिक्षाओं की भरमार से एकबार फिर

से जाम कि हालात बनने लगे हैं। इसमें ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को होने से जाम खुलने में समय और लग जाता है। इसकी बड़ी वजह यह भी है कि इस क्षेत्र में राजकीय जमाना हॉस्पिटल, शिशु एवं नेत्र हॉस्पिटल एवं नगर निगम कार्यालय होने के चलते चार पहिया वाहनों का आना जाना लगा रहता है। ऊपर से ईरिक्षा की भरमार से जाम का लोगों को सामना करना पड़ता है। कई बार जाम लगने की वजह से आम लोगों के साथ साथ अस्पताल जाने वाले मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। भरतपुर में पुलिस एसपी एवं रेंज मुख्यालय होने के बाद भी शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा है। ट्रैफिक पुलिस के भारी लवाजमा होने एवं टी आई की अलावा ट्रैफिक उपाधीक्षक होने के बाद भी व्यवस्थाएं सुधार नहीं रही।

फांसी के फंदे पर झूली गर्भवती विवाहिता

अजमेर, (कास)। अजमेर जिले के केकड़ी सिटी थाना क्षेत्र के काजीपुरा बीती रात एक गर्भवती विवाहिता ने सदिग्ध परिस्थितियों में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर सोमवार को अस्पताल पहुंची सिटी थाना पुलिस ने मृतका का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा शव परिजन के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

केकड़ी सिटी थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शाहपुरा जिला पीलवाड़ा निवासी दीपा महावर का विवाह काजीपुरा निवासी गोविन्द महावर के साथ गुरु 4 मार्च 2024 को हुआ था। रविवार देर रात्रि को दीपा ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और फांसी के फंदे पर लटक गई।

काफी देर तक जब दीपा बाहर नहीं निकली तो परिजन ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। परिवार के सदस्यों ने दरवाजे की कुंडी तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो दीपा फंदे पर लटकी मिली। परिजन ने फंदे से उतारकर राजकीय जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत

■ दस माह पहले हुई थी शादी, पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से कराया पोस्टमार्टम, शव साँपा परिजन को

घोषित कर दिया। सोमवार सुबह उपखंड अधिकारी सुभाष चन्द्र हेमानी, पुलिस उप अधीक्षक हर्षित शर्मा व सिटी थानाधिकारी कुसुमलता मीणा ने अस्पताल पहुंचकर पीहर पक्ष व ससुराल पक्ष के लोगों से घटना की जानकारी ली। अपसी सहमति के बाद पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा शव परिजन के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इस मामले की जांच उपखंड अधिकारी सुभाष चन्द्र हेमानी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार विवाहिता तीन माह की गर्भवती थी। विवाहिता ने आत्महत्या किस कारण से की है, इसके बारे में फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गांजा सहित दो तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निर्स)। कोटा ग्रामीण पुलिस टीम ने दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया। कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ की रोकथाम के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत कोटा ग्रामीण की इटावा व मोड़क इलाके में कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा 905 ग्राम सहित दों तस्करों को गिरफ्तार किया है।

कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि इटावा थाने के थानाधिकारी संदीप विश्वास ने मय जाना इलाके में चैकिंग के दौरान एक व्यक्ति से अवैध मादक पदार्थ 475 ग्राम गांजा बरामद किया। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद होने पर इटावा निवासी प्रेमशंकर (26) को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि मोड़क थाना इलाके में पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित एक तस्कर को गिरफ्तार किया। उक्त थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी मोहम्मद शान ने मय जान पदार्थ के दौरान एक जने पर संदेह होने पर तलाशी ली तो उसके पास से अवैध मादक पदार्थ गांजा 430 ग्राम बरामद हुआ।

जम्मूतवी स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य के कारण मार्च तक रेल यातायात प्रभावित रहेगा

अजमेर, (निर्स)। उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मण्डल पर जम्मूतवी स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य के कारण 15 जनवरी 25 से 06 मार्च 25 तक नॉन इण्टरलॉकिंग ब्लॉक लिया जा रहा है। इस कार्य के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा।

रह रेलसेवाएं (प्रारम्भिक स्टेशन से):- गाड़ी संख्या 12414, जम्मूतवी-अजमेर रेलसेवा 06 फरवरी 25 से 06 मार्च 25 तक (29 टिप) रह रहेगी। गाड़ी संख्या 12413, अजमेर-जम्मूतवी रेलसेवा 07 फरवरी 25 से 07 मार्च 25 तक (29 टिप) रह रहेगी। गाड़ी संख्या 19027, बान्ना टर्मिनस-जम्मूतवी रेलसेवा 22 फरवरी 25 व 01 मार्च 25 को (02 टिप) रह रहेगी। गाड़ी संख्या 19028, जम्मूतवी-बान्ना टर्मिनस रेलसेवा 24 फरवरी 25 व 03 मार्च 25 को (02 टिप) रह रहेगी।

आंशिक रह रेलसेवाएं (प्रारम्भिक स्टेशन से):- गाड़ी संख्या 19223, गांधीनगर कैपिटल-जम्मूतवी रेलसेवा जो 14 जनवरी 25 से 05 मार्च 25 तक गांधीनगर कैपिटल से प्रस्थान करेगी वह पटानकोट तक संचालित होगी अर्थात् यह रेलसेवा पटानकोट-जम्मूतवी स्टेशनों के मध्य आंशिक रह रहेगी।

गाड़ी संख्या 19224, जम्मूतवी-



15 जनवरी से 6 मार्च तक नॉन इण्टरलॉकिंग कार्य के कारण रेल सेवा बाधित रहेगी।

गांधीनगर कैपिटल रेलसेवा 15 जनवरी 25 से 06 मार्च 25 तक जम्मूतवी के स्थान पर पटानकोट से संचालित होगी। अर्थात् यह रेलसेवा जम्मूतवी-पटानकोट स्टेशनों के मध्य आंशिक रह रहेगी।

गाड़ी संख्या 19415, साबरमती-

श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा रेलसेवा जो 19 जनवरी 25, 26 जनवरी 25, 02, 09, 16, 23 फरवरी 25 व 02 मार्च 25 को साबरमती से प्रस्थान करेगी वह फिरोजपुर तक संचालित होगी अर्थात् यह रेलसेवा फिरोजपुर-श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा स्टेशनों

के मध्य आंशिक रह रहेगी।

श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा- साबरमती रेलसेवा जो 21, 28 जनवरी 25, 04, 11, 18, 25 फरवरी 25 व 04 मार्च 25 को श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा के स्थान पर फिरोजपुर से संचालित होगी। अर्थात् यह रेलसेवा श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा- फिरोजपुर स्टेशनों के मध्य आंशिक रह रहेगी।

गाड़ी संख्या 19107, भावनगर टर्मिनस-शहीद कप्तान महाजन रेलवे स्टेशन रेलसेवा जो 19, 26 जनवरी 25, 02, 09, 16, 23 फरवरी 25 व 02 मार्च 25 को भावनगर टर्मिनस से प्रस्थान करेगी वह जलन्धर सिटी तक संचालित होगी अर्थात् यह रेलसेवा जलन्धर सिटी-शहीद कप्तान तुषार महाजन रेलवे स्टेशनों के मध्य आंशिक रह रहेगी।

गाड़ी संख्या 19108, शहीद कप्तान तुषार महाजन रेलवे स्टेशन- भावनगर टर्मिनस रेलसेवा जो 20, 27 जनवरी 25, 03, 10, 17, 24 फरवरी 25 व 03 मार्च 25 को शहीद कप्तान तुषार महाजन रेलवे स्टेशन के स्थान पर जलन्धर सिटी से संचालित होगी। अर्थात् यह रेलसेवा जलन्धर सिटी-शहीद कप्तान तुषार महाजन रेलवे स्टेशन- जलन्धर सिटी स्टेशनों के मध्य आंशिक रह रहेगी।

संक्षिप्त

गुमशुदा की पुलिस को तलाश

जयपुर। प्रदेश के नीमकाथाना जिले के श्रीमाधोपुर थाना क्षेत्र से एक विवाहिता करीब 8 महीने से लापता है, जिसकी पुलिस को तलाश है। नीमकाथाना जिले के श्रीमाधोपुर थाना क्षेत्र से लापता सपना जाट पत्नी बलवीर जाट निवासी झिंझवाडिया वाली ढाणी तन महरोली श्रीमाधोपुर पुत्री श्यामरा निवासी राणावली तन गडटकनेट श्रीमाधोपुर है। विवाहिता की उम्र 17 साल रंग गेहूँआ एवं कद 5 फीट 2 इंच है। नाबालिग विवाहिता सपना जाट की गुमशुदगी 29 मई 2024 को उसके पति बलवीर द्वारा थाना श्रीमाधोपुर पर दर्ज कराई गई थी। जिसके अनुसार सपना रात करीब 11:30 बजे शौच के बहाने घर से निकली थी, जो दोबारा नहीं लौटी। गुमशुदा सपना के बारे में कोई भी जानकारी मिलने पर कृपया संबंधित थाना प्रभारी, जिला पुलिस अधीक्षक नीम का थाना को सूचित करें।

नेहड़ा कार्यक्रम का आयोजन

नारायणपुर। ग्राम पंचायत विजयपुर के तुर्कियावासे में स्थित पीर बाबा के आश्रम में 14 जनवरी को मकर संक्रांति के पावन अवसर पर विशेष नेहड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से मंदिर महंत श्यामरामदास महाराज के सानिध्य में शुरू होगा। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकार जयराम ठेकला और जगराम माऊ अपनी प्रस्तुति देंगे। दिनभर चलने वाले इस धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोग बड़े-बड़े चढ़कर हिस्सा लेंगे और एक साथ मकर संक्रांति का उत्सव मनाएंगे। पीर बाबा के दरबार में पोषबड़ा महोत्सव आयोजित

कार्यक्रम में झुमे श्रद्धालु

शाहपुर। ग्राम अमरपुर शाहपुर में स्थित पीर बाबा के दरबार में पोषबड़ा महोत्सव आयोजित हुआ। इस दौरान भजनों का सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें नवरंग म्यूजिक एण्ड फिल्मस से लेखक व गायक लालचंद नवरंग व साथी कलाकार ज्ञानचंद, रामदेव मास्टर, प्रकाश स्वामी, दिलीप नवरंग, सिन्दू स्वामी, ज्योति, पूजा प्रजापत, सोनु डॉस, दीपक हरजनपुर ने एक से बढ़कर भजनों की प्रस्तुति देखकर उपस्थित श्रद्धालुओं को खूब नचाया। पोषबड़ा महोत्सव में उपस्थित लोगों ने हलुआ, पकोड़े का प्रसाद ग्रहण कर आनंद लिया।

जरूरतमंदों को कम्बल वितरण

फुलेरा। फुलेरा जंशान पर सोमवार को 11:30 बजे ऑल इण्डिया एस सी / एस टी रेलवे एम्पलाईज एसोसियेशन शाखा फुलेरा के तत्वाधान में जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किये गये। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रेमचन्द वर्मा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम के दौरान शाखा द्वारा रेलवे स्टेशन पर स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत के नारे को प्रत्यक्ष रूप से साकार करने वाले सभी कर्मचारियों का आदर, सत्कार और सम्मान किया गया। इसके बाद सभी को कम्बल भेंट किया गया। इस अवसर पर रामनाथ वर्मा, मुकेश कुमार मीणा, कालूराम, एच.के. मीणा, मनीष शर्मा, हमीर सिंह, परमानन्द महारथ, कन्हैया लाल, दिनेश सुरोलिया सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

मंदिर में हुए सुंदरकांड के पाठ

निवाड़ी। जमात में स्थित पेट्रोल पंप वाले श्री मंशापूर्ण बालाजी के मंदिर में श्रीराम मंदिर की प्रथम वर्षगांठ पर श्री बालाजी भक्त मंडली द्वारा भव्य सुंदरकांड का आयोजन किया गया। जिसके लेखक बालाजी को चोला चढ़ाकर भक्त झंकी सजाई गई। बालाजी भक्त मंडली अध्यक्ष विशाल सैनी जमात ने बताया कि श्री राम मंदिर की प्रथम वर्षगांठ पर श्री मंशापूर्ण पेट्रोल पंप वाले बालाजी के मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया व युवा ओज कवि महेश डांगरा द्वारा इत्यादि अतिक्रमण कर रहा है। उक्त मंदिर माफ़ी भूमि पर भू-माफिया ने अवैध अतिक्रमण कर लिया है। जिसको लेकर सोमवार को विरोध जताते हुए ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटाने हेतु तहसीलदार दिनेश कुमार को ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता पुरण यादव ने बताया भू-माफिया बाहुबली रामनिवास पुत्र लक्ष्मीनारायण ने उक्त भूमि पर जबरन कच्चे मकान अवैध रूप से सिंचाई बोरिंग तार-बाड़ इत्यादि अतिक्रमण कर रहा है। उक्त मंदिर माफ़ी भूमि के नजदीक समस्त ग्रामीणों के रमशान घाट है ग्रामीण लोग रमशान घाट पर जाते हैं तब ग्रामवासियों को अतिक्रमी जाने से जबरन रास्ते में रोकते हैं। जबकि उक्त भूमि मंदिर माफ़ी की है। इतना ही नहीं यह अवैध कब्जाधारी यदि कोई मंदिर माफ़ी भूमि से होकर रमशान घाट पर

नम्बर मिलाइए 9587884433 सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

निर्धारित शुल्क से अधिक वसूलने पर करें कार्रवाई : कलेक्टर



जिला सचिवालय पर आधार मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक लेते जिला कलेक्टर किशोर कुमार।

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में जिला आधार मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में आधार का आयोजन किया गया। बैठक में आधार से जुड़े विभिन्न विषयों जैसे आधार नामांकन, प्रगति रिपोर्ट, और समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक में संबंधित विभागों, जैसे डाक विभाग, बैंक, महिला एवं बाल विकास, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, एवं के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने सभी आधार रजिस्ट्रार को ऑपरेटर्स के नियमित निरीक्षण करने और सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि निर्धारित शुल्क ही वसूला जाए। निरीक्षण की रिपोर्ट सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग को भेजने को कहा गया। उन्होंने निर्देश दिए कि बैंक, और महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देशित किया गया कि जिले

में निष्पक्ष आधार मशीनों को अविबल सक्रिय किया जाए। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के उपनिदेशक अजय यादव को जिला और ब्लॉक स्तर पर आधार विहीन क्षेत्रों में आधार सेवाएं पुनः प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए।

डाक विभाग के प्रवर अधीक्षक जम्बारा खान को पेंडेंसी वाले ब्लॉक्स में आधार मशीनों को कैप मोड में चलाने के निर्देश दिए गए, ताकि पेंडेंसी का शीघ्र निस्तारण हो सके। उन्होंने हरियाणा के अवैध ऑपरेटर्स पर सख्ती बताने और ऐसी मशीनों पर जब्त की कार्रवाई करने

के लिए पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया। उन्होंने जन्म से 5 वर्ष के बच्चों के आधार नामांकन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को निर्देश दिए गए कि वे बाल आधार अनुपम नैथानी, एवं आधार प्रभारी कुलदीप सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा के अवैध ऑपरेटर्स पर सख्ती बताने और मशीनों को जब्त की कार्रवाई करने के लिए पुलिस को किया निर्देशित

यह कार्य पूरा करावाएँइस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के उपनिदेशक अजय यादव, महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक नीता गुप्ता, डाक विभाग के प्रवर अधीक्षक जम्बारा खान, जिला शिक्षा अधिकारी शकुंतला मीणा, जिला समन्वयक, लौड बैंक नैनेजर अनुपम नैथानी, एवं आधार प्रभारी कुलदीप सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन में भेदभाव से नाराज ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन

नारायणपुर। जल जीवन मिशन योजना के तहत मोरडी की ढाणी में अनियमितताओं को लेकर सोमवार को ग्रामीण और महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले एक महीने से पाइप लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है, लेकिन पास की गंजी की ढाणी, बडवाली, और राजबाग में पाइपलाइन नहीं बिछाई गई। इसके विपरीत ठेकेदार ने चेयारमैन मजी देवी की मेहलड़ा की ढाणी में पाइप लाइन बिछा दी, जो कि काफी दूर है। ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन योजना का लाभ सभी को समान रूप से मिलना चाहिए। उन्होंने ठेकेदार पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी ढाणियों में पानी की भारी समस्या है, लेकिन उनकी जरूरतों को



पाइप लाइन बिछाने में अनियमितताओं को लेकर ग्रामीण और महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

नजरअंदाज किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही उनकी ढाणियों में पाइप लाइन बिछाने का कार्य शुरू नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करेंगे। इस

विरोध प्रदर्शन में छुडाराम यादव, प्रकाश चंद सैनी, पूरण यादव, रोहिताश यादव, तेजपाल यादव, सियाराम यादव, गीता देवी, अनीता, मिश्री, कमला, प्रेम और किस्तुरी

सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष शामिल हुए। इस मामले में ठेकेदार का कहना है कि शेष ढाणियों में भी जल्द ही पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

“बेटियां पढ़ेंगी तो आगे बढ़ेंगी” सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में संवेदनशीलता से कर रही काम : मुख्यमंत्री

जागृति का संदेश दिया

सांभरखोला, (निर्स)। पूर्व प्राचार्य कैप्टन डॉक्टर ज्ञान प्रकाश दासमा के सानिध्य में अंबेडकर केतन में बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर में सुधार को लेकर एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। डॉ. भीमराव अंबेडकर केतना समिति के तत्वाधान में सभी वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। दासमा ने कहा कि वर्तमान युग महिलाओं का युग है। बेटियां पढ़ेंगी तो



निशुल्क पढ़ने आने वाली बालिकाओं का समिति ने अभिनंदन किया।

बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर में सुधार को लेकर एक अहम बैठक का आयोजन किया

समिति के पदाधिकारियों द्वारा खटीकों की हटाई, बलाहियों का मोहल्ला, पुराना किला में बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी व निःशुल्क सुविधाओं का लाभ लेकर जीवन को सफल बनाने हेतु प्रोत्साहित किया। समिति के संरक्षक ज्ञान प्रकाश ने अपने ओजस्वी उद्घोष से बालिकाओं को जीवन में कड़ी मेहनत कर सफल होने हेतु आवाहन किया। समिति अध्यक्ष

विनोद दुलारिया द्वारा बालिकाओं को समय का सदुपयोग करने, खुद की रूचि के अनुसार विषय का चयन कर बेहतर भविष्य बनाने के लिए भी उत्साहवर्धन किया। रमेश कुमार बासीवाल ने निशुल्क संचालित पुस्तकालय का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया। समिति की तरफ से निशुल्क शिक्षा अर्जित करने के लिए आने वाली बालिकाओं का अभिनंदन भी किया।

पावटा। राजस्थान सरकार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के तहत आयोजित मिनिट टू मिनिट कार्यक्रम के दौरान वसुंधरा माध्यम से ब्लॉक पावटा में बने वाले 10 बिस्तरों वाले आयुष चिकित्सालय का शिलान्यास किया।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, सांसद राव राजेंद्र सिंह, विधायक कुलदीप धनकड संमैत कई अधिकारी, बिड़ला ऑडिटोरियम सभागार जयपुर इस वसुंधरा कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, देश के लोग जितना ज्यादा स्वस्थ होंगे, देश की प्रगति उतनी ही तेजी से होगी। भारत सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में संवेदनशीलता के साथ काम रही है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत 10 बैड के ब्लॉक आयुष चिकित्सालय पावटा का किला ऊपर रिवार को मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने ब्लॉक आयुष चिकित्सालय पावटा का वसुंधरा शिलान्यास किया। इस आयुष चिकित्सालय में आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथ चिकित्सा एक साथ लोगों को प्राप्त होगी।

वहीं डॉ. नाहरमल यादव ने जानकारी दी कि इस अस्पताल के बनने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। खास बात यह है कि अग्र-अलग चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने के साथ पूरा होगा। जिसका बजट धीरे-धीरे तीन किस्तों में आएगा।

वहीं डॉ. नाहरमल यादव ने जानकारी दी कि इस अस्पताल के बनने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। खास बात यह है कि अग्र-अलग चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने के साथ पूरा होगा। जिसका बजट धीरे-धीरे तीन किस्तों में आएगा।

भू-माफिया के खिलाफ ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटाने हेतु तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

पावटा। ग्राम पंचायत लाडाकावास के ढाणी बागला वाली के समीप स्थित मंदिर माफ़ी भूमि खसरा नं 45 है जिसमें 1.20 हैक्टेयर भूमि स्थित है। उक्त मंदिर माफ़ी भूमि पर भू-माफिया ने अवैध अतिक्रमण कर लिया है। जिसको लेकर सोमवार को विरोध जताते हुए ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटाने हेतु तहसीलदार दिनेश कुमार को ज्ञापन सौंपा।



मांगों को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

जाते हैं तो अनेकों ग्रामवासियों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कराता है। एवं ग्रामीणों में उक्त भू-माफिया ने बड़े स्तर से दशाहत फैला रखी है। ग्रामवासियों को अतिक्रमी जाने से जबरन रास्ते में रोकते हैं। जबकि उक्त भूमि मंदिर माफ़ी की है। इतना ही नहीं यह अवैध कब्जाधारी यदि कोई मंदिर माफ़ी भूमि से होकर रमशान घाट पर

बैखोफ होकर अवैध कब्जा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। मौके पर अतिक्रमण को देखते हुए ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारी तहसीलदार दिनेश कुमार को ज्ञापन सौंप अतिक्रमियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर भूमि को अतिक्रमण मुक्तकरवाए जाने की मांग की है। पुरण यादव ने

बैखोफ होकर अवैध कब्जा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। मौके पर अतिक्रमण को देखते हुए ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारी तहसीलदार दिनेश कुमार को ज्ञापन सौंप अतिक्रमियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर भूमि को अतिक्रमण मुक्तकरवाए जाने की मांग की है। पुरण यादव ने

श्रीघ्न कार्यवाही हेतु मिला आश्वासन

बताया कि क्षेत्रीय जनता की मांग को लेकर अधिनस्थ अधिकारियों द्वारा गंभीरता से अतिशोषण कार्यवाही नहीं होती है। तो मजबूरन जनहित द्वारा बड़े स्तर पर तहसील मुख्यालय पर आंदोलन किया जाएगा। जिस पर तहसीलदार पावटा दिनेश कुमार ने आश्वासन दिया है कि अतिक्रमण को जल्द से जल्द हटाकर अतिक्रमियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर ग्रामीण लोग, शिम्भू दयाल राबड़, रामचंद्र यादव, रामनिवास वर्मा, धोलाराम यादव, श्यापाल यादव, समाजसेवी विक्रम टाटला, मोहन यादव, नरेश गमुला, बीरबल, दयाराम, हावसिंह रामुता, शिभू नाथिया, राजा यादव, महेश वाई पंच, जयराम, डालूराम, लालचंद, मनफूल इत्यादि ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

पक्षी चिकित्सा शिविर प्रारंभ

फुलेरा। फुलेरा क्षेत्र में मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में नगर पालिका परिसर के निकट वाइल्ड लाईफ करिएचर ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यू.सी.ओ.) की ओर से प्रतियर्ष निशुल्क पक्षी चिकित्सा शिविर लगाया जाता है। जिसमें पतंग बाजी के दौरान पतंग के मंझे से घायल पक्षियों का उपचार किया जाता है। उपरोक्त जानकारी देते हुए डब्ल्यू.सी.ओ के संस्थापक अनामिका सेन पंटी ने बताया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी घायल पक्षियों के उपचार हेतु संस्था द्वारा सोमवार से तीन दिवसीय शिविर लगाया गया है। जिसमें प्रथम दिवस पर तीन पक्षियों (2 कबूतर व 1 लौंग टेल श्रोक लटोरा) का उपचार किया गया। वहीं पंटी ने बताया कि शिविर में घायल पक्षियों के उपचार तो किया जा रहा है। साथ ही लोगों को चित्रों के माध्यम से चार्जनीज मंझे से होने वाले नुकसान के बारे में बताया जा रहा है। साथ ही इसका उपयोग नहीं करने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। इसी क्रम में आगे बताया कि उक्त शिविर में घायल पक्षियों को लाने व प्राथमिक उपचार करने में संस्था के सदस्य मोहित, जतिन, तरण, मनीष, रजत, विवेक, आरती, पूजा, पायल,

पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

पावटा। राजस्थान पटवारी संघ के आह्वान पर पावटा उपखंड के सभी पटवारी सोमवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। अपनी 9 सूत्रीय मांगों को लेकर सभी पटवारियों ने पावटा उपखंड कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्य शासन सचिव के नाम तहसीलदार विकास कुमार को ज्ञापन सौंपा। ब्लॉक पावटा पटवारी संघ अध्यक्ष महेश स्वामी ने बताया कि प्रदेशभर के पटवारी अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्षरत हैं, लेकिन सरकार की ओर से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। इसी के विरोधस्वरूप पटवारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है, जिसके तहत कोई भी पटवारी काम नहीं करेगा। धरना प्रदर्शन के बाद सुबह 10 बजे प्रमुख शासन सचिव के नाम तहसीलदार विकास कुमार को ज्ञापन सौंपा।

खोया पाया

I Pushpa Chhugani Declare that all my file for house no. 38/345, Mansarovar Jaipur- 302020 which contains Perpetual deed/ Conveyance deed and all other original documents issued by Rajasthan Housing Board Lost. Any Body finds please Contact Ph. 9910601194

Advertisement for a lost document, including contact information and a declaration of loss of original documents.

Advertisement for a lost document, including contact information and a declaration of loss of original documents.

नाम परिवर्तन

Earlir My Name is RAISH MOHAMMED KHAN Son Of BASHIR MOHAMMED, Address Sharard Bazar Ward No. 2, Chaksu, Jaipur, 303901 Raj And At Present My Name Is RAESH MOHAMMAD Son Of BASHEER MOHAMMAD Address Sardar Bazar Ward No. 3, Chaksu, Jaipur. 303901 Raj I am Known And Recognized By this Name. RAESH MOHAMMAD S/o BASHEER MOHAMMAD

I Smt. Kaushallya is legally wedded spouse of Mr. 167980N Dvramt Splgde Guru Dyal Kuri Presently residence of Plot No. 24, Rajshri Vihar, Loha Mandi Road, Machhada, V.K.I.A. Harmada, Jaipur Rajasthan has been changed my Name from Kaushallya to Koushalya Devi DOB 02.04.1972

I have changed my name from Anshul Mittal to Anshul Gupta W/o Sh. Sunil Kumar Gupta R/o 32/12, Swarn Path, Mansarovar, Jaipur, Rajasthan. In future i know and recognised me by my new Name.

कार्यालय जिला कलेक्टर, सवाई माधोपुर

ई-निविदा आमंत्रण सूचना 01/2025 (1-2)

इस कार्यालय हेतु निम्नांकित सामग्री/कार्य के उपचार हेतु ई-निविदा आमंत्रण दिनांक 20.01.2025 को दोपहर 12.30 बजे तक मध्य विड चिकित्सालय के चो दिग्दर्शक पदवी के आधार पर e-Proc Portal पर ऑनलाईन निमानुसार किया जाता है।

Table with 5 columns: क्र.सं, निविदा का वर्णन, अनुमानित निविदा राशि (रुपय), निविदा शुल्क राशि (रुपय), R/S/L शुल्क, UBN. It lists items like 3) विद्युत प्रणाली, फोटो ग्राफी परीक्षा कार्य हेतु and 4) लेपापट प्रक.

अति. जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर

महायज्ञा सूरजजाला बृज विद्याविद्यालय, नरतपुर

Advertisement for Mahayagna Suresh Jyala Braj Vidya Vidyalaya, Nartapur, including contact details and a list of students.

कार्यालय नगर परिषद, दौसा (राजस्थान)

लोक सूचना

कैलाशचंद्र पुत्र कल्याणसहाय हिस्सा 1/4 जाति महाजन, रमेश चन्द्र पुत्र कल्याण सहाय हिस्सा-1/4 जाति महाजन, राजेश पुत्र कल्याण सहाय हिस्सा-1/4 जाति महाजन, सुरेश चन्द्र पुत्र कल्याण सहाय हिस्सा-1/4 जाति महाजन ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का नैऋ-कृषिक आवाससौंपा प्रोजेक्ट/नई उपखण्ड हेतु डेरी भूमि के अपने अभिलिखित अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् क्र.सं. जिले सहित तहसील का नाम ग्राम का नाम खसरा नं. क्षेत्र

संक्षिप्त

यादव उत्थान समिति की बैठक 14 को

नारायणपुर। कस्बे के भगतपुरा मोहल्ले में स्थित राधा कृष्ण मंदिर में यादव उत्थान समिति की बैठक 14 जनवरी को दोपहर 12 बजे आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता अर्जुन लाल यादव करेंगे। बैठक में आगामी पाटोत्सव के आयोजन की योजना बनाई जाएगी, साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों को सुधारने पर भी चर्चा की जाएगी। समिति के सदस्य समाज की विभिन्न समस्याओं का समाधान खोजने के लिए अपने सुझाव देंगे और समाज के उत्थान के लिए आवश्यक कदम उठाने पर विचार करेंगे। इस बैठक में समाज के कई प्रमुख लोग और समिति के सदस्य मौजूद रहेंगे। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया

पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन किया

मनोहरपुर। सेडमाता मंदिर में माता की मनोरंजन झांकी चलाई गई। वहीं मंदिर को फूल मालाओं से सजाया गया। दिन भर मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसके बाद सेडमाता की आरती कर हलवा पकौड़ी का भोग लगा कर भक्तों को दोना प्रसादी दी। छतरी के पास बैरू बाबा के मंदिर में भी पौषबड़ा का आयोजन किया। कार्यक्रम में मामराज कुम्हार, महेश असवाल, लालाराम कुम्हार, रामस्वरूप प्रजापत, जगमाल अथवाल, मनोज प्रजापत, कैलाश प्रजापत, बिबिदी चंद प्रजापत, गिरधारी बैनवाल, अशोक बैनवाल, पवन प्रजापत, सहित समस्त शिव कॉलोनी वासी मौजूद रहे।

छात्र संगोष्ठी का हुआ आयोजन

निवाड़ी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वावधान में सिस्स गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय व श्री केशव कल्याण प्राथमिक विद्यालय में छात्र संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संगोष्ठी का शुभारंभ प्रधानाचार्य कविता पुनिया ने दीप प्रजलन कर किया। जिला संगठन मंत्री मीरा स्वामी एवं प्रांत कार्यकारिणी सदस्य रोहित माहुर ने विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपना जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं। संगोष्ठी में हरिराम गुर्जर, आत्माराम, राजू जायसवाल, महेश, सुरेश व अंकित सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पौषबड़ा महोत्सव में उमड़े श्रद्धालु

निवाड़ी। गुंसी के झाड़ा वाले बालाजी मंदिर में पौषबड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उपलब्ध पड़ा। पुजारी चंद्र प्रकाश प्रजापत ने बताया की बालाजी धाम पर पौषबड़ा महोत्सव को लेकर बालाजी महाराज के जोला चलाकर भव्य झांकी सजाई गई। आचार्य ब्रजेश कुमार शास्त्री के सानिध्य में अखंड रामायण पाठ का आयोजन हुआ। बालाजी के दरबार में दिल्ली, हरियाणा, करोली, भरतपुर, अलवर, दौसा, लालसोट, जयपुर सहित दूर दराज से आए भक्तों ने बालाजी महाराज व बैरूजी के धोक लगाकर खुशहाली की कामना की और बालाजी के पौष बड़ों का भोग लगाकर पौषबड़ा प्रसादी का वितरण किया गया।

हिमांशी वर्मा का अभिनंदन किया

सांभरझील, (निसं)। राजस्थान युवा महोत्सव में भित्ति चित्र प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली छात्रा हिमांशी वर्मा पुत्री अरविंद वामा निवासी पुराना किला का अंबेडकर चेतना समिति की तरफ से जोरदार अभिनंदन किया गया। हिमांशी को स्मृति चिन्ह, अंबेडकर की तस्वीर व पुष्प कुछ भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की भी कामना की। इस मौके पर डॉ. भीमराव अंबेडकर चेतना समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं अनेक प्रतिष्ठित लोगों की भी मौजूदगी रही।

स्वामी जी के आदर्शों पर चले युवा : मातादीन

शाहपुर। शहर में त्रिवेणी रोड़ पर स्थित त्रिवेणी इन्फोटेक सेंटर पर निदेशक मातादीन प्रजापत की अध्यक्षता में रविवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान प्रजापत ने कहा कि युवाओं को स्वामी जी के आदर्शों पर चलकर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। भारत युवा देश है और आज के युवा कल के भारत है। युवाओं को अपनी शक्ति देश के विकास और तरक्की में लगानी चाहिए। इस मौके पर एक दर्जन लोग मौजूद थे।

एन.एच.ए.आई. द्वारा बंद किये गए कट को खुलवाने को लेकर तहसीलदार को सौंपा जापन

पावटा। कस्बा राष्ट्रीय राजमार्ग 48 स्थित सीएचसी कट को एनएचएआई की टीम ने बंद कर दिया गया है, ताकि सड़क हादसों पर लगाम लग सके। बस स्टैंड से महज 200 मीटर की दूरी पर सरकारी अस्पताल है। लेकिन सीएचसीकट बंद होने के बाद आपातकालीन सेवाओं के लिए महज केवल सर्विस रोड ही बचता है। यहां पर हर समय एंबुलेंस व निजी वाहनों से गंभीर मरीजों का आना जाना रहता है। लेकिन दिन में बैंक के सामने व सर्विस रोड के दोनों तरफ लोग अपने वाहन खड़े कर देते हैं। जिससे यातायात व्यवस्था बाधित होती है।

वही सर्विस रोड किनारे दोनों तरफ चोपहिया व दुपहिया वाहन खड़े होने से जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इससे अक्सर मरीज लेकर आए वाहन यहां पर जाम में फंस जाते हैं। इस संबंध में सोमवार को सामाजिक कार्यकर्ता ओपी बायला के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उपजिला अस्पताल के सामने एनएचएआई द्वारा बंद किये गए कट को खुलवाने की मांग को लेकर पावटा

फ्लाईओवर व अंडर पास बनवाने की मांग की

मनोहरपुर। सुभाष शर्मा पूर्व विधायक कोटपुतली जिला कोटपुतली-बहरोड़ राजस्थान ने केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री केंद्रीय सरकार नई दिल्ली से राजस्थान के कोटपुतली-बहरोड़ जिले के कोटपुतली नगर परिषद क्षेत्र में बानसूर मोड़ एवं नई सब्जी मंडी मोड़ पर बड़ा फ्लाईओवर तथा बीड़ीएम अस्पताल के सामने ऊँचा अंडरपास व टेलीफोन एक्सचेंज, संस्कृत स्कूल 'फौजावाली मोड़ व बिजली गिड की तरफ आने-जाने वाले वाहनों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए संस्कृत स्कूल मोड़ पर ऊँचा अंडरपास बनवाये जाने की मांग की है। शर्मा नव बताया है कि रोजाना की दुर्घटनाओं से आमजन को बचाने एवं राष्ट्रीय राजमार्ग की दोनों तरफ की सर्विस लाइन पर लगने वाले जाम से लोगों को निजात दिलवाये जाने तथा बीड़ीएम अस्पताल में लोगों की पहुँच को आसान बनाए जाने के लिए उक्त फ्लाईओवर एवं दोनों अंडरपास को बनवाये जाने का श्रम करें यह समय की मांग और क्षेत्रीय जनता के अत्यधिक आवश्यकता है।

वाहर्टन यूनिवर्सिटी के छात्रों ने सीखी कारपेट बुनाई

मानपुरा माचेड़ी। वाहर्टन यूनिवर्सिटी पेनसिल्वेनिया के छात्र-छात्राओं के एक दल ने मानपुरा माचेड़ी स्थित जयपुर रस के कारपेट वीविंग सेंटर का विजिट कर कारपेट बुनाई के गुर् सीखे। विजिट कन्वीनर मुनीश बख्शी को देखेख में यह दल राजस्थान यात्रा पर है और स्टडी टूर के तहत राजस्थान के रिमोट गांवों में चल रहे विभिन्न हस्तशिल्प निर्माण के कार्यों को देख समझ रहा है।

दल में अमांडा, मेडीसन, इनबार, जेसिका और स्टीवन आदि शामिल थे। जेसिका ने बताया कि कारपेट बुनाई का काम आर्टिजन लेवल पर देख कर काफी अच्छा लगा और इतनी बारीकी से यह काम हाथ से किया जाता है देखकर आश्चर्य हुआ। अमांडा ने आर्टिजन की कार्य दक्षता को सराहा।

साथ ही बताया कि ग्रामीण महिलाओं को जिस तरह प्रशिक्षित कर जयपुर रस ने आत्म निर्भर बनाया है, वह महत्वपूर्ण है। जेसिका और



बंद किये गए कट को खुलवाने के लिए ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

तहसीलदार दिनेश कुमार को जापन सौंपा।

लोगों का कहना है कि बैंक, मॉल, दुकानों के सामने लोग दुपहिया व चार पहिया वाहन खड़ा करते हैं। वही सर्विस रोड पर वाहनों की अवैध पार्किंग बनी हुई है। जबकि लोगों ने जाम

के संबंध में संबंधित अधिकारियों को उनको कई बार जानकारी भी दी। लेकिन जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। पावटा बस स्टैंड से महज 200 मीटर की दूरी पर सरकारी अस्पताल है। यहां स्थानीय के साथ दूर दराज के मरीज इलाज कराने पहुंचते

रहे हैं। जबकि सड़क पर गलत तरीके से वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है। इससे अस्पताल आने वाले एंबुलेंस व निजी वाहनों के मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में कई बार हादसे में घायल को एंबुलेंस या अन्य वाहन से लाते समय सर्विस

जल जीवन मिशन के कार्य का निरीक्षण कर शेष अधूरे कामों को समय पर पूरा कराएं : कलेक्टर

खैरथला। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने मंगलवार को जिला कलेक्टर सापागर में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक लेते हुए जिले के सभी एसडीएम को जल जीवन मिशन के कार्य का निरीक्षण कर समीक्षा करने सहित अधिकारियों को गणतंत्र दिवस के आयोजन स्थल एवं विभिन्न विभागों द्वारा की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के तहत वर्तमान प्रगति की समीक्षा कर प्रगति को बढ़ाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन की पाइपलाइन डालने के पश्चात सड़क मरम्मत का कार्य सही से किया गया है या नहीं इसकी जांच हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया।

उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्य की समीक्षा हेतु संबंधित उपखंड अधिकारी को निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया। अधिशासी अभियंता जलदाय विभाग ने बताया कि जल

बंध में गणतंत्र दिवस की तैयारी को लेकर अधिकारियों से की चर्चा दिए आवश्यक दिशा निर्देश

जीवन मिशन के तहत अब तक जिले में 71 कार्य पूरा किया जा चुका है तथा शेष कार्य प्रगतिरत है। जिला कलेक्टर ने आंगनवाड़ी व स्कूल में किए गए जल कनेक्शन की जांच हेतु जिला शिक्षा अधिकारी व महिला एवं बाल विकास अधिकारी को निर्देशित किया तथा शेष बचे आंगनवाड़ी केंद्र एवं स्कूलों में जल संबंध देने हेतु निर्देशित किया। जिला कलेक्टर ने बैंडक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों एवं ई-फाइल का समयबद्ध डिम्पोजल करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला स्तरीय जनसुनवाई के प्रकरणों का समयबद्धता से निस्तारण करने तथा पिछली जिला स्तरीय जनसुनवाई के

लंबित प्रकरणों का निस्तारण आगामी जनसुनवाई (गुववार) से पूर्व करने हेतु निर्देशित किया। जिला कलेक्टर ने बिजली विभाग के लिए ट्रांसफार्मर की उपलब्धता, सड़क निर्माण कार्य, मौसमी बीमारी, संपर्क पोर्टल पर परिवर्तनों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की जानकारी लेकर ग्रामीण ब्लॉकों में रोस्टर के अनुसार बिजली उपलब्ध कराने की निर्देश दिए। बैंक के दौरान कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, शिक्षा अधिकारी शकुंतला, अधिशासी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग विकास यादव, अधीक्षण अभियंता पीएचईडी धर्मवीर यादव, मंडी सेक्टर सी सुरेंद्र सैनी, सहायक अभियंता विद्युत विभाग दिनेश भड्ना, नगर परिषद कनिष्क अभियंता, कोऑपरेटिव सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

वाहर्टन यूनिवर्सिटी के छात्रों ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत 200 आरोपी गिरफ्तार

बौली-बामनवास,। भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के निदेशानुसार चलाए जा रहे दो दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निदेशन में गंगापूर सिटी, बौली, बामनवास व सवाई माधोपुर सहित समस्त त्रताधिकारियों के सुपरविजन में सवाई माधोपुर जिले के सभी थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित 70 टीमों में शामिल 312 पुलिस कर्मियों ने 296 स्थानों पर दबिश देकर करीब 200 आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस के इस कार्रवाई से अनेकों अपराधी एवं क्रिमिनल लोग भूमिगत हो गए।



मानपुरा माचेड़ी में कारपेट की बुनाई देखते विदेशी छात्र।

स्टीव्स को इन आर्टिजन का क्रियेटिव आर्टवर्क बहुत अच्छा लगा। आर्टिजन शांति देवी, कमली देवी, सुशीला देवी, आशा देवी और आची देवी से छात्र

छात्राओं ने बातचीत की। गौरतलब है कि मानपुरा माचेड़ी में 60 लुमें पर 250 से अधिक महिलाएं कारपेट बुनाई का काम करती हैं।

एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत 200 आरोपी गिरफ्तार

आरोपी, व दो इनामी आरोपी, एवं अवैध शराब/ एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में बांँधित दो आरोपी, नवीन प्रकरणों में चार आरोपी, एवं 499 अवैध देशी शराब के पबों व 9 लिटर हथकण्ड अवैध देशी शराब जब्त कर 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अवैध बजरी खनन व परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच ट्रैक्टर ट्राली को मय अवैध बजरी से भरे जब्त किया गया है। 23 आरोपियों को जुआ अधिनियम में गिरफ्तार कर 11077 रुपए नगद जब्त किए गए हैं। साइबर ठगी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर तीन मोबाइल जब्त किए गए हैं। छह आरोपियों को सार्वजनिक स्थानों पर ध्वनि प्रदूषण करने के आरोप में गिरफ्तार कर 6 डेक मशीन व ध्वनि विस्तारक यंत्रों को जब्त किया गया है। सवाई जिला पुलिस द्वारा अचानक की गई इस कार्रवाई से अपराधिक प्रवृत्तियों के लोगों में हड़कंप मच गया एवं अनेकों कार्रवाई को देखकर भूमिगत हो गए।

मॉडल स्कूल में केरियर-डे एवं राष्ट्रीय युवा दिवस का हुआ शुभारंभ

निवाड़ी। स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में सोमवार को विवेकानंद जयंती केरियर डे एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई गई। प्रधानाचार्य कुंभाराम चौधरी ने बताया कि स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर तिलक और मायापुष्प के साथ विवेकानंद जयंती का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, प्रेक सत्रों का आयोजन व पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विनोदकुमार शर्मा, डॉ. कमलसिंह कसाना एवं विकास गुर्जर ने धर्म एवं आध्यात्मिकता आधारित विषय पर उद्घोषण देकर बच्चों को धर्म एवं आध्यात्मिकता के अनुभव का आभास कराया। प्रधानाचार्य ने सभी



स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल में राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता में शामिल स्टाफ व छात्र।

बच्चों को विवेकानंदजी की तरह लक्ष्य व मंजिल तय करने का दृढ़ संकल्प के साथ प्रण लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय युवा दिवस को

लेकर 21 जनवरी तक प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन होगा

सार-समाचार

दुबई में मधुबाला सम्मानित

अलवर। गौरी देवी राजकीय महिला महाविद्यालय अलवर में प्रोफेसर मधुबाला मीणा को साहित्य क्षेत्र में योगदान देने के लिए दुबई में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्मेलन अबू धाबी विश्वविद्यालय दुबई तथा साहित्य संघ का संस्थान फाउंडेशन दिल्ली की ओर से दुबई में किया गया। अलवर से प्रोफेसर मीणा को सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। गौरी देवी महिला महाविद्यालय अलवर में संस्कृत विभाग की प्रोफेसर मीणा साहित्य संघ शोध संवाद फाउंडेशन की राजस्थान प्रांत की सचिव हैं। प्रोफेसर मधुबाला मीणा इससे पूर्व थाईलैंड, इंडोनेशिया तथा वियतनाम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग ले चुकी हैं। प्रोफेसर मीणा ने बताया हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस सम्मेलन में अबू धाबी विश्वविद्यालय, दुबई कैम्पस के डायरेक्टर डॉ अनास नजदानी, डॉ. श्रीतीनैयर डीन ऑफ अबू धाबी विश्वविद्यालय, प्रो. भूप्रजाया जबीन, आलोक शर्मा, संस्थापक, वागीश अंतर्राष्ट्रीय संस्थाई. आरतीलोकेश की उपस्थिति में हिंदी साहित्य एवं भारतीय संस्कृति के प्रचार- प्रसार करने के लिए सम्मान से नवाजा गया। इस अवसर पर प्रोफेसर मीणा की लिखी 2 पुस्तकों 'वैश्विक परिदृश्य में हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति तथा वैश्विक पटल पर भारतीय संस्कृति का विमोचन भी किया गया। इस सम्मेलन में भारत, यूएई, ओमान, आदि देशों से लगभग 200 विद्वानों ने शिरकत की। मधुबाला मीणा साहित्य के साथ समाज सेवा भी जुड़ी हुई हैं। मधुबाला मीणा का कहना है भारत के विकास में हिंदी का योगदान कम नहीं है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी हिंदी अपना महत्व निभा रही है।

बच्चों को पोषण किट बांटे

जयपुर। जिले में कुपोषित और अति कुपोषित बच्चों की स्थिति में सुधार के लिए लाडेसर अभियान शुरू किया गया। इसके लिए जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में सोमवार को परियोजना जौबरी की ग्राम पंचायत बोसामें लाडेसर अभियान में श्रीजी फाउंडेशन के सहयोग से पोषण किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीडीपीओ काजल राज भाटी ने की। इस मौके पर सीडीपीओ काजल भाटी ने अभियान लाडेसर के संबंध में जानकारी देते बताया कि जिला कलेक्टर डॉ जितेंद्र सोनी के द्वारा बच्चों को कुपोषण से दूर रखने और उन्हें शारीरिक रूप से हट्ट पुनर् बनाने की कामना के साथ लाडेसर अभियान द्वारा शुरू किया गया। तथा इस अभियान के तहत कम वजन एवं अति कम वजन वाले बच्चों के पोषण पर गिरानारी रखी जाएगी तथा प्रत्येक कम वजन एवं अति कम वजन वाले बच्चों को प्रतिमाह एक-एक लाडेसर पोषाहार किट का वितरण किया जाएगा। तथा पोषण का कार्य आंगनवाड़ी स्तर पर विटामिन, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन व वसा आदि विभिन्न पदार्थों से किया जाएगा, जिसमें 1 माह के खाद्यपत्र किट का वसा योग शामिल है, जो सामाजिक सरोकार की भावना से लगातार तीन माह तक प्रतिमाह एक किट का वितरण भामाशाह के सहयोग द्वारा किया जाएगा है। वहीं माता-पिता को अपने उत्तरदायित्व निर्वहन करने तथा बच्चों की पोषण स्थिति पर अधिक ध्यान देने की शपथ दिलवाई गई। तथा उन्होंने बताया की अति कुपोषित बच्चों के लिए आशा सहयोगियों व कार्यकर्ताओं को नियुक्त किया गया है तथा प्रत्येक सप्ताह उनका वजन व लंबाई का मापन कर पोषण स्थिति की टेक करने को लेकर निर्देशित किया गया है। तथा इस मौके पर कुपोषित बालक बालिकाओं को पोषण किट वितरित किए गए। इस अवसर पर महिला पथिवेक्षक ममता, अनीता, बबीता सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मौजूद थीं।

केरियर मेले आयोजन हुआ श्रीमाधोपुर। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में केरियर मेले का आयोजन किया गया। इस मेले की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राजेश कुमार अंकुर ने की। मुख्य अतिथि के रूप विद्यालय के पूर्व छात्र एवं डीआरडीओ से रिटायर्ड सीताराम सैनी तथा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार शर्मा उपस्थित रहे। श्रीशर्मा ने बच्चों जीवन में आगे बढ़ने के लिए परिश्रम के साथ केरियर हेतु मार्गदर्शन की आवश्यकता है। सैनी जी ने कहा आपकी मांजिल प्राप्त करने का रास्ता ऐसे आयोजनों से ही मिलता है। केरियर मेले में केरियर से संबंधित विभिन्न जांच चार्ट, ब्यूटी एंड वैलनेस प्रदर्शनी, कैरियर फील्ड चार्ट, भाषण करियर प्रदर्शनी, बुककड नाटक आदि कार्यक्रम हुए। कक्षा 12 के छात्र हर्षित रोहिलाने की माला पहनाकर प्रशंसा पत्र एवं नगद के रूप में टिफिन व पेन देकर सम्मान किया गया। केरियर मेले के अंत में सभी उपस्थित महामानों व विद्यार्थियों को अल्पाहार कवाया गया। इस मेले में समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

सोमवार को रहा मकरसक्रांति सा माहौल

निवाड़ी। मकरसक्रांति का त्यौहार 14 जनवरी को है। लेकिन सोमवार को भी शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में मकरसक्रांति के पूर्व के समान युवक-युवतियों में पतंगबाजी को लेकर देश शम तक काफी उत्साह देखा गया। जिसके चलते पूरा आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से ढका हुआ रहा। दिनभर को, जो मारा की आवाज सहित लाउड स्पीकर्स की आवाजों से वातावरण गुंजायमान रहा। सोमवार को सुबह सूर्योदय के साथ ही बालक छतों पर पहुँचकर पतंग उड़ाने में मशगूल हो गए। छतों पर लगे टेप, डेक व लाउड स्पीकर्स सहित कई ध्वनि यंत्रों की आवाजों से शहर का माहौल गुंजायमान था। बच्चों के साथ बड़े बुजुर्ग भी मकानों की छतों पर सुहानी धूप एवं चाय पकौड़ी सहित पतंगबाजी का लुफ्त उठाते हुए देखे गए। शहर के बड़ा बाजार, चौहटी बाजार, बिलाला मार्केट, गणगौरी बाजार, जमात, बस स्टैंड, अहिंसा सक्ति, पटेल रोड, आदि प्लाजा व शिवालय रोड सहित कई बाजारों में पतंगों की दुकानें सजी हुई हैं। जिन पर दिनभर पतंग खरीदने वालों की कतारें लगी रही तथा दिनभर पतंग लूटें शहर के मुख्य बाजारों एवं गलियों में दौड़ते हुए देखे गए। जिन्होंने पतंग लूटने का जमकर आनन्द लिया। सोमवार को भी दान पुण्य के त्योहार मकरसक्रांति पर लोगों ने गायों को हरा चारा डालने सहित कई दान पुण्य करके धर्म लाभ कमाया। मकरसक्रांति के त्यौहार पर मंदिरों में भगवान की विशेष पूजा अर्चना भी की गई। इस दौरान दिनभर मकरसक्रांति की बधाईयाँ एवं शुभकामनाएँ देने का दौर जारी रहा। सोमवार की रात्रि से ही लोगों ने मोबाइलों से मैसेज, वाट्सएप, फेसबुक पर मैसेज भेजकर एवं फोन पर एक दूसरे को मकरसक्रांति की बधाईयाँ दी। सोमवार को शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में मकरसक्रांति का पूरे धूमधाम से मनाया जाएगा।

पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन

पावटा। उपखंड पावटा क्षेत्र में सोमवार को बाबा भूतनाथ जोड़ड़ा धाम व भोमिया जी मंदिर महंत जयराजदास महाराज व सेवादास महाराज के सानिध्य में व ग्राम पंचायत जवानपुरा मुख्य बाजार स्थित शिवालय पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस विशाल पौष बड़ा महोत्सव में पहले ठाकुर जी व रानी सती दादी के दरबार में भजन संध्या का आयोजन किया गया। भजन संध्या कार्यक्रम में सभी भक्त भजनों पर जमकर झुमे फिर आरती उसके बाद मंदिर महंत मंदिर महंत जयराजदास महाराज व सेवादास महाराज द्वारा भोग लगा कर प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें बाबा भूतनाथ जोड़ड़ा धाम समिति से निराम शर्मा, रामावतार शर्मा, दिनेश शर्मा, विकास शर्मा, पंकी शेखावत, हरिराम सैनी, महेंद्र कुमावत, आकाश बोहरा, निराम शर्मा, हिमांशु शर्मा, बंटी शर्मा, कालू प्रजापत, विकास पुजारी, जम्भन राठी, दुर्गादत्त भारद्वाज, सुशील गौड, सहित जनप्रतिनिधियों सहित आसपास के सभी प्रमुख नागरिक व ग्रामीण उपस्थित रहे।

यादव को दी श्रद्धांजलि

अलवर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव आर बहरोड़ क्षेत्र के दिवाली गांव पहुंचे और जम्मिक जम्मु कश्मीर के बांटीपोरा जिले में दिवंगत हुए नीतीश कुमार यादव को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान भूपेंद्र यादव ने स्व. नीतीश कुमार के छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और परिजनों से बातचीत कर उन्हें सांत्वना देते हुये हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह, प्रधान बस्तीराम यादव, मंडल अध्यक्ष कमल यादव, उपाध्यक्ष महेंद्र यादव खैरथल-किशनगढ़ पूर्व विधायक रामहेत यादव, पूर्व डेयरी चेयरमैन बन्नाराम मीणा, इंदर सिंह यादव, अंजली यादव सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के बांटीपोरा जिले में शनिवार दोपहर सेना का टुकड़ाई में गिर गया। इस हादसे में 4 जवान शहीद हो गए। दो जवान गंभीर घायल हुए हैं। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चाइनीज मांझे के विरोध में संगठन

मनोहरपुर। कल सीकर में हुए दुखद हादसा जिस में एक बच्चे की मौत हो गई उसके बाद जनता में विरोध उत्पन्न हुआ इसी के तहत सेवाथी फाउंडेशन द्वारा पिंपरली रोड पे हॉस्पिटल के बच्चों को चाइनीज मांझे नहीं खरीदने की शपथ दिलाई गई। संगठन की एडमिन संतोष जांजिड़ ने कहा कि दुकानों से ज्यादा गोदामों में जाकर कारवाही करने चाहिए इनकी सजा भी सख्त होनी चाहिए जिस तरह से कल मांझे के कारण बच्चे की मौत हुई है वो बच्चे में दुखद है। इस में सभी ने शपथ ली कि ना खुद उपयोग करेंगे ना किसी को करने देंगे। मनोज पुनिया ने कहा कि कहीं पे भी मांझे का उपयोग करते देखे तो तुरंत सूचित करें। इस अवसर पर बच्चों के साथ मनोज पुनिया सूरजभान भूरिया सोनू पुनिया उपस्थित रहे।

छात्रा-छात्राओं का 14 से 18 तक अवकाश घोषित

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. अर्तिता शुक्ला ने जिले में जारी शीतलहर को दृष्टिगत रखते हुए अलवर जिले में संचालित कक्षा 1 से 5 तक 14 से 18 तक समस्त सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रा-छात्राओं का 14 जनवरी से 18 जनवरी 2025 तक अवकाश घोषित किया है एवं शेष कक्षाओं के विद्यार्थियों का समय प्रातः 10 बजे से सायं 3 बजे तक किया गया है।



खेल जगत



शोएब अख्तर

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को फॉर्म टीम इंडिया की सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है। आगामी चैंपियंस ट्रॉफी में भी ये दोनों बल्लेबाज खेलते हुए आ सकते हैं। कोहली ने इससे पहले बीबीसी टेलीविजन टैटल टैटल पथ में शतक ज़रूर लगाए लेकिन उसके बाद चार

क्या आप जानते हैं? ... भारत टी-20 इतिहास में एक कैलेंडर वर्ष में 200 छक्के लगाने वाली पहली टीम बन गई, ऐसा उसने 2024 में किया।

बीसीसीआई के नए सचिव देवजीत सैकिया

नई दिल्ली, 13 जनवरी। बीसीसीआई को अपना नया सचिव मिल गया है। असम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज और वकील देवजीत सैकिया ने इस पद का कार्यभार संभाला। देवजीत ने जय शाह की जगह ली जो मौजूदा समय में आईसीसी के चेयरमैन हैं। देवजीत सैकिया को



निर्विरोध चुना गया। असम के मुख्यमंत्री हिमांता बिरवा सरमा के साथ पढ़े सैकिया अगले दस महीने या पदाधिकारियों के लिए अगले दौर के चुनाव होने तक इस पद पर बने रहेंगे। एक क्रिकेटर के तौर पर सैकिया का करियर एक सीजन और चार मैच तक ही चला। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट छोड़ कर वकील बन गए। देवजीत सैकिया जल्द ही क्रिकेट के प्रति इच्छाओं को छोड़कर और कानून की डिग्री के लिए दस्तावेज और बल्ले को छोड़ दिया। वह 1997 में 21 साल की उम्र में अपना आखिरी रणजी मैच खेले। इसके 6 साल बाद उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक में अपनी नौकरी छोड़ी और आपराधिक और बीमा कानूनों में विशेषज्ञता के साथ गुवाहाटी हाई कोर्ट में वकालत शुरू कर दी। लेकिन खेल से उनका नाता बना रहा। सैकिया ने राज्य में सिक्स साइड टूर्नामेंट और क्लब गेम्स के साथ-साथ भारतीय वकीलों की टीमों से खेलना जारी रखा। सैकिया के करियर में बड़ा पल तब आया जब उन्होंने असम क्रिकेट एसोसिएशन पर आरोप लगाया कि एसोसिएशन ने धन का दुरुपयोग किया है। कई सालों के कानूनी लड़ाई और आरोपों के बाद 2019 में एक नई सरकार ने एसोसिएशन को अपने अधीन कर लिया जिसके सचिव सैकिया थे।

जयपुर पोलो सीजन 2025 का कल से होगा आगाज

जयपुर, 13 जनवरी। बहुप्रतीक्षित जयपुर पोलो सीजन 2025 की शुरुआत 15 जनवरी से महाराज पृथ्वी सिंह बारिया कप (06 गोल) से होने जा रही है। पहले दिन 15 जनवरी को कैवेलरी ग्राउंड पर दो मैच खेले जाएंगे। जिसमें पहला मुकाबला टीम आरपीसी/एससी और कैवेलरी रॉयल एन्फोल्ड के बीच होगा। वहीं दूसरा मैच टीम रामबाग पोलो और अरावली के बीच खेला जाएगा। इसी प्रकार टूर्नामेंट के अन्य मुकाबले 16 और 17 जनवरी को कैवेलरी, राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड (आरपीसी) और पीपीसी पर होंगे। टूर्नामेंट का फाइनल 19 जनवरी को खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में 6 टीमों भाग ले रही हैं। जिन्हें दो पूल में विभाजित किया गया है। पूल ए में टीम आरपीसी/एससी, कैवेलरी रॉयल एन्फोल्ड और टीम जयपुर शामिल हैं। वहीं पूल बी में टीम रामबाग पोलो, चांदना मेयफेयर और अरावली शामिल हैं। गौरतबल है कि जयपुर पोलो सीजन 2025, 30 मार्च तक चलेगा और इस दौरान कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

राजस्थान अंडर-23 वीमेन टीम घोषित

जयपुर, 13 जनवरी। राजस्थान महिला चयन समिति ने आगामी 16 जनवरी को निवैटम में उन्तराष्ट्र के विरुद्ध खेले जाने वाली बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 23 वीमेन टी20 टूर्नामेंट हेतु राजस्थान टीम का चयन किया।

चयनित राजस्थान अंडर 23 वीमेन टीम :- आयुषी गर्ग (कप्तान), यशस्वी कुट्टा, याना वर्मा, शानू सेन, सिद्दी शर्मा (उपकप्तान), रुद्राक्षी सिंह, दीक्षा सैनी, उषा, डिंपल केंवर, मनीषा कुंतल, निशा गारती, कनिष्कासिसोदिया, निवेदिता कविया, रिजा शेख, ज्योति चौधरी, बबीता, अनाया गर्ग, कौशल्या चौधरी।

स्विट्ज़रलैंड ने ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस में जीत के साथ अभियान की शुरुआत की

मेलबर्न, 13 जनवरी। विश्व की दूसरे नंबर की टेनिस खिलाड़ी जना स्वियाटेक ने सोमवार को पहले दौर के मैच में चेक गणराज्य की खिलाड़ी कैटरीना सिलिनकोवा को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन में विजयी अभियान की शुरुआत की। आज चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियाटेक ने 81 मिनट तक चले मुकाबले में कैटरीना सिलिनकोवा को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया। अगले दौर में स्वियाटेक का मुकाबला स्लोवाकिया की रेबेका ख्रामकोवा के साथ होगा। मैच के बाद स्वियाटेक ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे यह हर स्टेडियम में खेलना पसंद है।' जान कैम में मैंने कई बेहतरीन मैच खेले हैं।

अभिषेक के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर हुई बढसलूकी

नई दिल्ली, 13 जनवरी। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर बढसलूकी हुई है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर इसकी जानकारी दी है। इस दौरान उन्होंने दावा किया कि, एयरलाइन के स्टाफ ने उनके साथ गलत व्यवहार किया है। अभिषेक छुट्टी मनाने के लिए जाने वाले थे। लेकिन एयरपोर्ट पर हुई दिक्कत के बाद उनकी फ्लाइट छूट गई। इसके साथ ही उनकी कोई मदद भी नहीं की गई। दरअसल, अभिषेक को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए चुना गया है। अभिषेक शर्मा ने इंस्टाग्राम के जरिए एक स्टोरी शेयर की। उन्होंने लिखा कि, दिल्ली एयरपोर्ट पर इंडिगो के साथ मेरा बहुत ही खराब अनुभव रहा। स्टाफ का व्यवहार बढसलूकै करने पड़ा नहीं था। मैं सड़ी काउंटर पर टाइम पर पहुंच गया था। लेकिन उन्होंने मुझे अनावश्यक रूप से दूसरे काउंटर पर भेज दिया। इसके बाद मुझे बताया गया कि चेक-इन बंद हो गया है। इसकी वजह से मेरी फ्लाइट छूट गई।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीमों ने किया स्क्वाड का ऐलान

नई दिल्ली, 13 जनवरी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज 19 फरवरी से होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों हिस्सा ले रही हैं। जहां अभी तक 5 टीमों ने अपने स्क्वाड का ऐलान किया है। आईसीसी ने प्रोविजनल स्क्वाड का ऐलान करने के लिए 12 मार्च की तारीख तय की थी, लेकिन अभी तक 3 टीमों ने अपने स्क्वाड का ऐलान नहीं किया है। इसमें टीम इंडिया भी शामिल है। भारत के अलावा पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका ने अपने-अपने स्क्वाड का ऐलान नहीं किया है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 हाइब्रिड मॉडल के तहत खेला जाएगा। इसमें भारत के सभी मैच दुबई में होंगे। वहीं एक सेमीफाइनल मुकाबला भी दुबई में होगा। 9 मार्च को टूर्नामेंट का फाइनल है जिसका वेन्यू अभी तय नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेने वाली 8 टीमों को 4-4 के दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-ए में भारत के साथ पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश है। जबकि ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान है।

सभी टीमों पर एक नजर
ऑस्ट्रेलिया- पेट कर्मिस (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन, एलिस, आरोन हाडी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मैट शार्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोडिनिस, एडम जम्मा।
इंग्लैंड- जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस

एटकिंसन, जैकब बेथेल, हेरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, लियांम लिंविंगस्टोन, साकिब महमूद, जेमी ओवटन, आदिल राशिद, जो रूट, फिल साट्ट, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), मार्क डुब्लु।
न्यूजीलैंड- मिचेल सेंटरन (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉन्वे, लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओरुरके, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग।

बांग्लादेश- नजमुल हुसैन (कप्तान), तंजीद हसम तमीम, सौम्य सरकार, परवेज हुसैन इमोन, मुश्किरुर रहमन, तौहीद हदीय, महमूदुल्लाह, मेहदी हसन, जेकर अली अनिक, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, तंजीम हसन साकिब, नाहिद राणा, तस्कान अहमद और मुस्ताफिजुर रहमान।
अफगानिस्तान- हशामुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सैदिकुल्लाह अटल, रहमन शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्लाह उमरज़ई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, एएम गजनफर, नूर अहमद, फज़लहक फारूकी, फरीद मलिक, नबीद जादरान।

आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शेड्यूल
 19 फरवरी - पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड, नेशनल स्टेडियम, कराची, 20 फरवरी - बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, दुबई, 21

इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारत ने सबसे बड़ा दल उतारा, सात्विक और चिराग पर नजरें



नई दिल्ली, 13 जनवरी। भारत ने मंगलवार से शुरू हो रहे सितारों से सजे इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में अपना सबसे बड़ा दल उतारा है लेकिन नजरें कुछ जोर पहाचने नामों खासकर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे सात्विक मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर अच्छी शुरुआत की। टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष 20 पुरुष सत्रों से इस टूर्नामेंट में सफलता नहीं मिली है। भारत का 21 सदस्यीय दल इस कमी को पूरा करने के साथ छह महीने पहले पेरिस ओलंपिक में खराब प्रदर्शन के बाद अपनी गलतियों को सुधारने के इरादे से

चाइना मास्टर्स 2024 सेमीफाइनल खेल चुके सात्विक और चिराग का सामना पहले दौर में मलेशिया के वेड चांग में आं और केड चुन तो से होगा। उन्हें चीन के ओलंपिक रजत पदक विजेता लियंग वेडेंग और वांग चांग, पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूड थिक, डेनमार्क के किम एस्ट्रप और एंडर्स रासमुसन और इंडोनेशिया के फजर अल्फयान और मुहम्मद रियान अर्दियांटी से कड़ी चुनौती मिलेगी। इस साल भारत से 21 प्रतिस्त्रियां मिली है जिसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू शामिल है।

सिंधू अपने विवाह के कारण मलेशिया मास्टर्स से बाहर रहने के बाद वापसी कर रही है। हैदराबाद की 29 वर्ष की सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल खिलाब जीता था लेकिन उसमें अधिकांश भारतीय खिलाड़ी ही खेले थे। सिंधू का सामना पहले दौर में अनुपमा उपाध्याय से होगा। वहाँ आगे जापान की तोमोका मियाजाकी से खेल सकती है जिसने उन्हें पिछले साल विस्व ओपन में हराया था। सैयद मोदी खिलाब जीतने वाले लक्ष्य सेन मलेशिया में शुरूआती दौर में ही हारवा हो गे थे। यहां तीन साल पहले खिलाब जीत चुके लक्ष्य का सामना पहले दौर में चीन के हॉंग यांग वेंग से होगा।

उतरेगा। भारत को सात्विक और चिराग से काफी अपेक्षाएँ हैं।
चूँकि दुनिया की पूर्व नंबर एक पुरुष युगल टीम ने 2022 इंडिया ओपन जीता था और 2025 सत्र में पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर अच्छी शुरुआत की। टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष 20 पुरुष सत्रों से इस टूर्नामेंट में सफलता नहीं मिली है। भारत का 21 सदस्यीय दल इस कमी को पूरा करने के साथ छह महीने पहले पेरिस ओलंपिक में खराब प्रदर्शन के बाद अपनी गलतियों को सुधारने के इरादे से

इतिहास रच देंगे श्रेयस अख्यर, बन जाएंगे भारत के पहले क्रिकेटर

नई दिल्ली, 13 जनवरी। आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ने बीते रविवार को श्रेयस अख्यर को टीम का नया कप्तान घोषित किया है। वे आईपीएल 2025 में पंजाब की कप्तान संभालते हुए नजर आएंगे। जब वे पहले मैच में कप्तान करेंगे तो ये भारतीय क्रिकेटर के तौर पर एक इतिहास लिखा जाएगा। वे भारत के पहले ऐसे कप्तान बन जाएंगे, जिन्होंने दो से ज्यादा टीमों की कप्तानी की है। अभी तक



सिर्फ दो ही क्रिकेटर ऐसा कर पाए हैं, लेकिन दोनों विदेशी थे। किसी भारतीय को

पहली बार तीन टीमों की कप्तानी करने का मौका मिला है। 21 मार्च से आईपीएल 2025 की शुरुआत होनी है। पंजाब ने 26.75 करोड़ रुपये में दार्प हाथ के मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अख्यर को खरीदा था। केकेआर को उन्होंने कप्तानी करते हुए खिलाड़ी बन गए। अख्यर 2018 सीजन के मध्य से 2020 तक दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रहे और एक सीजन उन्होंने टीम को फाइनल में भी पहुंचाया।

कपिल को मारने पिस्टल लेकर गया था : योगराज

नई दिल्ली, 13 जनवरी। युवराज के पिता योगराज सिंह ने कपिल देव से संबंध को लेकर एक इंटरव्यू में खुलासा कि वह एक बार उन्हें गोली मारने के लिए पिस्टल लेकर उनके घर चले गए थे। योगराज ने एक इंटरव्यू में युवराज को लेकर बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि यदि उनका बेटा 2011 के वर्ल्ड कप के दौरान मर भी जाता तो उन्हें उस पर गर्व होता। युवराज ने 2011 के वर्ल्ड कप जीतने में अहम भूमिका निभाई। उस दौरान वह कैप्टन से जुड़ा रहे थे। जिसका पता उन्हें वर्ल्ड कप के बाद लगा। योगराज सिंह ने एक घटना का खुलासा करते हुए कहा कि कपिल देव नाथं जौन और हरियाणा के कप्तान बने, तो उन्होंने बिना बताए मुझे टीम से हटा दिया था। मेरी पत्नी चाहती थी कि मैं टीम से हटाए जाने को लेकर कपिल से सवाल पूछूं। मैं बहुत गुस्से में था। मैंने अपनी पिस्तौल निकाली और लंडींगा में सेक्टर 9 स्थित कपिल के घर पहुंच गया। वह अपनी मां के साथ घर से बाहर निकले। मैंने उन्हें घालियां दीं। मैंने उससे कहा कि तुम्हारी वजह से मैंने एक दोस्त खो दिया है और तुमने जो किया, उसकी कीमत तुम्हें चुकानी पड़ेगी। मैं तुम्हारे सिर में गोली मारना चाहता हूं, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर रहा हूं क्योंकि तुम्हारे पास भगवान में विश्वास रखने वाली मां है, जो यहां खड़ी है। युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह अक्सर कमेटी में अपने बचनों के चलते सुर्खियों में बने रहते हैं। एक बार फिर उन्होंने महिलाओं को लेकर एक विवादाित बयान दिया है जिससे बवाल मच गया है। इस बार योगराज ने हिन्दी भाषा को लेकर बयान दिया है, उन्होंने हिन्दी भाषा को लड़कियों की भाषा कह दिया है। पूर्व क्रिकेटर योगराज ने अनफिल्टर्ड बयान समदिश के यूट्यूब चैनल पर हिन्दी भाषा को लेकर बयान दिया और कहा कि, हिन्दी भाषा ऐसी लगती है जैसे कोई महिला बोल रही हो।

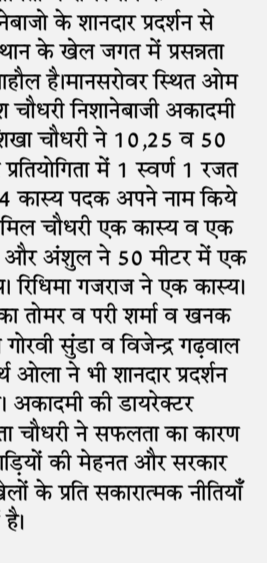
अंडर-19 दिनों के अंदाज में बल्लेबाजी करने का फायदा हुआ : जेमिमा रोड्रिज़

राजकोट, 13 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने शतक का सात साल के इंतजार को खत्म करने से खुश भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिज़ ने रविवार को यहां कहा कि उन्हें गोलो अंडर-19 दिनों की मानसिकता और तरीकों को अपनाने से इस उपलब्धि तक पहुंचने में मदद मिली। जेमिमा की 102 रन की पारी की बढीलत भारत ने दूसरे महिला वनडे में पांच विकेट पर 370 रन बनाकर आयरलैंड पर 116 रन से जीत दर्ज की। जेमिमा ने मैच के बाद संवादादाता समेलन में कहा, "बहुत अच्छा लगा रहा है। मुझे इसका लंबे समय से इंतजार था। मुझे 'खुशी है कि आज यह टीम के लिए कर सकी।' उन्होंने कहा, " मैंने अंडर-19 क्रिकेट में कई शतकीय पारियां खेली हैं, वहां 200 रन भी बनाये हैं। ऐसे में मैं वही करने की कोशिश कर रही थी जो उस समय करती थी। मैं आज इस अच्छे से करने में सफल रही।" जेमिमा ने 2017 में अंडर-19 महिला वनडे प्रतियोगिता में सौराष्ट्र की खिलाड़ी मुंबई के लिए नाबाद 202 रन कर सुर्खियां बटोरी थी।

राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में राजस्थान प्रथम स्थान पर

जयपुर, 13 जनवरी। हाल ही में आयोजित 67वीं निशानेबाजी प्रतियोगिता में राजस्थान के निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन से राजस्थान के खेल जगत में प्रसन्नता का माहौल है। मानसरोवर स्थित ओम प्रकाश चौधरी निशानेबाजी अकादमी की शिखा चौधरी ने 10.25 व 50 मीटर प्रतियोगिता में 1 स्वर्ण 1 रजत और 4 कांस्य पदक अपने नाम किये व सोमिल चौधरी एक कांस्य व एक स्वर्ण और अंशुल ने 50 मीटर में एक कांस्य। रिधिमा गजराज ने एक कांस्य। मोनिका तोमर व परी शर्मा व खनक व्यास गोरवी सुंडा व विजेन्द्र गढ़वाल सिद्धार्थ ओला ने भी शानदार प्रदर्शन किया। अकादमी की डायरेक्टर कविता चौधरी ने सफलता का कारण खिलाड़ियों की मेहनत और सरकार की खेलों के प्रति सकारात्मक नीतियाँ बताई हैं।

आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धनंजय सिंह खींवर ने बीसीसीआई एसजीएम में भाग लिया



जयपुर, 13 जनवरी। मुंबई में आयोजित बीसीसीआई की एसजीएम हेतु आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धनंजय सिंह खींवर ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम स्थित बीसीसीआई ऑफिस पहुंच कर बीसीसीआई की एसजीएम में राजस्थान क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लिया। एडहॉक कमेटी सदस्य ने इस अवसर पर जय शाह की आर्डीसीसी चेयरमैन बनने पर बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया की जय शाह जी के नेतृत्व में आईसीसी नए आयाम प्राप्त करेगी जिसका फायदा न केवल विश्व खेल जगत के साथ साथ भारत के सम्पन्न खिलाड़ियों व खेल जगत को भी होगा। धनंजय सिंह खींवर के अनुसार बीसीसीआई की एसजीएम में राजस्थान



भारतीय टीम का बेसब्री से इंतजार

नई दिल्ली, 13 जनवरी। बीसीसीआई ने आईसीसी से पहले ही टीम के ऐलान के लिए थोड़ा सा समय मांगा है और ये हालात में भारत को 17 या 18 जनवरी को टीम की घोषणा करनी है। लेकिन बोर्ड के सामने समस्या ये है कि, पेशर जसप्रीत बुमराह और स्पिनर कुलदीप यादव अभी फिट नहीं हैं। खासकर जसप्रीत बुमराह के कारण टीम का ऐलान करने में देरी हो रही है। जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट मैच में बैक इंजरी से परेशान दिखे थे और उन्होंने दूसरी पारी में गेदंबाजीनहीं की थी। उनको अभी फुल फिटनेस हासिल करने के लिए थोड़ा समय लगेगा। जबकि कुलदीप यादव अक्टूबर 2024 से प्रोइन इंजरी से परेशान हैं। उन्होंने जर्मनी में सर्जरी कराई थी। वहीं बुमराह ने न्यूजीलैंड के डॉक्टर से परामर्श लिया है। हालांकि, उनकी चोट किस ग्रेड की है कब तक वे मैदान पर लौटेंगे, इसकी जानकारी बोर्ड ने शेयर नहीं की है। दूसरी ओर अच्छी खबर भारत के लिए ये है कि मोहम्मद शमी की वापसी हो गई है। कुलदीप यादव भी जल्द फिट हो जाएंगे। शमी को इंग्लैंड के खिलाफ 22 जनवरी से खेली जाने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए चुना गया है। जबकि कुलदीप यादव को वनडे सीरीज में मौका मिलने की उम्मीद है। उसी से उनकी फिटनेस का अंदाजा लगेगा, लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी में उनका खेलना अभी भी संस्पंद बना हुआ है।

आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धनंजय सिंह खींवर ने बीसीसीआई एसजीएम में भाग लिया



क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह से मुलाकात कर उन्हें राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा आयोजित की गयी विभिन्न क्रिकेट प्रतियोगिताओं व गतिविधियों की जानकारी दी साथ ही खेलों के आयोजन हेतु बीसीसीआई द्वारा दिए गए सहयोग की प्रशंसा की। बीसीसीआई एसजीएम के दौरान आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धनंजय सिंह खींवर ने बीसीसीआई के नवनिर्वाचित सचिव देवजीत सैकिया, कोषाध्यक्ष प्रभतेज भाटिया को पदभार ग्रहण करने व निर्वाचित होने पर बधाई दी व अन्य बीसीसीआई पदाधिकारियों सहित स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की व क्रिकेट के विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की।

सीनियर नेशनल हैंडबॉल में राजस्थान के पुरुषों को कांस्य

गुजरात पुरुष में और छत्तीसगढ़ महिला वर्ग में चैंपियन

जयपुर, 13 जनवरी। गुवाहाटी (असम) में सोमवार को संपन्न चार दिवसीय सीनियर बीच नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप (पुरुष व महिला) में राजस्थान पुरुष टीम उत्तर प्रदेश के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग में गुजरात पहले व सर्विसेज दूसरे स्थान पर रही। वहीं महिला वर्ग का खिताब छत्तीसगढ़ ने जीता। केरल दूसरे तथा हरियाणा व असम संयुक्त तीसरे स्थान पर रही। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि राजस्थान ने अपने लीग मैच से में तेलंगाना को 2-0 से, दिल्ली को 2-0 से, हिमाचल प्रदेश को 2-0 से, मध्यप्रदेश को 2-0 से हराया। जबकि बिहार से 2-1 से हरा का सामना करना पड़ा। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में



राजस्थान ने हरियाणा को 2-0 से हराया। सेमीफाइनल में राजस्थान को गुजरात ने 2-1 से हराया।
राजस्थान टीम- रविंद्र पाल सिंह सैनी (कप्तान)-राजस्थान पुलिस, लोकेंद्र सिंह हाड़ा (बूंदी), रोहिताश (राजस्थान पुलिस), भिंस सहारण, विक्रम (श्रीगंगानगर), राजकुमार, मनीष लील (जयपुर), रुद्र प्रताप सिंह सिंसोदिया (भीलवाड़ा), नितिन बंजारा (अजमेर), हर्ष आचार्य (बांसवाड़ा)।



मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी के पास पेट्रोज़ोन के भूमि आवंटन को स्वीकृति दी

रीको को सोलर पार्क तथा चम्बल वृहद् पेयजल के लिये भी भूमि आवंटन को मंजूरी मिली

जयपुर, 13 जनवरी। मुख्यमंत्री भजलाल शर्मा ने राज्य में औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने, ऊर्जा और पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और युवाओं को रोजगार के अवसर में वृद्धि के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं। शर्मा ने रीको को राजस्थान पेट्रोज़ोन और औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए, राजस्थान सोलर पार्क डवलपमेंट कंपनी लिमिटेड को सोलर प्रोजेक्ट की स्थापना के लिए तथा चंबल नदी आधारित वृहद् पेयजल योजना के लिए भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने पचपदरा रिफाइनरी के पास राजस्थान पेट्रोज़ोन की स्थापना करने संबंधी बजट घोषणा

■ पेट्रोज़ोन के लिये पचपदरा के ग्राम सिन्धियों की ढाणी में 74 हेक्टेयर और ग्राम खेमाबाबा नगर में 102 हेक्टेयर भूमि आवंटन को स्वीकृति दी गई।

■ चम्बल-सवाई माधोपुर-करौली-नारौनी-गंगापुर सिटी वृहद् पेयजल योजना के लिये वॉटर रिज़र्वॉय बनाने के लिये भंडारायल तहसील में 221 हेक्टेयर भूमि आवंटन की स्वीकृति दी गई।

को पूरा करते हुए, रीको को पचपदरा तहसील (बालोतरा) के ग्राम सिन्धियों की ढाणी में 74.50 हेक्टेयर भूमि और ग्राम खेमाबाबा नगर में 102 हेक्टेयर भूमि के आवंटन की स्वीकृति दी है। इससे रिफाइनरी के पास पेट्रोज़ोन की स्थापना का कार्य शीघ्र शुरू हो

सकेगा। शर्मा ने बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत भीलवाड़ा जिले की जहाजपुर तहसील के ग्राम पीपलुन्द में नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए भी रीको को 31 हेक्टेयर भूमि आवंटित करने की स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही, उन्होंने 2000

मेगावाट सोलर प्रोजेक्ट की स्थापना के लिए राजस्थान सोलर पार्क डवलपमेंट कंपनी लिमिटेड को जैसलमेर जिले की तहसील नाचना के ग्राम बोडाना में 4 हजार हेक्टेयर राजकीय भूमि के आवंटन की स्वीकृति दी है।

एक अन्य प्रकरण में, बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत चम्बल नदी आधारित वृहद् पेयजल परियोजना चम्बल-सवाईमाधोपुर-करौली-नादौती-गंगापुर सिटी की क्रियावित्ति के लिए वॉटर रिज़र्वॉय बनाने के लिए तहसील मण्डरायल (करौली) के ग्राम पंचौली, दरगावा, फिरोजपुर और मारकाकुआ में 221 हेक्टेयर भूमि के आवंटन की स्वीकृति दी गई है।

'ग्रॉस फिक्स्ड कैपिटल फॉर्मेशन इस वर्ष 6.4 प्रतिशत घटेगा'

कांग्रेस का आरोप है कि ग्रोथ में भारी गिरावट आई है और सरकार इससे इन्कार नहीं कर सकती है

■ कांग्रेस ने यह भी कहा कि मनरेगा की दिहाड़ी में वृद्धि और कृषि उपज की एमएसपी बढ़ाना जरूरी है ताकि गरीबों की आय में वृद्धि हो सके।

■ कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्राइवेट फाइनेल कंज़म्पशन एक्सपेंडिचर में गिरावट का उल्लेख करते हुए कहा है, इस बार कारों की बिक्री चार साल के न्यूनतम स्तर पर रही।

■ कांग्रेस ने मिडिल क्लास की घरेलू बचत कम होने पर भी चिंता जताई और कहा कि सरकारी आंकड़े ही कह रहे हैं कि 2020-21 और 2022-23 के बीच घरेलू बचत 9 लाख करोड़ रूपए घटी है।

कांग्रेस ने निरंतर कहा है, ग्रोथ स्लोडाउन और निवेश निरुत्साह के बादलों को हटाने के लिए क्रांतिकारी कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, भारत के गरीबों के लिए आय में सहायता, मनरेगा में दिहाड़ी बढ़ाने और कृषि उपज की एम.एस.पी. बढ़ाना समय की जरूरत है, हास्यास्पद रूप से जटिल जी.एस.टी. प्रणाली का सरलीकरण और मध्यम वर्ग के लिए इनकम टैक्स में राहत भी जरूरी है।

लम्बे रोड शो के कारण आतिशी नामांकन नहीं भर सकीं

नयी दिल्ली, 13 जनवरी। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को नामांकन से पहले लंबा रोड शो, किया लेकिन नामांकन नहीं दाखिल कर सकीं। आतिशी ने नामांकन से पहले लंबा रोड शो किया लेकिन मध्यम वर्ग के लिए इनकम टैक्स में राहत भी जरूरी है।

महाकुंभ ...

जुड़े हुए हैं, और यहां आना उनके लिए सौभाग्य की बात है। भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और आस्था का प्रतीक यह मेला हर 12 वर्ष पर आयोजित होता है। महाकुम्भ भारत की पौराणिक परम्पराओं और आध्यात्मिक विरासत का उत्सव है। आज प्रथम स्नान को लेकर भी लोगों में जोश और उत्साह देखा जा रहा है। यहां आये श्रद्धालु चाहे, वे जिस भी किसी आयु वर्ग के हों, उनके अंदर पावन महाकुम्भ में स्नान करके पुण्य-लाभ के भागी बनने की इच्छा स्पष्ट नजर आ रही है।

न स्वास्थ्य, न उम्र, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) बना हुआ है। उस परिवार का उन पर भारोसा नहीं रहा है, क्योंकि वे ऐसे इकलौते नेता हैं, जिन्होंने सोनिया गांधी को आँखें दिखाई हैं तथा उस विश्वास को तोड़ा है, जो उस परिवार को उन पर था।

इसलिए, अगर गहलोत ने दिल्ली के चुनावों को लेकर एक प्रैस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, तो सचिन पायलट से भी कहा गया है कि एक युवा नेता के रूप में, वे भी एक प्रैस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करें तथा यह घोषणा करें कि कांग्रेस दिल्ली के शिष्टित बेरोजगार युवाओं को एक वर्ष तक 8500 रूपए प्रतिमाह देगी।

गहलोत इस समय मुश्किल में है क्योंकि उनका स्वास्थ्य, उनकी उम्र और गांधी परिवार से उनकी परेशानी- कोई भी चीज उनकी इस महत्वाकांक्षा का समर्थन नहीं कर रही कि वे पार्टी और राजनीति में प्रार्संगिक बने रहें।

छात्र आंदोलन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) का लाभ दे चुकी है, जबकि नरेश के अलावा शेष अन्य आरोपी अभी फरार चल रहे हैं। वहीं, साल 2004 में ही पुलिस ने विवि के बाहर रास्ता जाम करने के मामले में मामला दर्ज कर आरोपी नरेश मीणा की अनुपस्थिति में उसके खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। इस पर अदालत ने नरेश मीणा के गिरफ्तारी के स्थाई वारंट जारी कर तलब किया था। पुलिस ने सोमवार को नरेश मीणा को जेल से प्रोडक्शन वारंट से लाकर अदालत में पेश किया था, जहां अदालत ने उसे 24 जनवरी तक जेल भेज दिया।

सिंगापुर के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आयेगा। उनका 16 जनवरी को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया जाएगा। अपनी यात्रा के दौरान, शनमुगारलम, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ चर्चा करेंगे, जो उनके सम्मान में एक भोज का आयोजन भी करेंगी। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वे विदेश मंत्री एस. जयशंकर और कई अन्य भारतीय गणमान्य लोगों से भेंट करेंगी। वे 17-18 जनवरी को ओडिशा का भी दौरा करेंगी। यह राजकीय यात्रा भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के समारोहों की शुरुआत को भी चिह्नित करेगी। ओडिशा के भुवनेश्वर में राष्ट्रपति शर्मन ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी से मुलाकात करेंगी।

'सीएजी रिपोर्ट पेश करने में बरती जा रही ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) जिस तरह टालमटोल कर रही है उससे उसकी वास्तविकता को लेकर शक होता है आपको सीएजी रिपोर्टों को तुरंत विधानसभा अध्यक्ष को प्रेषित करना चाहिये था ताकि उस पर सदन में बहस करायी जा सके।

अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 16 जनवरी को करेगी। दिल्ली सरकार की ओर से कहा गया कि यह याचिका राजनीति से प्रेरित है। अदालत ने कहा कि इन रिपोर्टों को उपराज्यपाल को भेजने और फिर उन्हें विधानसभा अध्यक्ष को प्रेषित करने की तिथियाँ और उनमें लगने वाले समय को देखा जाये तो उससे सारी चीजें स्पष्ट लगती हैं।

अदालत ने कहा, देखिये आपने कुछ समय तक किस तरह टाल-मटोल की यह दुर्भाग्यपूर्ण है। अदालत ने टिप्पणी की कि यह टाल-मटोल सीएजी की रिपोर्टों के लिए बहस करने से

हर मोर्चे पर असफल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) सरकार ने सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिक तैनात कर दिये हैं, इसके साथ ही गोला-बारूद का बड़ा जखीरा वहाँ पहुँचा दिया गया है। कुछ नौसैनिक बल भी अतिरिक्त रूप से सक्रिय हो गये हैं तथा उन्होंने बंगाल की खाड़ी से भारतीय मछुआरे पकड़े हैं। सही बात तो यह है कि बाँलादेश के सीमा सुरक्षा बलों तथा सेनाओं द्वारा भारतीय सेना पर सीधी लड़ाई के लिये दबाव बनाने में कोई संदेह नहीं रहा है। यह पूरी तरह सम्भव है कि बाँलादेश की अन्तरिम सरकार पर कम से कम कुछ क्षेत्रों में कुछ परिणाम प्रदर्शित करने का भारी दबाव है तथा इसलिए वह सरकार अपनी जनता को अपनी सैन्य दक्षता दर्शा रही है। कुछ छुट्टुपुट तथा आकस्मिक घटनाएँ घटित होने की कुछ संभावना हर समय है तथा ऐसी घटनाओं से अनावश्यक टकराव तथा दुश्मनी की स्थिति पैदा हो सकती है। बाँलादेश में इस उग्र माहौल को शांत करने के प्रयास के अन्तर्गत, भारतीय डिप्टी हाईकमिश्नर ने मौजूदा तंत्र पर

फरवरी 2020 को दिल्ली में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) आरोपी ने जेल से ही नामांकन पत्र भरा था। नवीनतम उदाहरण अमृतपाल सिंह का है। आरोपी के वकील ने कहा, उसे एक राष्ट्रीय पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है, उसे नामांकन पत्र दाखिल करने के अलावा चुनाव प्रचार भी करना होगा और अपनी सम्पत्ति भी घोषित करनी होगी। दिल्ली हाई कोर्ट ने आई.बी.कर्मचारी अंकित शर्मा हत्या के केस में दायर ताहिर हुसैन की जमानत याचिका पर पुलिस से जवाब मांगा। उन्होंने आगे कहा कि ट्रायल कोर्ट ने गत वर्ष राशद इंजीनियर को लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए जमानत दी थी। यह भी कहा गया है कि हुसैन 9 मार्च 2020 से ही जेल में हैं तथा उसने दंगों से जुड़े दो अन्य मामलों में भी जमानत मांगी है। अगली सुनवाई 14 जनवरी को होगी। हुसैन ने गत सप्ताह कोर्ट से 14 जनवरी 2025 से 9 फरवरी 2025 तक के लिए जमानत मांगी थी ताकि वह ए.आई.एम.आई.एम. के टिकट पर मुस्तफाबाद सीट से चुनाव लड़ सके। उसने नामांकन पत्र भरने, बैंक में खाता खोलने व प्रचार करने के लिए जमानत मांगी है। यह याचिका अधिवक्ता तारा नरुला ने दायर की है। पूर्वोत्तर दिल्ली में 24 फरवरी 2020 को हिंसा भड़की थी, जिसमें 53 लोग मारे गए थे तथा

हाईकोर्ट ने गंगापुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) रामकेश मीणा की ओर से दायर जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सारांश सेनी ने अदालत को बताया कि गंगापुर सिटी को जिले का दर्जा निर्धारित मापदंड के तहत दिया गया था। प्रदेश में सरकार बदलने के बाद जिलों को लेकर राजनीति शुरू हुई और अब राजनीतिक द्वेषता के चलते ही कुछ जिलों का दर्जा समाप्त कर दिया गया है। गंगापुर सिटी से जिला का दर्जा समाप्त करने के पीछे भी सरकार की राजनीतिक द्वेषता है। याचिका में कहा गया कि सरकार ने करीब डेढ़ साल पहले गंगापुर सिटी को जिला बनाया था और उसके बाद यहाँ कई प्रशासनिक निमुक्तियाँ हो चुकी हैं। यहाँ विभाग भी बतौर जिला स्तर पर काम कर रहे हैं। कमेटी ने लोगों से आपत्तियाँ मांगने के बाद इसे जिला घोषित किया था। ऐसे में अब महज राजनीतिक द्वेषता के चलते इसे जिला निरस्त करना गलत है।

■ ताहिर हुसैन इस केस में आरोपी हैं तथा 4.9 साल जेल में हैं।

■ अपनी जमानत अर्जी में ताहिर हुसैन ने कहा है, वे चुनाव लड़ने जा रहे हैं, उन्हें जमानत पर रिहा किया जाये, क्योंकि मुकदमा काफी लम्बा चलेगा, 114 गवाहों के बयान होने पर, 4.9 साल में केवल 20 गवाहों की गवाही हुई है। चुनाव का पर्चा भरने, चुनाव प्रचार करने व अन्य औपचारिकताएँ पूरी करने के लिए उन्हें अंतरिम जमानत पर छोड़ा जाये।

कई अन्य घायल हो गए थे। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 26 फरवरी 2020 को शिकायतकर्ता रविंदर कुमार ने दयालपुर पुलिस को स्टेशन में शिकायत की थी कि उसका पुत्र अंकित शर्मा जो इन्स्टीट्यूट ब्यूरो में नौकरी करता है, 25 फरवरी से लापता है। कथित रूप से शर्मा को दंगाग्रस्त क्षेत्र खजूरी खास नाला से मिला उसके शरीर पर चोट के 51 निशान थे। हुसैन ने कहा

कि वह 4 साल 9 माह जेल में गुजार चुका है और केस का ट्रायल शुरू हो चुका है। पर, 114 गवाहों में से 20 के बयान दर्ज हुए हैं। हुसैन ने कहा कि ट्रायल पूरा होने में काफी समय लग गए। उसकी याचिका में कहा कि दंगाई भीड़ में शामिल लोगों, जो कथित तौर पर शर्मा की हत्या में लिप्त थे, उन्हें हाई कोर्ट जमानत दे चुका है।

नाबालिग से दुष्कर्म व बेचने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) कि पीड़िता की मां ने 10 जुलाई, 2014 को गलता गेट थाने में पीड़िता के लापता होने की जानकारी दी थी। रिपोर्ट में बाल अपचारी पर उसे बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया था, जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बाल अपचारी के खिलाफ किशोर बोर्ड में चालान पेश किया था और बोर्ड ने उसे तीन साल के लिए सुरक्षित स्थल, भीलवाड़ा में भेजने के आदेश दिया था। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि बाल अपचारी और नैना व सपना उसे बहला फुसला कर शिकोहाबाद ले गए थे। यहाँ बाल अपचारी ने अपने घर पर उसका रेप किया और अनैतिक काम कराना चाहा।



राजस्थान सरकार



एक वर्ष परिणाम उत्कर्ष

पटेल नगर

आवासीय योजना

(खोरी-रोपाड़ा) जोन-10
(रेरा रजिस्ट्रेशन नं. RAJ/P/2023/2588)

270 भूखण्डों

के लॉटरी से आवंटन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ

आवेदन की प्रारम्भ तिथि	: 14.01.2025
आवेदन की अन्तिम तिथि	: 13.02.2025
लॉटरी की तिथि	: 24.02.2025

आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु
जविप्रा की वेबसाइट www.jda.rajasthan.gov.in
अथवा ई-मित्र कियोस्क केन्द्रों पर उपलब्ध हैं।

RERA Website : <http://rera.rajasthan.gov.in>






जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिया सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004